नई दिल्ली
शनिवार
12 सितंबर 2026
वर्षः 13, अंकः 09
पृष्ठः 08, मूल्य 2 रु0

E-mail
story@sadbhawna.today
sadbhavnatoday@gmail.com
web: www.sadbhawna.today

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सद्भावना टुडे

आवाज़ अधिकार की

ब्रिक्स सम्मेलन में छाएगा 'ब्रांड बिहार', सत्तू-मखाना ...पेज-05

DELHIN/2014/58158

यूएस ओपनः राइबाकिना ने गॉफ को हराया,...पेज-06

एक नजर

देशभर में बैंक कर्मचारियों की हड़ताल, पांच दिवसीय कार्य सप्ताह की मांग

नई दिल्ली,एजेंसी। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में शुक्रवार को देशव्यापी हड़ताल से बैंकिंग सेवाएं प्रभावित हुईं हैं। पांच दिवसीय कार्य सप्ताह और अन्य वेतन संबंधी मुद्दों को लेकर कर्मचारियों ने विरोध-प्रदर्शन किया, जिससे ग्राहकों को परेशानी हुई। हालांकि, निजी क्षेत्र के बैंकों के कामकाज पर हड़ताल का असर नहीं पड़ा है। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियन (यूएफबीयू) के एक दिवसीय हड़ताल के आह्वान का निजी क्षेत्र के बैंकों के कामकाज पर असर नहीं पड़ा है।यूपीआई और इंटरनेट बैंकिंग सहित डिजिटल बैंकिंग सेवाएं सामान्य रूप से चलती रहीं। स्टेट बैंक, पीएनबी और यूनियन बैंक सहित देशभर के सरकारी और कुछ निजी बैंक आज से लगातार तीन दिन बंद रहेंगे। यूएफबीयू ने पांच दिवसीय कार्य सप्ताह तत्काल लागू करने और वेतन संबंधी 2 साल से लंबित मुद्दों के समाधान की मांग को लेकर देशव्यापी हड़ताल का आह्वान किया है। इस बीच, सार्वजनिक क्षेत्र के अधिकतर बैंकों ने अपने ग्राहकों को हड़ताल से कामकाज पर पड़ने वाले संभावित असर की जानकारी दी है। देशभर में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की अधिकतर शाखाएं पूरी तरह या आंशिक रूप से बंद रहीं, क्योंकि अधिकांश कर्मचारियों और अधिकारियों ने इस हड़ताल में हिस्सा लिया। इस हड़ताल से ज्यादातर बैंकों (पीएसबी) और कुछ पुराने निजी क्षेत्र के बैंकों की शाखाओं में नकद जमा, निकासी, चेक निपटान और प्रशासनिक कामकाज जैसी सेवाएं प्रभावित हुईं। एसबीआई ने ग्राहकों को जारी एक परामर्श में कहा कि बैंक ने हड़ताल के दिनों में शाखाओं और कार्यालयों का सामान्य कामकाज को सुनिश्चित करने के लिए सभी जरूरी व्यवस्थाएं की हैं, लेकिन हड़ताल के कारण बैंकों का कामकाज प्रभावित होने की आशंका है।

सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम में देश की बड़ी उपलब्धि, 80 लाख से ज्यादा एचपीवी वैक्सीन डोज लगी

नई दिल्ली,एजेंसी। सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम की दिशा में बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए राष्ट्रीय एचपीवी टीकाकरण अभियान के तहत देश में अब तक 80 लाख से अधिक एचपीवी वैक्सीन की डोज दी जा चुकी हैं। यह अभियान फरवरी 2026 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुरू किया था। अभियान के तहत 14 वर्ष की किशोरियों को अभिभावकों की सहमति से सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों पर स्वैच्छिक और मुफ्त सिंगल-डोज एचपीवी वैक्सीन दी जा रही है। भारतीय रजिस्ट्रार जनरल के 2021 के अनुमान के अनुसार, देश में हर साल करीब 1.2 करोड़ लड़कियां 14 वर्ष की आयु में पहुंचती हैं, जिन्हें इस पहल से लाभ मिलने की उम्मीद है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि चार राज्यों में 100 फीसदी कवरेज दर्ज किया गया है। इनमें गुजरात, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और मिजोरम शामिल हैं जहां अपने चिन्हित लक्षित समूह का 100 प्रतिशत कवरेज हासिल कर लिया है। वहीं बिहार, आंध्र प्रदेश और असम में 90 प्रतिशत से अधिक कवरेज दर्ज किया गया है। कर्नाटक में 85 प्रतिशत से अधिक, जबकि छत्तीसगढ़, सिक्किम, केरल, तेलंगाना और ओडिशा में 60 प्रतिशत से अधिक कवरेज हुआ है। राज्यों में उत्तर प्रदेश सबसे आगे है, जहां अभियान के तहत 22 लाख से अधिक किशोरियों को एचपीवी वैक्सीन दी जा चुकी है। मंत्रालय के मुताबिक अभियान के दौरान अभिभावकों, शिक्षकों, स्वास्थ्यकर्मियों और चिकित्सा विशेषज्ञों को जोड़कर एचपीवी टीकाकरण से जुड़ी भ्रांतियों और गलत सूचनाओं को दूर करने पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

ब्रिक्स देशों के बीच बड़ी व्यापार बाधाओं को दूर किये जाने, स्टार्टअप क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने का पीएम मोदी ने किया आह्वान

नई दिल्ली,एजेंसी। वैश्विक व्यापार की राह में बढ़ रही बाधाओं का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को ब्रिक्स देशों से समूह के बीच व्यापार की राह में बड़ी बाधाओं को हटाने और आपस में स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र को भी प्रोत्साहित करने की अपील की है। उन्होंने ब्रिक्स के उद्योग-व्यवसाय जगत से समूह के बीच ऐसी 10 शीर्ष बाधाओं को हटाने के बारे में रिपोर्ट तैयार करने और हर वर्ष 100 ब्रिक्स स्टार्टअप को दूसरे बाजारों में विस्तार करने में मदद करने का आह्वान किया। श्री मोदी भारत की अध्यक्षता में राजधानी में कल से शुरू हो रहे 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से पहले यहां भारत मंडपम में आयोजित ब्रिक्स बिजनस फोरम को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा, 'आज जब ब्रिक्स अपने तीसरे दशक में प्रवेश कर रहा है, ब्रिक्स बिजनस कौंसिल से मेरा आग्रह रहेगा, क्या आप ब्रिक्स देशों के बीच व्यापार की शीर्ष 10 बाधाओं को हटाने के लिए रिपोर्ट बना सकते हैं? मोदी ने इसी तरह प्रश्न किया, ' क्या हम हर वर्ष सौ ब्रिक्स स्टार्टअप इकाइयों को दूसरे ब्रिक्स बाजारों में स्केल (विस्तार) करने के लिए मदद कर सकते हैं? क्या हम अपने कारोबार जगत के बीच हज़ार नई साझेदारियां विकसित कर सकते है? इन तीनों मापदंडों पर हमें हर वर्ष अपनी प्रगति की समीक्षा करनी है।' रूस के राष्ट्रपति ब्लादीमीर पुतिन और ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान भी सम्मेलन में उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स देश मिल कर काम करेंगे तो दुनिया भर के लिए समस्याओं और जरूरतों का समाधान प्रस्तुत करने की क्षमता रखते हैं। इससे पहले श्री मोदी और श्री पुतिन ने भारत- रूस व्यापार प्रदर्शनी इनोप्रोम का भी दौरा किया। श्री मोदी ने ब्रिक्स बिजनस फोरम को संबोधित करते हुए वैश्विक व्यापार के विस्तार के लिए समुद्री नौवहन मार्गों की आज़ादी और नाविकों की सुरक्षा को जरूरी बताया और कहा कि भारत इन बातों का दृढ समर्थक है। उन्होंने कहा कि दुनिया में जब व्यापार की राहों में बाधाएं बढ़ रही हैं, भारत व्यापार समझौतों के माध्यम से आर्थिक सम्पर्क सेतुओं का निर्माण कर रहा है। प्रधानमंत्री ने ब्रिक्स देशों की क्षमता और ताकत का सम्मिलित रूप से इस्तेमाल कर वैश्विक समस्याओं का समाधान निकालने का आह्वान किया। दुनिया में व्यापार के विस्तार के लिए समुद्री मार्गों को खुला और सुरक्षित रखने के महत्व पर बल देते हुए श्री मोदी ने कहा, दुनिया में व्यापार आगे तभी बढ़ सकता है जब समुद्री मार्ग सुरक्षित हों, आपूर्ति की राहें खुली हों और नाविक सुरक्षित हों। इसीलिए भारत नौवहन की स्वतंत्रता और नाविकों की सुरक्षा का दृढ़ समर्थक है।' उन्होंने ये बातें ऐसे समय कही हैं जबकि पश्चिम एशिया में होर्मूज जल-डमरू मध्य में जहाजों का आना जाना अमेरिका-ईरान युद्ध के चलते रुक सा गया है। इसके अलावा अमेरिका तथा कुछ अन्य देश दूसरे देशों के खिलाफ व्यापार में ऊंचे शुल्क ओर अन्य प्रतिबंधात्मक उपाय करने में लगे हुए हैं। उन्होंने कहा कि दुनिया में आज जब व्यापार की राह में बाधाएं बढ़ रहीं हैं, भारत (विभिन्न बाजारों के साथ) आर्थिक संम्पर्क सेतु का निर्माण कर रहा है।' उन्होंने कहा कि 2014 के बाद भारत ने करीब 40 देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते किये हैं । उन्होंने कहा, ' ब्रिक्स समूह में भी हमारी सोच यही है, बाधाओं को कम करना, और कारोबार के लिए अवसर बढ़ाना।

उन्होंने कहा कि भारत की अध्यक्षता में समूह ने कृषि , स्वास्थ्य , कौशल विकास और स्मार्ट-ग्रिड जैसे क्षेत्रों में, सहयोग के नए नेटवर्क का गठन किया है। स्टार्ट-अप और लघु तथा मझोले उद्यमों को, मार्केट और कर्ज सुविधाओं से जोड़ने के लिए, हमने ब्रिक्स इन्क्युबेटर नेटवर्क, ब्रिक्स एमएसएमई पोर्टल, और ब्रिक्स स्टर्टअप नवाचार कोष जैसी पहलें की हैं। उन्होंने कहा कि ये पहले समूह के देशों के बीच निवेश एवं कौशल के आदान प्रदान को बढ़ाने में सहायक हो सकती हैं। श्री मोदी ने वैश्विक चुनौतियों के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था की गति और मजबूती का हवाला देते हुए कहा कि 'वैश्विक चिंताओं के बीच भी भारत आज आर्थिक वृद्धि और मजबूती का भरोसा दे रहा है।' उन्होंने वैश्विक निवेशक समुदाय से भारत में भारत में नवाचार और आविष्कार करने के लिए आने और यहां से दुनिया के बाजारों के लिए बड़े पैमाने के उत्पादन के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने भारत की अध्यक्षता में ब्रिक्स की चर्चाओं के मुख्य विषय 'बिल्डिंग फॉर रेज़िलियेन्स, इनोवेशन, को-ऑपरेशन एण्ड सस्टेनिबिलिटी' (दृढता, नवाचार, सहयोग और निरंतरता का निर्माण) का उल्लेख करते हुए कहा कि पछले बारह वर्षों में, भारत ने इस मंत्र को अपनी अर्थव्यवस्था और व्यापार नीति का आधार बनाया है।

ब्रिक्स बिजनेस फोरम में बोले पुतिनः व्यापार में अनुचित तरीके अपना रहे हैं पश्चिमी देश

नई दिल्ली। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने शुक्रवार को ब्रिक्स के बिजनेस फोरम में पश्चिमी देशों पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वे प्रतिस्पर्धा में आगे रहने के लिए व्यापार में खुलेआम अनुचित तरीके अपना रहे हैं। शनिवार को होने वाले 18 वें ब्रिक्स सम्मेलन से पहले आयोजित बिजनेस फोरम को संबोधित करते हुए श्री पुतिन ने कहा कि इस समय दुनिया में ढांचागत बदलाव देखने को मिल रहे हैं। इक्कीसवीं सदी में विकास के नये इंजन सामने आए हैं। यह अर्थव्यवस्था की प्रकृति है कि बदलाव को नहीं रोका जा सकता। पिछले पांच साल में वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में ब्रिक्स देशों का योगदान 40 प्रतिशत रहा है जबकि जी 7 देशों का 29 प्रतिशत। वैश्विक वृद्धि में ब्रिक्स देशों का योगदान 50 प्रतिशत से अधिक है जबकि जी 7 देशों का 18 प्रतिशत। इसका कारण यह है कि दुनिया की 50 प्रतिशत आबादी इन्हीं देशों में है। उन्होंने कहा, 'उन्हें ग्रेट 7 कहा जाता है, पता नहीं क्यों उन्हें ग्रेट कहा जाता है।' रूसी राष्ट्रपति ने कहा, 'हमारे पश्चिमी प्रतिस्पर्धी अपनी पुरानी स्थिति हासिल करने के लिए आगे निकलने के प्रयास में सबकुछ कर रहे हैं। जैसा कि ईशन ने कहा, वे कभी-कभी अनुचित तरीके भी अपनाते हैं। कभी-कभी सरकारी स्तर पर भी ये अनुचित तरीके देखने को मिलते हैं।' उन्होंने कहा कि इसके तहत पाइपलाइनों को ध्वस्त किया जा रहा है, अंतरराष्ट्रीय परिवहन और कॉरिडोर बंद किये जा रहे हैं, वाणिज्यिक जहाज जब्त किए जा रहे हैं और अवैध प्रतिबंध लगाये जा रहे हैं।

ब्रिक्स भारत इनोवेट्स प्रदर्शनी में दिखेगा देश का डीप-टेक नवाचार

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत की डीप-टेक नवाचार क्षमता को वैश्विक मंच पर प्रदर्शित करने के लिए 'ब्रिक्स भारत इनोवेट्स प्रदर्शनी' का आयोजन 11 और 12 सितंबर को यहाँ भारत मंडपम में किया जा रहा है। शिक्षा मंत्रालय ने बताया कि उनके और विदेश मंत्रालय के समन्वय से इस प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम भारत की अध्यक्षता में होने वाले 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के साथ आयोजित किया जा रहा है।

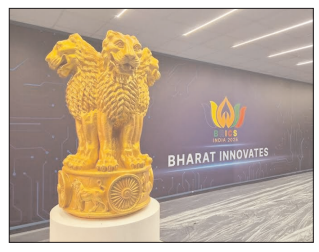

मंत्रालय ने कहा कि प्रदर्शनी में भारत के 37 डीप-टेक स्टार्टअप और नवाचार आधारित उद्यम हिस्सा ले रहे हैं। ये सभी वर्ष 2026 में आयोजित भारत इनोवेट्स कार्यक्रम में शामिल 120 स्टार्टअप और उद्यमों के समूह में से चुने गये हैं। प्रदर्शनी की थीम भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता के मूल विषय ,बिल्डिंग फॉर रेजिलियेंस, इनोवेशन, कोऑपरेशन, एंड सस्टेनेबिलिटी, के अनुरूप रखी गयी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, शिक्षा मंत्री प्रल्हाद जोशी तथा ब्रिक्स देशों के प्रतिनिधिमंडलों के प्रमुखों के प्रदर्शनी का दौरा करने की उम्मीद है। यह प्रदर्शनी 11 सितंबर को आयोजित होने वाले ब्रिक्स बिजनेस फोरम के साथ हो रही है। इसके माध्यम से भारतीय नवोन्मेषकों को ब्रिक्स देशों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों, निवेशकों, कारोबारी नेताओं और उद्योग प्रतिनिधियों के साथ सीधे संवाद का अवसर मिलेगा। इससे प्रौद्योगिकी साझेदारी, निवेश, कारोबारी सहयोग और अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंच के लिए नये अवसर बनने की संभावना है। फिक्की, सीआईआई और एसोचैम के समन्वय से बी2बी बैठकों और संपर्क कार्यक्रमों की सुविधा भी उपलब्ध करायी जा रही है।

वैश्विक आर्थिक व्यवस्था में उथल-पुथल के बीच लचीलापन बढ़ाना जरूरी: जयशंकर

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने शुक्रवार को कहा कि मौजूदा समय में वैश्विक राजनीतिक और आर्थिक व्यवस्था उथल-पुथल, अस्थिरता और जटिलताओं से गुजर रही है। भू-राजनीतिक संघर्षों, महामारियों और जलवायु संबंधी व्यवधानों के आर्थिक प्रभाव के बीच लचीलापन अब किसी भी देश की आर्थिक रणनीति का केंद्रीय तत्व बन गया है। उन्होंने कहा कि ऐसे दौर में नवाचार, टिकाऊ विकास और मजबूत अंतरराष्ट्रीय साझेदारियों के साथ आर्थिक झटकों से निपटने की क्षमता बढ़ाना आवश्यक है। ब्रिक्स व्यापार मंच को संबोधित करते हुए जयशंकर ने कहा कि तेजी से हो रहे डिजिटलीकरण और तकनीकी प्रगति ने विकास, उत्पादकता और आर्थिक विस्तार के नए अवसर खोले हैं, लेकिन इनके साथ नए जोखिम भी सामने आए हैं। इसलिए देशों को बदलती परिस्थितियों का अनुमान लगाने, उनके अनुरूप खुद को ढालने और प्रभावी ढंग से प्रतिक्रिया देने की क्षमता विकसित करनी होगी।

किसी देश के खिलाफ सैनिक या राजनैतिक दबाव वैश्विक स्थिरता पर असर डाल सकता है: पेज़ेशकियान

नई दिल्ली,एजेंसी। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेज़ेशकियान ने शुक्रवार को यहां कहा कि किसी देश के व्यापार, ऊर्जा, बुनियादी ढाँचे या वित्तीय प्रणालियों पर सैन्य या राजनीतिक दबाव का प्रभाव उसकी सीमाओं से कहीं आगे तक जा सकता है और इससे क्षेत्रीय तथा वैश्विक स्थिरता प्रभावित हो सकती है।

पेज़ेशकियान ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के सिलसिलें में भारत आये हुए हैं और उन्होंने शाम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ द्विपक्षीय मुकात से पहले यहां ब्रिक्स ब्रिजनस फोरम को संबोधित किया। वहां श्री मोदी और रूस के राष्ट्रपति ब्लादीमीर पुतिन भी उपस्थित थे। उनका यह बयान ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर उसके खिलाफ अमेरिका की सैन्य और व्यापारिक कार्रवाई (आर्थिक प्रतिबंध) के संदर्भों में देखा जा रहा है। ईरान के राष्ट्रपति ने इस पृष्ठभूमि में ब्रिक्स से ऐसी सशक्त और दृढ आर्थिक क्षमताएँ विकसित करने का आह्वान किया, जो किसी भी देश को वित्तीय साधनों या प्रौद्योगिकी पर एकाधिकार स्थापित करके किसी

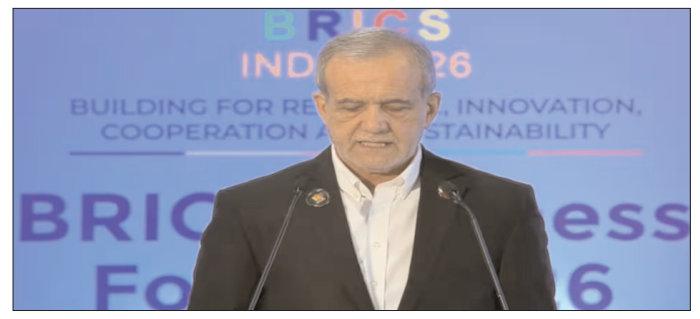

अन्य सदस्य देश के वैध व्यापार को बाधित करने से रोक सकें। श्री पेज़ेशकियान ने कहा कि यह दौर वैश्विक अर्थव्यवस्था के सबसे जटिल दौर में से एक है। इस दौर की विशेषता यह है कि इसमें भू-राजनीतिक अनिश्चितता है, आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान है और राजनीतिक दबाव बनाने के लिए आर्थिक प्रतिबंधों का बड़े आधार पर प्रयोग किया जा रहा है। फरवरी 2026 में संघर्ष शुरू होने के बाद पेज़ेशकियान की यह पहली भारत यात्रा है। संघर्ष के प्रभाव का सीधे उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि ईरान वर्षों से व्यापक प्रतिबंधों का सामना कर रहा है, लेकिन हाल में यह दबाव एक 'कहीं अधिक खतरनाक चरण' में प्रवेश कर गया है। उन्होंने अमेरिका और इजरायल को ईरान के खिलाफ आक्रामक बताते हुए कहा, 'इस आक्रामकता ने मानवीय और भौतिक क्षति पहुँचाने के साथ-साथ एक बार फिर एक महत्वपूर्ण वास्तविकता को उजागर किया है कि आर्थिक सुरक्षा को राष्ट्रीय और क्षेत्रीय सुरक्षा से अलग नहीं किया जा सकता।' उन्होंने कहा कि ब्रिक्स को अपनी आर्थिक क्षमता तक सीमित रहने के बजाय सहयोग को ठोस व्यापार, निवेश और वित्तपोषण तंत्रों में बदलने की आवश्यकता है।

बाल भिक्षावृत्ति मुक्त दिल्ली अभियान में एनजीओ एवं अन्य संस्थाओं को जोड़ा जाएः रेखा गुप्ता

नई दिल्ली,एजेंसी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को दिल्ली बाल अधिकार संरक्षण आयोग (डीसीपीसीआर) की बैठक की अध्यक्षता करते हुए आयोग को बाल भिक्षावृत्ति मुक्त दिल्ली अभियान को जनभागीदारी से मजबूत करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस अभियान में इच्छुक गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ), सिविल सोसायटी संगठनों (सीएसओ) और आरडब्ल्यूए को जोड़ा जाए ताकि स्थानीय स्तर पर बच्चों तक पहुंच बढ़ाई जा सके।

इस बैठक में दिल्ली बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अध्यक्ष डॉ. ओपी व्यास, आयोग के सदस्य तथा वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने बच्चों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए पॉस्को के प्रति जागरूकता अभियान को लगातार चलने वाली गतिविधि बनाने की सलाह दी। उन्होंने स्कूलों में कार्यरत स्टाफ के साथ-साथ स्कूल बस और वैन के चालकों, अटेंडेंट व सफाई कर्मचारियों आदि का अनिवार्य पुलिस सत्यापन सुनिश्चित करने पर जोर दिया, ताकि बच्चों की सुरक्षा में किसी भी स्तर पर लापरवाही की गुंजाइश न रहे। मुख्यमंत्री ने बाल देखभाल संस्थानों (सीसीआई) में रह रहे बच्चों के भविष्य को लेकर विस्तृत जानकारी तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने आयोग से ऑफ्टर केयर में रहने वाले बच्चों की सूची तैयार कर अपने कार्यालय को उपलब्ध कराने को कहा। सूची में बच्चे का नाम, आयु, संबंधित संस्थान, वहां रहने की अवधि, शिक्षा एवं योग्यता और अर्जित कौशल जैसी जानकारी शामिल करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि संस्थानों से बाहर आने वाले बच्चों को केवल आश्रय देना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन्हें शिक्षा, कौशल और रोजगार से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाना जरूरी है। इच्छुक बालिकाओं को परिवहन विभाग के माध्यम से ऑटो और बालकों को ई-रिक्शा उपलब्ध कराने की दिशा में भी काम किया जा सकता है ताकि वे सम्मानजनक आजीविका शुरू कर सकें।

महाराष्ट्र में 12 घंटों में तीन सड़क हादसों में 21 लोगों की मौत

मुंबई,एजेंसी। महाराष्ट्र के अहिल्यानगर, भंडारा और नांदेड़ जिले में पिछले 12 घंटों में तीन सड़क हादसों में 21 लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए। इनमें महिलाएं और छोटे बच्चे भी शामिल हैं। पुलिस के अनुसार पहली घटना अहिल्यानगर जिले के भलवानी शिवरा इलाके में हुई। यहां अहिल्यानगर-कल्याण हाईवे पर होटल संदीप के सामने बीती देर रात करीब 2 बजे आयशर टेम्पो और कार की आमने-सामने टक्कर हो गई। इस दुर्घटना में कार में सवार एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान शकील शेख, उनकी पत्नी सलमा शेख, इकबाल शेख और सुमैया शेख के रूप में हुई है। जांच में पता चला है कि सभी मुंबई के मालवणी इलाके के रहने वाले थे और रिश्तेदारों से मिलने अहिल्यानगर आ रहे थे। मामले में अल्ताफ शब्बीर शेख (52), निवासी मुकुंदनगर, अहिल्यानगर ने पारनेर पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई है।

शिकायत के मुताबिक, शकील शेख अपने परिवार के साथ कार से अहिल्यानगर आ रहे थे। भलवानी शिवरा में होटल संदीप के सामने सामने से आ रहे आयशर टेम्पो ने उनकी कार को टक्कर मार दी। दुर्घटना में कार में सवार चारों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने तत्काल एंबुलेंस को सूचना दी और घायलों को पारनेर ग्रामीण अस्पताल पहुंचाया। हालांकि, डॉक्टरों ने जांच के बाद चारों को मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद आयशर टेम्पो का चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। भंडारा जिले के लाखनी-साकोली मार्ग पर पिंपलगांव के पास शुक्रवार सुबह एक आयशर टेम्पो और ट्रक की टक्कर हो गई। हादसे में छत्तीसगढ़ से नागपुर जा रहे मजदूर परिवारों के 9 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में छह महिलाएं और तीन छोटे बच्चे शामिल हैं। ये लोग त्योहार मनाने नागपुर जा रहे थे। वाहनों में करीब 16 से 17 लोग सवार थे। सुबह नेशनल हाईवे पर पिंपलगांव के पास दोनों वाहनों की टक्कर हो गई। मृतकों में अधिकांश महिलाएं करीब 35 वर्ष की हैं, जबकि एक महिला की उम्र लगभग 55 वर्ष बताई जा रही है। तीनों मृत बच्चों की उम्र पांच वर्ष से कम है। इस हादसे में सोमनाथ वर्मा के परिवार के चार सदस्यों—उनकी मां, बहन, भाभी और भतीजी की भी मौत हो गई। हादसे में घायल तीन बच्चों को भंडारा मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है, जबकि अन्य घायलों को नागपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। वाहन चालक घायल है और उसका भंडारा मेडिकल कॉलेज में इलाज चल रहा है। लखनी पुलिस मामले की जांच कर रही है। तीसरी घटना में नांदेड़ जिले के नांदेड़-भोकर रोड पर गुरुवार शाम करीब 6 बजे एक ट्रक और पिकअप वाहन की आमने-सामने टक्कर में आठ लोगों की मौत हो गई, जबकि सात लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। मृतकों में पति-पत्नी और दो सगे भाई भी शामिल हैं।

महिलाओं से जुड़ी ऑनलाइन शिकायत व्यवस्था को और मजबूत करे महिला आयोग : रेखा गुप्ता

सैफुल्लाह सिद्दीकी, वरिष्ठ पत्रकार

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को राज्या महिला आयोग की बैठक में में कहा कि आयोग को महिलाओं से जुड़ी ऑनलाइन शिकायत व्यवस्था को मजबूत करने के साथ-साथ महिलाओं और बालिकाओं के हितों से जुड़े मुद्दों पर जमीनी स्तर पर सक्रियता बढ़ानी चाहिए। उन्होंने पॉस्को और साइबर अपराधों के प्रति बालिकाओं को जागरूक करने, पात्र किशोरियों तक एचपीवी टीकाकरण का लाभ पहुंचाने और महिलाओं की शिकायतों के ऑनलाइन निस्तारण की व्यवस्था को और सरल एवं प्रभावी बनाने पर जोर दिया।

मुख्यमंत्री जनसेवा सदन में आयोजित इस बैठक में आयोग की अध्यक्ष लता गुप्ता, सदस्य और वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि कॉलेजों में पढ़ने वाली छात्राओं को साइबर अपराधों से बचाव के लिए विशेष रूप से जागरूक किया जाना चाहिए। उन्होंने आयोग को कॉलेजों में अभियान चलाकर छात्राओं को ऑनलाइन उत्पीड़न, सोशल मीडिया के दुरुपयोग, साइबर ठगी और अन्य डिजिटल अपराधों से बचने के उपायों की जानकारी देने तथा किसी घटना की स्थिति में शिकायत कहां और किस प्रकार दर्ज कराई जाए, इसकी जानकारी उपलब्ध कराने की सलाह दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि बालिकाओं को उनके अधिकारों और यौन अपराधों से सुरक्षा के लिए उपलब्ध कानूनी प्रावधानों की जानकारी होना बेहद जरूरी है। उन्होंने आयोग से पॉस्को अधिनियम के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए स्कूलों और कॉलेजों में अभियान चलाने तथा बालिकाओं को शोषण या उत्पीड़न की स्थिति में उपलब्ध सहायता और शिकायत व्यवस्था के बारे में जानकारी देने को कहा। उन्होंने सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए एचपीवी टीकाकरण को लेकर भी जागरूकता बढ़ाने पर जोर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि घरेलू हिंसा, मानव तस्करी, यौन शोषण और उत्पीड़न जैसी शिकायतों के लिए महिलाओं को सरल, सुलभ और भरोसेमंद व्यवस्था मिलनी चाहिए। ऑनलाइन शिकायत प्रणाली ऐसी होनी चाहिए, जिसमें महिला आसानी से अपनी शिकायत दर्ज करा सके और उसके निस्तारण की प्रक्रिया की जानकारी भी उसे मिलती रहे। उन्होंने आयोग की कार्यप्रणाली को महिलाओं की वास्तविक जरूरतों के अनुरूप और अधिक प्रभावी बनाने तथा शिकायतों के निस्तारण में संवेदनशीलता और तत्परता सुनिश्चित करने की सलाह दी। मुख्यमंत्री ने महिलाओं को संकट की स्थिति में सहायता उपलब्ध कराने वाले वन स्टॉप सेंटरों (सखी) तथा सरकार और गैर-सरकारी संस्थाओं द्वारा संचालित महिला आश्रय एवं देखभाल संस्थानों का दौरा कर वहां की व्यवस्थाओं की समीक्षा करने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि इन संस्थानों में रहने वाली महिलाओं को सुरक्षित वातावरण के साथ आवश्यक चिकित्सा, परामर्श, कानूनी सहायता और पुनर्वास संबंधी सुविधाएं प्रभावी ढंग से मिलनी चाहिए। महिलाओं की समस्याओं का समाधान केवल शिकायत मिलने के बाद कार्रवाई तक सीमित नहीं होना चाहिए बल्कि जागरूकता, रोकथाम, सहायता और शिकायत-निवारण, हर स्तर पर आयोग की सक्रिय भूमिका दिखाई देनी चाहिए। कि समाज के वंचित और जरूरतमंद वर्गों की पात्र किशोरियों तक नि:शुल्क एचपीवी टीकाकरण की जानकारी और सुविधा पहुंचाना प्राथमिकता होनी चाहिए। आयोग को इस दिशा में जागरूकता गतिविधियां बढ़ाने और जरूरतमंद परिवारों तक सही जानकारी पहुंचाने के लिए संबंधित विभागों के साथ समन्वय करने की सलाह दी। मुख्यमंत्री ने महिला आयोग की ऑनलाइन शिकायत व्यवस्था को और मजबूत करने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा

डूसू चुनाव के लिए एनएसयूआई ने घोषित किया चार प्रत्याशियों का पैनल

शाहनवाज सैफ, सद्भावना टुडे

नई दिल्ली। भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) ने दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ (डूसू) चुनाव 2026-27 के लिए अपने चार प्रत्याशियों के पैनल की घोषणा कर दी है। एनएसयूआई ने अध्यक्ष पद के लिए विजय शंकर मीणा, उपाध्यक्ष पद के लिए वीर छत्रथ, सचिव पद के लिए नम्रता चौधरी और संयुक्त सचिव पद के लिए गोपाल चौधरी को प्रत्याशी बनाया है। एनएसयूआई के अनुसार उसका पैनल विभिन्न सामाजिक पृष्ठभूमियों और शैक्षणिक अनुभवों से जुड़े छात्र नेताओं को प्रतिनिधित्व देता है। संगठन ने छात्र अधिकार, सामाजिक न्याय, लोकतांत्रिक मूल्यों और समावेशी विश्वविद्यालय परिसर को चुनाव में हुई प्रमुख मुद्दा बनाने की बात कही है।

अध्यक्ष पद के प्रत्याशी विजय शंकर मीणा मूल रूप से राजस्थान के निवासी हैं। उन्होंने राजस्थान विश्वविद्यालय से स्नातक की पढ़ाई पूरी की है और वर्तमान में दिल्ली विश्वविद्यालय में बौद्ध अध्ययन विषय से एमए प्रथम वर्ष में अध्ययनरत हैं। संगठन के अनुसार वह छात्र अधिकारों, सामाजिक न्याय और लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व से जुड़े मुद्दों पर सक्रिय रहे हैं। उपाध्यक्ष पद के प्रत्याशी वीर छत्रथ दिल्ली के निवासी हैं। उन्होंने स्नातक की पढ़ाई पूरी की है और वर्तमान में दिल्ली विश्वविद्यालय में बौद्ध अध्ययन विषय से एमए प्रथम वर्ष में अध्ययनरत हैं। एनएसयूआई के अनुसार उनकी छात्र राजनीति, लोकतांत्रिक सहभागिता और छात्र समुदाय से जुड़े मुद्दों में सक्रिय रुचि रही है। सचिव पद की प्रत्याशी नम्रता चौधरी दिल्ली की निवासी हैं। उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय के एसपीएम कॉलेज से स्नातक की पढ़ाई पूरी की है और वर्तमान में बौद्ध अध्ययन विषय से एमए द्वितीय वर्ष में अध्ययनरत हैं।

वह छात्र कल्याण, समान अवसर और परिसर में महिलाओं की सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर काम करती रही हैं। संयुक्त सचिव पद के प्रत्याशी गोपाल चौधरी मूल रूप से राजस्थान के निवासी हैं। उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय के सत्यवती कॉलेज से स्नातक की पढ़ाई पूरी की है और वर्तमान में बौद्ध अध्ययन विषय से एमए प्रथम वर्ष में अध्ययनरत हैं। संगठन के अनुसार वह छात्र मुद्दों और परिसर में बेहतर शैक्षणिक एवं लोकतांत्रिक वातावरण के लिए सक्रिय रहे हैं। एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़ ने कहा कि प्रत्याशियों की घोषणा दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्रों की वास्तविक समस्याओं के समाधान पर केंद्रित व्यापक अभियान की शुरुआत है। उन्होंने कहा कि एनएसयूआई शिक्षा, सुरक्षा, आवास, सामाजिक न्याय और लोकतांत्रिक अधिकारों जैसे मुद्दों पर लगातार छात्रों के साथ खड़ा रहा है।

दिल्ली मंडल पर परिचालन कारणों से कई ट्रेनों का संचालन प्रभावित

नई दिल्ली। दिल्ली मंडल पर परिचालन संबंधी कारणों से रेलवे ने कुछ रेल सेवाओं के संचालन में अस्थायी परिवर्तन किया है। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी अमित सुदर्शन के अनुसार, इसके चलते उत्तर पश्चिम रेलवे की कुछ रेल सेवाएं आंशिक रूप से रद्द रहेंगी, जबकि कुछ ट्रेनों का संचालन परिवर्तित मार्ग से किया जाएगा। गाड़ी संख्या 14737 भिवानी-तिलकब्रिज रेलसेवा 12 एवं 13 सितंबर को भिवानी से प्रस्थान कर शकूरबस्ती तक ही संचालित होगी। इसके चलते शकूरबस्ती-तिलकब्रिज के बीच रेलसेवा आंशिक रूप से रद्द रहेगी। गाड़ी संख्या 14738 तिलकब्रिज-भिवानी रेलसेवा 12 और 13 सितंबर को तिलकब्रिज के बजाय शकूरबस्ती से संचालित होगी। इस कारण तिलकब्रिज-शकूरबस्ती के बीच रेलसेवा आंशिक रूप से रद्द रहेगी। गाड़ी संख्या 14727 श्रीगंगानगर-तिलकब्रिज रेलसेवा 13 सितंबर को श्रीगंगानगर से प्रस्थान कर नई दिल्ली तक ही संचालित होगी। नई दिल्ली-तिलकब्रिज के बीच इसका संचालन आंशिक रूप से रद्द रहेगा। इसी तरह गाड़ी संख्या 15307 तिलकब्रिज-सिरसा रेलसेवा 11 और 12 सितंबर को तिलकब्रिज के बजाय नई दिल्ली से संचालित होगी। इस कारण तिलकब्रिज-नई दिल्ली के बीच रेलसेवा आंशिक रूप से रद्द रहेगी। गाड़ी संख्या 14030 मेरठ कैंट-श्रीगंगानगर रेलसेवा 13 सितंबर को मेरठ कैंट से प्रस्थान करेगी और परिवर्तित मार्ग साहिबाबाद, दिल्ली शाहदरा, दिल्ली जंक्शन तथा दिल्ली किशनगंज होकर संचालित होगी।

डूसू चुनाव के लिए अभाविप ने घोषित किए चार प्रत्याशी

नई दिल्ली। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) ने दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ चुनाव 2026-27 के लिए अपने केंद्रीय पैनल के प्रत्याशियों की घोषणा कर दी। अभाविप ने अध्यक्ष पद के लिए यश डबास, उपाध्यक्ष पद के लिए ईशू मौर्य, सचिव पद के लिए रिया छाबड़ी और संयुक्त सचिव पद के लिए लक्ष्यराज सिंह को प्रत्याशी बनाया है। अभाविप ने बताया कि परिषद इस चुनाव में छात्रसंघ में रहते हुए किए गए कार्यों के साथ दिल्ली विश्वविद्यालय के आधारभूत ढांचे में सुधार, महिला सुरक्षा, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तथा सक्रिय एवं उत्तरदायी छात्रसंघ जैसे मुद्दों को प्रमुखता से उठाएगी। संगठन की ओर से सत्य निकेतन की घटना के बाद सुरक्षित विद्यार्थी आवास के मुद्दे को लेकर चलाया जा रहा 'आखिर कब तक?' अभियान भी चुनाव के प्रमुख मुद्दों में शामिल रहेगा।

अभाविप के राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. वीरेंद्र सिंह सोलंकी ने कहा कि पिछले वर्ष विद्यार्थियों ने अभाविप को डूसू में जिम्मेदारी दी थी। पूरे वर्ष संगठन ने विद्यार्थियों से जुड़े मुद्दों को उठाने और उनके समाधान के लिए काम किया। इस चुनाव में अभाविप अपने कार्यों और आगामी प्राथमिकताओं के साथ एक बार फिर विद्यार्थियों के बीच जा रही है। उन्होंने कहा कि दिल्ली विश्वविद्यालय में शिक्षा और सुविधाओं को बेहतर करने के साथ विद्यार्थियों, विशेषकर छात्राओं के लिए सुरक्षित परिसर सुनिश्चित करना संगठन की प्राथमिकता है। डूसू को विद्यार्थियों की आवाज बनकर उनकी समस्याओं पर लगातार काम करना चाहिए। अभाविप दिल्ली के मंत्री सार्थक शर्मा ने कहा कि आज दिल्ली विश्वविद्यालय का विद्यार्थी यह देखना चाहता है कि उसके लिए कौन काम कर रहा है और कौन केवल चुनाव के समय दिखाई देता है। अभाविप पूरे वर्ष विद्यार्थियों के बीच रहकर उनके मुद्दे उठाती रही है। सत्य निकेतन की घटना के बाद सुरक्षित पीजी और विद्यार्थी आवास का सवाल भी गंभीरता से सामने आया है, जिसे संगठन 'आखिर कब तक?' अभियान के माध्यम से उठा रहा है। उन्होंने कहा कि इस चुनाव में भी अभाविप का फोकस विद्यार्थियों के वास्तविक मुद्दों और उनके समाधान पर रहेगा।

एसआईआर के बाद दिल्ली में 47 लाख से ज्यादा नाम हटाने को कांग्रेस नेता ने बताया तर्कहीन

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और दिल्ली सरकार ओबीसी आयोग के पूर्व अध्यक्ष चतर सिंह ने दिल्ली में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद 47 लाख से ज्यादा लोगों के मतदाता सूची से हटाने को पूरी तरह से तर्कहीन है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में प्रति वर्ष मतदाताओं की संख्या बढ़ रही है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता चतर सिंह ने शुक्रवार को कनॉट प्लेस स्थित एंबेसी रेस्टोरेंट में प्रेस कांफ्रेंस करते हुए कहा कि 2025 विधान सभा चुनाव के समय कुल दिल्ली में एक करोड़ 56 लाख 26 हजार 756 वोटर रहे। इसमें 94 लाख 34 हजार 638 वोट पड़े। इसमें यदि आयोग के वर्तमान आंकड़े जिसमें एक करोड़ 45 लाख 10 हजार 299 मतदाता घटा दें तो फिर 11 लाख 20 हजार 495 मतदाता कहां गए? इसका जवाब दिल्ली चुनाव अधिकारी कार्यालय को इसका जबाब देना चाहिए, जबकि इस लिहाज से 2026 में एक अनुमानित जनसंख्या दो करोड़, 33 लाख, 90 हजार 387 सौ मतदाताओं की आंकी गई है। इस साल चुनाव आयोग ने एक करोड़, 45 लाख 10 हजार 299 वोटर (मतदाता) बताया है, तो फिर बीते साल के मतदाताओं में से 11 लाख 20 हजार 495 मतदाता कहां गए? कांग्रेस नेता चतर सिंह ने कहा कि दिल्ली में जनगणना के हिसाब से 68 से 70 फीसद युवा हैं। यहां एक करोड़ 61 लाख 39 हजार 364 सौ वयस्क मतदाता होना चाहिए। लेकिन एसआईआर के बाद 47 लाख 56 हजार 722 सौ वोटरों के नाम काट दिए। तर्क दिया गया कि इसका फार्म नहीं आया या वे अपना पुख्ता कागजात दिखा नहीं पाए।

एमसीडी का 12 जोनों में बड़ा प्रवर्तन अभियान, 25 जगहों पर ध्वस्तीकरण

सद्भावना टुडे, संवाददाता

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में खतरनाक भवनों, अनधिकृत निर्माणों और मास्टर प्लान ऑफ दिल्ली (एमपीडी) तथा भवन उप-नियमों के उल्लंघन के खिलाफ एमसीडी ने सभी 12 जोनों में प्रवर्तन कार्रवाई तेज कर दी है। शुक्रवार को निगम की टीमों ने व्यापक अभियान चलाते हुए 25 स्थानों पर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की। इसके अलावा 4 संपत्तियों को सील, 6 कारण बताओ नोटिस जारी तथा 4 ध्वस्तीकरण आदेश पारित किए गए। एमसीडी के अनुसार, यह कार्रवाई उन संपत्तियों के खिलाफ की गई, जहां निर्धारित भवन निर्माण मानदंडों और लागू नियमों का उल्लंघन पाया गया। निगम का कहना है कि अनधिकृत एवं खतरनाक निर्माणों पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए सभी जोनों में अभियान लगातार जारी रहेगा।

एक दिन पहले 41 संपत्तियां ध्वस्त, 61 सील

एमसीडी ने इससे पहले भी व्यापक प्रवर्तन अभियान चलाया था। निगम के मुताबिक, कल की कार्रवाई में 41 संपत्तियों को ध्वस्त किया गया, जबकि 61 अन्य संपत्तियों को एमपीडी और भवन उप-नियमों के उल्लंघन के चलते सील किया गया था। लगातार दो दिनों की कार्रवाई से स्पष्ट है कि निगम ने अनधिकृत निर्माणों के खिलाफ अभियान को व्यापक स्तर पर तेज किया है।

सत्य निकेतन से बुराड़ी और वसंत कुंज तक कार्रवाई

शुक्रवार की कार्रवाई के दौरान दक्षिण जोन के सत्य निकेतन, दक्षिण-पश्चिम जोन के वसंत कुंज, उत्तरी जोन के बुराड़ी, केशवपुरम जोन के शालीमार बाग, मध्य जोन के कृष्णा पार्क, आदर्श नगर स्थित राजन बाबू रोड तथा उत्तर-पूर्वी जोन के नेहरू विहार स्थित चंदू नगर में ध्वस्तीकरण अभियान चलाया गया। पुरानी दिल्ली जोन में दिल्ली गेट बाजार, दरियागंज स्थित एक संपत्ति के खिलाफ भी कार्रवाई की गई। निगम के अनुसार, यहां पांचवीं मंजिल की छत पर बनाए गए दो पैनलों को ध्वस्त कर काट दिया गया। कार्रवाई के दौरान दरियागंज थाना पुलिस का भी सहयोग लिया गया।

पीजी भवनों पर भी निगम की नजर

एमसीडी ने दिल्लीभर में संचालित पेइंग गेस्ट (पीजी) आवासीय भवनों का व्यापक फील्ड सर्वेक्षण भी शुरू किया है। निगम के अनुसार, अब तक किए गए सर्वेक्षण में 1,523 ऐसे भवनों की पहचान हुई है, जहां पीजी सुविधाएं संचालित हो रही हैं। इन भवनों में लगभग 33,500 लोग रह रहे हैं। निगम द्वारा सर्वेक्षण के दौरान एकत्रित किए गए आंकड़ों और विवरणों को फिलहाल समेकित किया जा रहा है। इसके बाद लागू नियमों एवं विनियमों के तहत आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। एमसीडी अधिकारियों के मुताबिक, पीजी भवनों का सर्वेक्षण और अनधिकृत निर्माणों के खिलाफ प्रवर्तन अभियान राजधानी में भवन नियमों के अनुपालन को सुनिश्चित करने की दिशा में चलाया जा रहा है।

पाकिस्तानी सिख श्रद्धालुओं को फैसलाबाद एयरपोर्ट पर रोकना धार्मिक भावनाओं व आस्था पर सीधा प्रहार : सिरसा

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने श्री हेमकुंड साहिब की पवित्र यात्रा पर आ रहे पाकिस्तानी सिख श्रद्धालुओं को फैसलाबाद एयरपोर्ट पर रोके जाने को धार्मिक भावनाओं और आस्था पर सीधा प्रहार बताया है।

सिरसा ने शुक्रवार को एक्स पोस्ट में कहा कि पाकिस्तानी सिख श्रद्धालुओं को फैसलाबाद एयरपोर्ट पर एनओसी के नाम पर उनके सफर में रोड़े अटकाना, वहां की पाकिस्तान सरकार की घिनौनी मानसिकता और अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचारों का एक और शर्मनाक सबूत है। अपने गुरु के दरबार में माथा टेकने जा रहे श्रद्धालुओं को रोकना सीधे तौर पर उनकी धार्मिक भावनाओं और आस्था पर सीधा प्रहार है। सिरसा ने कहा कि पाकिस्तान सरकार की यह फितरत साफ दिखाती है कि वह नहीं चाहती कि सिख श्रद्धालु अपने गुरु के चरणों में पहुंचकर अरदास कर सकें। ऐसी ओछी हरकतों से वह हमारी आस्था को नहीं डिगा सकती। पाकिस्तान सरकार तुरंत अपनी इस घटिया हरकत के लिए माफी मांगे और बिना किसी देरी के सभी श्रद्धालुओं को सुरक्षित भारत आने की अनुमति दे, ताकि वे श्री हेमकुंड साहिब में हाजिरी लगाकर मत्था टेक सकें। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान याद रखे - धर्म की राह पर दीवारें खड़ी करने से आस्था नहीं रुकती। खालसा पंथ और सिख संगत इस अन्याय को कभी नहीं भूलेगी।

दिल्ली आरपीएफ ने 55 आपराधिक मामलों में वांछित शातिर अभियुक्त को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) की दिल्ली मंडल टीम ने यात्रियों के सामान की चोरी के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत 55 आपराधिक मामलों में वांछित एक शातिर अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से करीब डेढ़ लाख रुपये कीमत का आईफोन 17 प्रो मैक्स मोबाइल फोन बरामद किया गया है। उत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु शेखर उपाध्याय ने बताया कि 8 सितंबर को दिल्ली मंडल की 'थेफ्ट ऑफ पैसेंजर बिलॉन्गिंग्स' टीम अपराधियों के विरुद्ध अभियान चला रही थी। इसी दौरान बिरला साइडिंग, सब्जी मंडी स्टेशन के पास रेलवे लाइनों पर एक संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ा गया। पूछताछ में उसकी पहचान सौरभ उर्फ बंटी (23) पुत्र मुकेश, निवासी करोल बाग, महाराणा प्रताप कार मार्केट, दिल्ली के रूप में हुई। तलाशी के दौरान उसके पास से आईफोन 17 प्रो मैक्स मोबाइल फोन बरामद हुआ, जिसकी कीमत करीब 1.50 लाख रुपये बताई गई है। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसने यह मोबाइल कीर्ति नगर क्षेत्र से चोरी किया था। इसके बाद आरपीएफ टीम ने तत्काल कीर्ति नगर थाना पुलिस को सूचना दी और आरोपी तथा बरामद मोबाइल फोन को सीलबंद हालत में संबंधित जांच अधिकारी को सौंप दिया। आरोपी के आपराधिक रिकॉर्ड की जांच में पता चला कि उसके विरुद्ध दिल्ली के विभिन्न थानों में कुल 55 आपराधिक मामले दर्ज हैं। इनमें चोरी, झपटमारी, चोरी की संपत्ति रखने, लूट, आर्म्स एक्ट तथा आईपीसी और बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज मामले शामिल हैं। रेलवे सुरक्षा बल के अधिकारियों के अनुसार इस प्रकार की कार्रवाई से रेलवे स्टेशनों, रेलवे परिसर और आसपास के क्षेत्रों में सक्रिय अपराधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने में मदद मिलेगी तथा यात्रियों के सामान की चोरी की घटनाओं में कमी आएगी।

डूसू चुनाव में एनएसयूआई का पूरा पैनल जीतेगा : देवेन्द्र यादव

शबाना बेगम, सद्भावना टुडे

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने दावा किया कि 18 सितंबर को होने वाले दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (डूसू) चुनाव में एनएसयूआई का पूरा पैनल विजयी होगा। उन्होंने कहा कि एनएसयूआई छात्रों के अधिकारों और कल्याण की आवाज को मजबूती से उठाएगी तथा विश्वविद्यालय में हॉस्टल की संख्या बढ़ाने, बेहतर छात्र सुविधाएं उपलब्ध कराने और शैक्षणिक माहौल को सुधारने के लिए संघर्ष करेगी। देवेन्द्र यादव ने यह बात आदर्श नगर जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा एनएसयूआई के पैनल के समर्थन में आयोजित बैठक को संबोधित करते हुए कही। बैठक का आयोजन जिला कांग्रेस अध्यक्ष सिद्धार्थ राव ने किया। बैठक में डूसू चुनाव की तैयारियों, संगठन की भूमिका और चुनावी रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई तथा कार्यकर्ताओं को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

डूसू चुनाव के लिए एनएसयूआई ने अध्यक्ष पद पर विजय शंकर मीना, उपाध्यक्ष पद पर वीर चतरथ, सचिव पद पर नम्रता चौधरी और संयुक्त सचिव पद पर गोपाल चौधरी को उम्मीदवार बनाया है। देवेन्द्र यादव ने कहा कि एनएसयूआई ने छात्रों के मुद्दों और उनकी समस्याओं को केंद्र में रखते हुए मजबूत पैनल मैदान में उतारा है। उन्होंने कहा कि चुनाव जीतने के बाद एनएसयूआई दिल्ली विश्वविद्यालय में छात्रों के अधिकारों की आवाज को बुलंद करेगी और विश्वविद्यालय परिसर में कथित तौर पर बढ़ रही वर्ग विशेष की राजनीति को समाप्त कर लोकतांत्रिक वातावरण मजबूत करने के लिए काम करेगी। देवेन्द्र यादव ने कहा कि एनएसयूआई विश्वविद्यालय प्रशासन के साथ

समन्वय कर लाइब्रेरी, हॉस्टल और अन्य छात्र संसाधनों में सुधार, साथ ही छात्रों के लिए किफायती फीस सुनिश्चित करने की दिशा में काम करेगी। उन्होंने कहा कि महिला छात्रों की सुरक्षा, लैंगिक समानता और बिना भेदभाव के समान अवसर उपलब्ध कराना भी एनएसयूआई की प्राथमिकताओं में शामिल रहेगा। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय परिसर में छात्रों को सुरक्षित और बेहतर माहौल मिलना जरूरी है। एनएसयूआई महिला सुरक्षा से जुड़े मुद्दों को मजबूती से उठाएगी और छात्रों के साथ किसी भी प्रकार के भेदभाव का विरोध करेगी।

देवेन्द्र यादव ने कहा कि सत्या निकेतन हादसे के बाद दिल्ली में पीजी और किराए के कमरों में रहने वाले छात्रों की सुरक्षा एक गंभीर मुद्दा बनकर सामने आया है। उन्होंने कहा कि एनएसयूआई छात्रों के लिए सस्ते और सुरक्षित हॉस्टल तथा पीजी में बेहतर बुनियादी सुविधाओं और कड़े सुरक्षा नियमों की मांग करेगी। उन्होंने कहा कि कॉलेजों में पीने के साफ पानी, स्वच्छता, सफाई व्यवस्था और रोजमर्रा के अध्ययन के लिए बेहतर वाई-फाई सुविधा उपलब्ध कराने के लिए भी एनएसयूआई संघर्ष करेगी। देवेन्द्र यादव ने जंतर-मंतर पर छात्र आंदोलन के दौरान हुई कार्रवाई का मुद्दा उठाते हुए भाजपा सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि 20 जुलाई को छात्र आंदोलन के शांति मार्च के दौरान पुलिस ने लाठीचार्ज और वाटर कैनन का इस्तेमाल किया तथा छात्रों पर छर्रे चलाए गए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने घायल छात्रों से मुलाकात के बाद इस कार्रवाई के खिलाफ आवाज उठाई और केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे तथा दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। देवेन्द्र यादव ने कहा कि छात्रों के अधिकारों की लड़ाई में कांग्रेस उनके साथ खड़ी है। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस के दबाव के कारण भाजपा को कई गलत फैसलों और नीतियों पर पीछे हटना पड़ा है। उन्होंने कहा कि डूसू चुनाव में एनएसयूआई छात्रों के हितों और अधिकारों के संरक्षण के लिए मजबूती से काम करेगी। बैठक में देवेन्द्र यादव के अलावा अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव प्रभारी दानिश प्रभारी, दिल्ली सरकार के पूर्व मंत्री मंगतराम सिंघल, पूर्व विधायक हरिशंकर गुप्ता, जिला अध्यक्ष सिद्धार्थ राव, प्रदेश उपाध्यक्ष सीपी मित्तल, महासचिव गौरी शंकर शर्मा, सतेन्द्र शर्मा, विधानसभा चुनाव के पूर्व प्रत्याशी शिवांक सिंघल सहित जिला कांग्रेस के ब्लॉक अध्यक्ष, जिला पदाधिकारी, मंडलम अध्यक्ष, सेक्टर प्रभारी, ब्लॉक कांग्रेस पदाधिकारी तथा अग्रिम संगठनों, सेल एवं विभागों के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

एक नजर

गुरुग्राम जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष बने कुलभूषण भारद्वाज

गुरुग्राम,एजेंसी। शुक्रवार को हुए जिला बार एसोसिएशन के चुनाव परिणाम देर शाम घोषित हो गए हैं। अध्यक्ष पद पर कुलभूषण भारद्वाज ने जीत दर्ज की है, उन्होंने विनोद राव को 246 वोटों के बड़े अंतर से हराया। वे पहले भी बार एसोसिएशन के अध्यक्ष रह चुके हैं। हरियाणा की सबसे बड़ी गुरुग्राम बार एसोसिएशन के चुनाव पर चंडीगढ़ तक नजर रहती है। बार में करीब 10 हजार वकील रजिस्टर्ड हैं। कई दिन तक चुनावी हलचल के बीच शुक्रवार को शांतिपूर्ण चुनाव संपन्न हुआ। अध्यक्ष पद पर कुलभूषण भारद्वाज ने 246 वोटों से जीत दर्ज की। उपाध्यक्ष पद पर साहिल यादव ने रोमांचक मुकाबले में दमन शर्मा को महज दो वोटों से हराया। अतिरिक्त उपाध्यक्ष पद पर रेनू माहेश्वरी ने योगिता गुज्जर को हराया। प्रशांत ठाकरान सचिव पद पर, विक्रम यादव ने सह-सचिव, साहिल यादव ने उपप्रधान व अक्षत जैन ने कोषाध्यक्ष पद पर जीत दर्ज की। नतीजे घोषित होते ही कोर्ट परिसर में खुशी की लहर दौड़ गई। समर्थकों और महिला अधिवक्ताओं ने ढोल-नगाड़ों की थाप पर जश्न मनाया और एक-दूसरे को बधाई दी।

इलेक्ट्रॉनिक सामान के गोदाम में लगी आग

फरीदाबाद। बल्लभगढ़ स्थित नेहरू नगर में गुरुवार देर रात इलेक्ट्रॉनिक सामान के गोदाम में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने गोदाम के अंदर रखे सामान को अपनी चपेट में ले लिया। गोदाम से आग की लपटें और धुआं उठता देख आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। आग लगने की जानकारी मिलते ही आसपास के लोगों ने तुरंत फायर विभाग को सूचना दी। सूचना मिलते ही फायर की टीम मौके पर पहुंची और आग बुझाने का काम शुरू किया। गोदाम में इलेक्ट्रॉनिक सामान रखा होने के कारण आग तेजी से फैलने की आशंका बनी रही। आग बुझाने के लिए सात गाडियों को बुलाना पड़ा। फायर कर्मियों ने मौके पर पहुंचकर आग को नियंत्रित करने के प्रयास शुरू किए। काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। समय रहते आग बुझाए जाने से आसपास के अन्य प्रतिष्ठानों और मकानों तक आग फैलने से बच गई। आग की चपेट में आने से गोदाम में रखा इलेक्ट्रॉनिक सामान जलने की बात सामने आई है। हालांकि आग में कितना सामान जला और इससे कितने रुपए का नुकसान हुआ, इसका अभी आंकलन नहीं हो पाया है। गोदाम मालिक की ओर से सामान का आंकलन किए जाने के बाद ही नुकसान की वास्तविक तस्वीर सामने आएगी। पुलिस प्रवक्ता यशपाल ने बताया कि आग किन परिस्थितियों में लगी, इसका अभी पता नहीं चल पाया है। शुरुआती तौर पर शॉर्ट सर्किट होने से आग लगने की जानकारी मिल रही है।

फर्जी सेल टैक्स अधिकारी बनकर बदमाशों ने सरियों से लदा ट्राला लूटा

पलवल,एजेंसी। बदमाशों ने खुद को सेल टैक्स विभाग का अधिकारी बताकर 41.4 मीट्रिक टन सरिया से भरा ट्राला लूट लिया। बदमाशों ने चालक को हथियार के बल पर अगवा कर उसकी आंखों पर गमछा बांध दिया और राजस्थान की पहाड़ियों में छोड़कर फरार हो गए। पुलिस ने शुक्रवार को शिकायत के आधार पर अज्ञात आरोपितों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। विकासपुरी, दिल्ली निवासी लोहा कारोबारी योगेश गुप्ता ने शहर थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उन्होंने झारखंड ट्रांसपोर्ट कंपनी से 18 टायर वाला ट्राला किराये पर लिया था। ट्राला का मालिक और चालक झारखंड के कोडरमा जिले के चितलोड़ी गांव निवासी मुबारक खान था।

चालक ट्राला में 41.4 मीट्रिक टन सरिया लादकर गुरुग्राम के लिए रवाना हुआ था। चालक यमुना एक्सप्रेस-वे से टप्पल होते हुए पलवल-अलीगढ़ मार्ग से केएमपी फ्लाईओवर के नीचे पहुंचा। इसी दौरान बिना नंबर प्लेट की सफेद बोलेरो उसका पीछा करने लगी। पलवल-सोहना रोड पर हुडा सेक्टर-दो के मोड़ के पास बोलेरो सवार बदमाशों ने ट्राला को ओवरटेक कर रुकवा लिया। आरोपितों ने खुद को सेल टैक्स विभाग का अधिकारी बताते हुए चालक से ट्राला के दस्तावेज मांगे। चालक को जब उन पर शक हुआ और उसने दूसरे ट्रक चालक को फोन करने का प्रयास किया तो बदमाशों ने उसे जबरन ट्राला से नीचे खींच लिया। हथियार दिखाकर उसे बोलेरो में डाल लिया गया। इसके बाद उसकी आंखों पर गमछा बांधकर मोबाइल फोन और पर्स छीन लिया गया। वारदात के बाद दो बदमाश सरिया लदे ट्राला को लेकर फरार हो गए, जबकि तीन अन्य चालक को बोलेरो में राजस्थान ले गए। आरोपितों ने पिरुका गांव की पहाड़ियों में चालक को जान से मारने की धमकी देकर छोड़ दिया। किसी तरह बंधन से मुक्त होकर चालक नजदीकी थाने पहुंचा और ट्राला मालिक को घटना की जानकारी दी। सूचना मिलने पर ट्राला मालिक पलवल पहुंचा और हथीन गेट पुलिस चौकी में शिकायत दी। जांच अधिकारी ने शुक्रवार को जानकारी देते हुए बताया कि मिली शिकायत के अधार पर पुलिस ने अज्ञात आरोपितों के खिलाफ मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि आरोपितों की पहचान के लिए जांच की जा रही है और जल्द ही उन्हें गिरफ्तार करने का प्रयास किया जाएगा।

नूंह: नगर पालिका, अग्निशमन और अन्य कर्मचारियों की मांगों को माने सरकार: विधायक आफ़ताब

नूंह,एजेंसी। विधायक चौधरी आफ़ताब अहमद ने शुक्रवार को जिला मुख्यालय पर सफाई और नगर पालिका कर्मचारियों, अग्निशमन और अन्य कर्मचारियों की हड़ताल को कांग्रेस पार्टी की ओर से पूर्ण समर्थन दिया। काँग्रेस विधायक आफ़ताब अहमद ने कहा कि बीते विधानसभा सत्र में भी पार्टी ने सफ़ाई कर्मचारियों और कच्चे कर्मचारियों की मांगों को प्राथमिकता से उठाया था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार कर्मचारियों की मांगों का समर्थन करती है और सरकार से माँग करती है कि सरकार अपने वादे से पीछे नहीं हटे। विधायक आफ़ताब अहमद ने कहा कि कच्चे कर्मचारियों और हरियाणा कौशल रोजगार निगम के कर्मचारियों को पक्का करने की मांग जायज़ है और सरकार को इसे पूरा करना चाहिये। आफ़ताब अहमद ने सरकार पर ठेका प्रथा को बढ़ावा

देने और कर्मचारियों के अधिकारों की अनदेखी करने का आरोप लगाया। उन्होंने बीजेपी सरकार के रवैये की आलोचना की है और कर्मचारियों की मांगों को पूरी तरह जायज बताया है।

विधायक आफ़ताब अहमद का कहना है कि सरकार संवेदनशीलता दिखाने के बजाय अड़ियल रवैया अपना रही है, जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में जगह जगह गंदगी के ढेर लगे हुए हैं और व्यवस्था ठप्प पड़ी हुई है जिससे बीमारी फैलने का डर बना हुआ है। विधायक आफ़ताब अहमद ने कहा कि 13 मई को सरकार और कर्मचारी संगठनों के बीच हुई बैठक में 22 में से 17 मांगों पर सहमति बनी थी, लेकिन सरकार ने अब तक समझौते को लागू नहीं किया। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार कच्चे कर्मचारियों को नियमित करने के बजाय उन्हें 58 वर्ष की आयु तक नौकरी की सुरक्षा देने का विकल्प तलाश रही है। विधायक आफताब अहमद ने कहा कि कालका स्टील फैक्टरी, फरीदाबाद अग्निकांड में जान गंवाने वाले भवीचंद और रणबीर को अब तक शहीद का दर्जा, सरकारी नौकरी और एक करोड़ रुपये का मुआवजा नहीं मिला है। उन्होंने बताया कि नवंबर 2024 में मुख्यमंत्री द्वारा ग्रामीण सफाई कर्मचारियों के लिए 26 हजार और शहरी सफाई कर्मचारियों के लिए 27 हजार रुपये न्यूनतम मासिक वेतन की घोषणा की गई थी, लेकिन इसका लाभ अब तक कर्मचारियों को नहीं मिला।

सफाई कर्मचारियों के समर्थन में उतरी जेजेपी, राज्यपाल के नाम सौंपा ज्ञापन

नूंह। लंबे समय से आंदोलनरत सफाई कर्मचारियों की मांगों के समर्थन में अब जननायक जनता पार्टी (जेजेपी) भी खुलकर मैदान में उतर गई है। शुक्रवार को जेजेपी जिला अध्यक्ष नासिर हुसैन बदरूद्दीन अड़बर के नेतृत्व में पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने सफाई कर्मचारियों के धरना स्थल पर पहुंचकर उन्हें समर्थन दिया। इसके बाद कार्यकर्ताओं ने मिनी सचिवालय पहुंचकर सिटी मजिस्ट्रेट अमितेज सिंह के माध्यम से महामहिम राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा और कर्मचारियों की मांगों का जल्द समाधान करवाने की मांग की। इससे पूर्व पार्टी कार्यालय नूंह में जेजेपी की जिला कार्यकारिणी, राष्ट्रीय एवं प्रदेश कार्यकारिणी सदस्यों, विभिन्न प्रकोष्ठों के अध्यक्षों तथा हल्का अध्यक्षों की बैठक हुई। बैठक के बाद सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता एकजुट होकर सफाई कर्मचारियों के धरना स्थल पर पहुंचे और पार्टी की ओर से आंदोलन को पूर्ण समर्थन देने की घोषणा की।

ज्ञापन में जेजेपी ने सरकार से लंबे समय से पालिका रोल और आउटसोर्सिंग के आधार पर कार्यरत कच्चे सफाई कर्मचारियों एवं सीवरमैनों को नियमित करने, ठेका प्रथा समाप्त कर कर्मचारियों को सीधे निकायों के रोल पर लेने तथा समान काम के लिए समान वेतन देने की मांग की। इसके अलावा कर्मचारियों के लिए जोखिम भत्ता, 50 लाख रुपये का दुर्घटना बीमा और कैशलेस चिकित्सा सुविधा लागू करने की मांग भी उठाई गई। पार्टी ने हड़ताल के दौरान निलंबित अथवा बर्खास्त किए गए कर्मचारियों की बिना शर्त बहाली तथा आंदोलन के दौरान दर्ज एफआईआर वापस लेने की मांग भी ज्ञापन में रखी।

गुरुग्राम नगर निगम में 14 तदर्थ समितियों का गठन, पार्षदों को सौंपी जिम्मेदारी

गुरुग्राम। नगर निगम गुरुग्राम के सदन की शुक्रवार को हरियाणा लोक प्रशासन संस्थान (हिपा) में हुई सामान्य बैठक में कई अहम निर्णय लिए गए। निर्णयों के तहत शहर से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों की निगरानी और समीक्षा के लिए 14 तदर्थ समितियों का गठन किया गया। इन समितियों में निगम के पार्षदों को अध्यक्ष एवं सदस्य के रूप में जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

समितियों के माध्यम से शहर की जनसुविधाओं और विभिन्न नगर निगमीय कार्यों से जुड़े विषयों पर विचार-विमर्श कर आवश्यक सुझाव एवं कार्रवाई की दिशा तय की जाएगी। सौंदर्यकरण, स्वच्छता एवं जनस्वास्थ्य समिति की अध्यक्ष मेयर राजरानी मल्होत्रा होंगीं। इसमें विकास यादव, आशीष गुप्ता, विक्रमजीत और रेखा सैनी सदस्य हैं। अकाउंट एवं ऑडिट समिति में ज्योत्सना यादव अध्यक्ष हैं। सदस्य के तौर पर सुंदर सिंह, राम अवतार राणा, भारती हरसाना और सुनीता वर्मा को शामिल किया गया है। भवन विनियमन समिति में आशीष गुप्ता को अध्यक्ष बनाया गया है। इसके सदस्य कुणाल यादव, प्रथम वशिष्ठ, मधु बत्रा और विजय परमार हैं। जलापूर्ति, ड्रेनेज एवं डिस्पोजल समिति की अध्यक्षता अनूप सिंह करेंगे। दलीप साहनी, सारिका भारद्वाज, राकेश यादव और दिनेश दहिया सदस्य हैं। विभिन्न करों एवं फीस के आकलन संबंधी समिति में विकास यादव को अध्यक्ष बनाया गया है। समिति में ज्योति सुमित जैलदार, नरेश कटारिया, महावीर यादव और उषा वर्मा सदस्य हैं। अग्निशमन विस्तार एवं रोकथाम समिति में अध्यक्ष सतपाल हैं। सदस्य राम अवतार राणा, प्रदीप पदम, अवनीश राघव और सारिका भारद्वाज हैं। शिक्षा एवं सामाजिक कल्याण समिति में प्रथम वशिष्ठ अध्यक्ष होंगे। सदस्य के रूप में सोनिया यादव, विकास यादव, नारायण भड़ाना और दलीप साहनी शामिल हैं। प्लानिंग, इम्प्रूवमेंट एवं रिसोर्सेज समिति में अध्यक्ष ज्योति सुमित जैलदार हैं। सदस्य अमित राज भड़ाना, सुरेखा चौहान, रेखा सैनी और परमिंदर कटारिया हैं। ग्रामीण एवं स्लम विकास समिति में आरती राव को अध्यक्ष बनाया गया है। सदस्य उषा वर्मा, नेहा देवतवाल, भारती हरसाना और नारायण बढ़ाना हैं। मार्केट, स्लॉटर हाउस एवं जनस्वास्थ्य समिति की अध्यक्षता पवन कुमार सैनी करेंगे। सदस्य रुचि गगनदीप, सतपाल, अवनीश राघव और महावीर हैं। विजिलेंस समिति में कुलदीप यादव को अध्यक्ष बनाया गया है।

नोएडा-गाजियाबाद से शुरू होगी यूपी की पहली एग्रीगेटर सेवा

अशोक कुमार, सद्भावना टुडे

गाजियाबाद। नोएडा-गाजियाबाद से उत्तर प्रदेश की पहली एग्रीगेटर सेवा शुरू होने जा रही है। परिवहन विभाग ने ग्रीन एसएम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को प्रदेश का पहला एग्रीगेटर लाइसेंस जारी किया है। कंपनी शुरुआत में दिल्ली-एनसीआर में करीब 2500 इलेक्ट्रिक वाहन उतारेगी और फ्लीट को बढ़ाकर 10 हजार ईवी करने की योजना है। शुक्रवार को गाजियाबाद आरटीओ कार्यालय में कंपनी के 25 ईवी का पंजीकरण कराया गया है। नोएडा में भी वाहनों का पंजीकरण हुआ है।

आरटीओ प्रशासन प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि कंपनी के करीब ढाई हजार ईवी विभिन्न आन डिमांड सेवाओं में इस्तेमाल हो रहे हैं। एग्रीगेटर लाइसेंस व्यवस्था के बाद ओला, उबर, ब्लिंकिट, जोमैटो जैसी आनलाइन प्लेटफार्म कंपनियों पर संचालित होने वाले वाहनों को भी इसी नियामक व्यवस्था के दायरे में आकर अपना विवरण पंजीकृत कराना होगा। इससे परिवहन विभाग के पास इन वाहनों और चालकों का व्यवस्थित डाटाबेस तैयार हो सकेगा। अभी स्थानीय स्तर पर ऐसा एकीकृत रिकार्ड नहीं होने से वाहनों की संख्या, चालक के दस्तावेज और सुरक्षा मानकों की निगरानी में परेशानी आती थी। अधिकारियों ने बताया कि कंपनी पहले गाजियाबाद, नोएडा और आसपास के जिलों में सेवा का विस्तार करेगी। इसके बाद अन्य जिलों में पहुंच बढ़ाई जाएगी। प्रदेश में एग्रीगेटर सेवा के लिए पांच आवेदन आए हैं, जिनमें चार पूर्ण पाए गए हैं। लाइसेंस के लिए पांच लाख रुपये शुल्क और 25 लाख रुपये बैंक गारंटी निर्धारित है। पात्र अन्य कंपनियां भी लाइसेंस लेकर इसी व्यवस्था के तहत संचालन कर सकेंगी। ऐसा डिजिटल या इलेक्ट्रानिक प्लेटफार्म, जो यात्रियों को चालक और वाहन से जोड़कर आन डिमांड सेवा उपलब्ध कराता है। उत्पाद, कोरियर, पैकेज और पार्सल के लिए चालक को विक्रेता या ई-कामर्स इकाई से जोड़ने की सुविधा भी इसमें शामिल है। लाइव ट्रैकिंग, चालक का चरित्र सत्यापन, मनोवैज्ञानिक परीक्षण, रिफ्रेशर ट्रेनिंग, यात्री बीमा और शिकायत निवारण अधिकारी की व्यवस्था अनिवार्य होगी। चालक को पांच लाख रुपये का स्वास्थ्य और 10 लाख रुपये का टर्म इंश्योरेंस देना होगा। डायनेमिक किराया बेस किराये से अधिकतम 50 प्रतिशत तक ही बढ़ सकेगा। ईवी को प्रदेश की नीति के तहत रोड टैक्स और पंजीकरण शुल्क में छूट का लाभ मिलता है। बड़े पैमाने पर ईवी पंजीकरण होने से परिवहन विभाग के राजस्व पर असर पड़ सकता है, हालांकि इसका उद्देश्य इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को बढ़ावा देना और प्रदूषण कम करना है।

नूंह में 5664 बोतल अवैध शराब बरामद

नूंह,एजेंसी। नूंह जिले के रोजका मेव थाना क्षेत्र में फिरोजपुर झिरका के सीएस स्टाफ ने अवैध शराब तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 5664 बोतल अंग्रेजी शराब बरामद की है। पुलिस ने शराब से भरे कैंटर को केएमपी एक्सप्रेसवे पर गांव खेड़ा खलीलपुर के पास नाकाबंदी के दौरान पकड़ा। मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस प्रवक्ता ने शुक्रवार को बताया कि सीएस स्टाफ फिरोजपुर झिरका की टीम गश्त पर थी। इसी दौरान पुलिस को सूचना मिली कि खेड़ा खलीलपुर के पास से केएमपी एक्सप्रेसवे के रास्ते अवैध शराब से भरा एक कैंटर गुजरने वाला है।

सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने तत्काल नाकाबंदी कर वाहनों की जांच शुरू कर दी। इसी दौरान पुलिस ने एक महिंद्रा कैंटर को रोककर उसकी तलाशी ली। तलाशी के दौरान कैंटर में कार्टन के कट्टों के पीछे छिपाकर रखी गई अंग्रेजी शराब की 472 पेटियां बरामद हुईं। इन पेटियों में कुल 5664 बोतल शराब मिली। पुलिस के अनुसार आरोपियों ने शराब की पेटियों को इस तरह छिपाया था कि पहली नजर में कैंटर में केवल कार्टन का सामान भरा हुआ दिखाई दे। पुलिस ने कैंटर सवार नवीन निवासी खरावड़, जिला रोहतक, हाल तथा राकेश राठौर निवासी ईदगाह

कॉलोनी, पानीपत को गिरफ्तार कर लिया। मौके पर आबकारी विभाग के अधिकारियों को बुलाकर शराब की जांच कराई गई। आरोपी शराब से संबंधित कोई वैध लाइसेंस, परमिट अथवा बिल प्रस्तुत नहीं कर सके। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि शराब की खेप पंजाब से लोड की गई थी और इसे पश्चिम बंगाल ले जाया जा रहा था। इस संबंध में रोजका मेव थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस दोनों आरोपियों से पूछताछ कर रही है तथा शराब तस्करी से जुड़े अन्य लोगों और पूरे नेटवर्क का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

17 वर्षीय नाबालिग से दुष्कर्म के दोषी को 20 साल कैद

गुरुग्राम। 17 वर्षीय नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में अदालत ने शुक्रवार को आरोपी को दोषी करार देते हुए 20 साल कैद की सजा सुनाई। साथ ही दोषी पर 30 हजार रुपये जुर्माना भी लगाया है। बता दें कि नौ अप्रैल 2023 को थाना सेक्टर-14 में नाबालिग के गुमशुदा होने की शिकायत मिली थी। इस पर पुलिस ने संबंधित धाराओं में केस दर्ज किया। बच्ची की बरामदगी के बाद मेडिकल जांच में दुष्कर्म की पुष्टि होने पर केस में पॉक्सो एक्ट की धाराएं जोड़ी गईं। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी इंद्रजीत (28) निवासी उधमसिंह नगर (उत्तराखंड) को गिरफ्तार किया। पुलिस ने गहन जांच कर सभी साक्ष्य और गवाह अदालत में पेश किए। पुलिस की चार्जशीट और साक्ष्यों के आधार पर अदालत ने आरोपी को दोषी करार दिया। अदालत ने शुक्रवार को दोषी को पॉक्सो एक्ट की धारा छह के तहत 20 साल कैद और 30 हजार रुपये जुर्माना लगाया। धारा 363 और 366 आईपीसी के तहत पांच-पांच साल कैद और 10-10 हजार रुपये जुर्माना सुनाया।

गुरुग्राम की टूटी सड़कों पर पैचवर्क के लिए निगम ने शुरू की गाड़ियां

गुरुग्राम। शहर की सडक़ों को बेहतर, सुरक्षित और सुगम बनाने की दिशा में नगर निगम गुरुग्राम ने एक पहल की है। शुक्रवार को मेयर राजरानी मल्होत्रा ने रोड रिपेयरिंग (पेचवर्क) के दो वर्ष के कार्य का शुभारंभ किया है। शहर में जहां-जहां सडक़ों की मरम्मत की आवश्यकता है, वहां पेचवर्क का कार्य तेजी से शुरू किया जाएगा।

मेयर राजरानी मल्होत्रा ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य शहर की सडक़ों की स्थिति में सुधार लाना और नागरिकों को आवागमन के दौरान बेहतर सुविधा उपलब्ध कराना है। नियमित रूप से सडक़ मरम्मत कार्य होने से गड्ढों एवं क्षतिग्रस्त हिस्सों को समय पर दुरुस्त किया जा सकेगा तथा सडक़ उपयोगकर्ताओं के लिए आवागमन को अधिक सुगम बनाया जा सकेगा। रोड रिपेयरिंग अभियान के तहत छह गाडियां प्रतिदिन शहर के अलग-अलग क्षेत्रों में संचालित होंगी। ये गाडियां आवश्यकता के अनुसार चिन्हित स्थानों पर पहुंचकर सडक़ के क्षतिग्रस्त हिस्सों का पेचवर्क करेंगी। इस व्यवस्था से सडक़ मरम्मत कार्य को अधिक व्यवस्थित तरीके से आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी। अलग-अलग क्षेत्रों में लगातार मरम्मत कार्य होने से नागरिकों को खराब सडक़ों से होने वाली परेशानियों से राहत मिलने की उम्मीद है। नगर निगम की ओर से दावा किया गया है कि दो वर्ष के रोड रिपेयरिंग कार्य के माध्यम से सडक़ मरम्मत को निरंतरता मिलेगी। शहर में जहां भी सडक़ों की मरम्मत की आवश्यकता होगी, वहां प्राथमिकता के आधार पर पेचवर्क कराया जाएगा। नगर निगम का प्रयास रहेगा कि जनसुविधा से जुड़े सडक़ मरम्मत कार्यों को गति दी जाए और आवश्यक स्थानों पर समयबद्ध तरीके से कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। सडक़ों की बेहतर स्थिति सीधे तौर पर शहर की यातायात व्यवस्था और नागरिक सुविधा से जुड़ी है। पेचवर्क के माध्यम से क्षतिग्रस्त हिस्सों को दुरुस्त किए जाने से वाहन चालकों और पैदल यात्रियों को अधिक सुगम आवागमन सुविधा मिल सकेगी।

बसई रोड हत्याकांड में पांच आरोपी काबू, भागते समय दो की टांग टूटी

गुरुग्राम,एजेंसी। बसई रोड पर एनके फैक्ट्री के पास 39 वर्षीय महेंद्र की गोली मारकर हत्या के मामले में गुरुग्राम पुलिस ने शुक्रवार को पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस से बचने के लिए भागने की कोशिश में दो आरोपियों की टांग टूट गई। सहायक पुलिस आयुक्त नवीन शर्मा ने शुक्रवार को बताया कि आरोपियों के कब्जे से एक देशी कट्टा, एक जिंदा कारतूस और वारदात में इस्तेमाल बाइक बरामद की गई है। पुलिस के अनुसार यह हत्या 2025 में हुई हत्या का बदला लेने के लिए रची गई साजिश थी। आरोपियों ने महेंद्र और उसके बेटे दोनों की हत्या की योजना बनाई थी।

बता दें कि एक दिन पूर्व 10 दिसंबर 2026 गुरुवार को सुबह करीब साढ़े नौ बजे महेंद्र अपने बेटे के साथ बाइक पर सदर बाजार जा रहा था। कृष्णा नगर के पास एनके फैक्ट्री के नजदीक पीछे से बाइक पर आए तीन युवकों ने उसे घेर लिया। उनमें से एक ने महेंद्र पर गोली चला दी। गंभीर हालत में महेंद्र को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टर्स ने उसे मृत घोषित कर दिया गया। महेंद्र के बेटे की शिकायत पर थाना सेक्टर-9ए में केस दर्ज करके पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू की। अपराध शाखा सेक्टर-10 की टीम ने घटना के दिन ही दो आरोपियों प्रणव पारासर (20) और प्रवीण पारासर (45) को काबू किया। दोनों मूल निवासी गांव बिप्रावली आगरा के रहने वाले हैं। अपराध शाखा सेक्टर-40 की टीम ने शुक्रवार को तीन और आरोपियों देव शर्मा केमटी (22) निवासी पीलीभीत उत्तर प्रदेश, अंकित उर्फ बंटी (19) निवासी बसई और उत्सव (19) निवासी लखीसराय बिहार को काबू किया। गढ़ी हरसरू के पास खुद को पुलिस से घिरे देख भागते हुए गड्ढे में गिरने से देव और अंकित की टांग टूट गई। सहायक पुलिस आयुक्त नवीन शर्मा ने ने आरोपियों से पूछताछ के आधार पर बताया कि प्रवीण व प्रणव पिता-पुत्र हैं। प्रवीण के दूसरे बेटे पर्व की 2025 में हत्या हुई थी। इसमें मृतक महेंद्र का बेटा शामिल था। इसी बदले के लिए प्रवीण और प्रणव ने देव, अंकित और उत्सव के साथ मिलकर साजिश रची।

नकाबपोश बाइक सवारों ने युवक पर चाकू से किए कई वार, दो गिरफ्तार

फरीदाबाद,एजेंसी। करीब चार दिन पूर्व सेक्टर-3 स्थित वाल्मीकि मंदिर के पास युवक पर चाकू से जानलेवा हमला करने के मामले में अपराध शाखा ऊंचा गांव की टीम ने शुक्रवार को दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान धर्मेन्द्र उर्फ लाला (26), निवासी गांव रहेड़ा, मथुरा, हाल डबुआ कॉलोनी और मनीष (22), निवासी डबुआ कॉलोनी, फरीदाबाद के रूप में हुई है। वारदात में शामिल एक अन्य आरोपित आशीष की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की टीमें दबिश दे रही हैं।

एसीपी क्राइम अमन यादव ने शुक्रवार को प्रेस वार्ता के दौरान बताया कि 7 सितंबर को निपुण कुमार पटेल (27), निवासी सेक्टर-3, पूजा करने के लिए वाल्मीकि मंदिर आया था। इसी दौरान नकाबपोश बाइक सवार आरोपितों ने उसके साथ मारपीट कर चाकू से कई वार किए। गंभीर रूप से घायल निपुण का अस्पताल में उपचार चल रहा है। मामले में पीड़ित के चाचा धनंजय कुमार पटेल की शिकायत पर केस दर्ज किया गया था। पूछताछ में सामने आया कि धर्मेन्द्र की पहले डबुआ कॉलोनी में रहने वाली एक महिला से जान-पहचान थी। बाद में महिला सेक्टर-3 में रहने लगी और निपुण के

संपर्क में थी। इसी बात को लेकर धर्मेन्द्र निपुण से रंजिश रखने लगा। उसने आशीष और मनीष के साथ मिलकर निपुण पर हमला करने की योजना बनाई। वारदात के दौरान तीनों ने पहचान छिपाने के लिए नकाब पहन रखा था। धर्मेन्द्र अपने साथियों के साथ मौके पर पहुंचा और साथियों ने निपुण पर चाकू से हमला कर दिया। वारदात के बाद अपराध शाखा ऊंचा गांव की टीम ने गुप्त सूत्रों और तकनीकी सहायता से आरोपितों की पहचान की तथा दोनों को 10 सितम्बर को गिरफ्तार कर लिया। आरोपितों को न्यायालय में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया जाएगा। वारदात में प्रयुक्त हथियार सहित अन्य साक्ष्यों के संबंध में पूछताछ की जा रही है। धर्मेन्द्र आठवीं पास और अविवाहित है तथा उसके खिलाफ थाना डबुआ में पहले भी लड़ाई-झगड़े का मामला दर्ज है। मनीष तीन कक्षा तक पढ़ा है और शादीशुदा है। फरार आरोपित आशीष की गिरफ्तारी के लिए पुलिस द्वारा लगातार दबिश दी जा रही है।

डॉलर के विकल्प का सवाल भी उठेगा ब्रिक्स सम्मेलन में

पुष्परंजन

शाओमी के बिजनेस मॉडल को लेकर चीनी सत्ता के गलियारों में घबराहट ऐसे समय हो रही है, जब शनिवार से दिल्ली में ब्रिक्स शिखर बैठक होने जा रही है। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने गुरुवार को कहा कि चीन को उम्मीद है कि भारत वहां निवेश करने और काम करने वाली सभी देशों की कंपनियों के लिए एक निष्पक्ष, न्यायपूर्ण, पारदर्शी और बिना भेदभाव वाला बिजनेस माहौल देगा। गुओ ने साथ में इसकी भी घोषणा की कि राष्ट्रपति शी ब्रिक्स बैठक में नई दिल्ली जा रहे हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ से उन रिपोर्टों के बारे में पूछा गया था, जिनमें कहा गया था कि भारत के सीरियस फ्रॉड इन्वेस्टिगेशन ऑफिस ने शाओमी की जांच की सिफारिश की है। गुओ ने कहा कि उन्हें खास स्थिति के बारे में पता नहीं है। भारत के सीरियस फ्रॉड इन्वेस्टिगेशन ऑफिस (एसएफआईओ) ने चीनी स्मार्टफोन कंपनी शाओमी के बिजनेस मॉडल और विदेशी निवेश नियमों के कथित उल्लंघन की एक विस्तृत जांच की सिफारिश की है। एसएफआईओ यह जांच करना चाहता है कि क्या 2020 की सीमा झड़पों के बाद चीनी निवेश पर कड़े नियमों के बावजूद शाओमी ने अनिवार्य मंजूरियां ली थीं या नहीं। कंपनी पर धन के प्रवाह और रॉयल्टी भुगतान जैसे मामलों में गड़बड़ी का संदेह है। यह प्रस्ताव अभी कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय की मंजूरी के लिए लंबित है। कोई सात साल बाद चीनी राष्ट्रपति शी भारत आ रहे हैं। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के समिट में शामिल होने पर सस्पेंस बना हुआ था, जो गुरुवार को क्लियर हो गया। चीन के लिए यह समिट इसलिए अहम है, क्योंकि यह ब्रिक्स की 20वीं सालगिरह है और यह ऐसे समय में हो रही है, जब वैश्विक शासन में अव्यवस्था बढ़ रही है। जैसे-जैसे ब्रिक्स शिखर सम्मेलन नजदीक आ रहा है, दुनिया भर के शेयर बाजार के खिलाड़ियों से लेकर ताकतवर केंद्रीय बैंकों के प्रमुखों तक, सबकी नजरें इन उभरती अर्थव्यवस्थाओं के नेताओं की बैठक में होने वाले फैसलों पर टिकी हैं। इन अर्थव्यवस्थाओं को वैश्विक व्यापार और वित्तीय लेन-देन में अमेरिकी डॉलर के दबदबे के लिए खतरा माना जाता है।

धीमी प्रगति के बावजूद, डी-डॉलरलाइज़ेशन (डॉलर पर निर्भरता कम करने की प्रक्रिया) चर्चा का विषय बन गई है। इसकी मुख्य वजह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के वे बयान हैं, जिनमें उन्होंने ब्रिक्स देशों के समूह को

चेतावनी दी थी कि अगर वे वैश्विक व्यापार में डॉलर के दबदबे को खत्म करने की कोशिश करते हैं, तो उन पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाया जा सकता है। मॉस्को, नई दिल्ली या पेइचिंग में बाजार संभालने वाले सभी मंत्रियों और अधिकारियों ने बार-बार जोर देकर कहा है कि ब्रिक्स का कोई भी देश डॉलर के खिलाफ किसी तरह की वैचारिक लड़ाई नहीं लड़ रहा है। लेकिन, यह हाथी के दांत दिखाने जैसा है। डॉलर के एकाधिकार को समाप्त करने की छटपटाहट तो है। यदि ब्रिक्स के देशों में आपसी मतभेद न हों, तो डॉलर का विकल्प कब का तैयार हो जाता। भले ही ब्रिक्स शिखर बैठक में डी-डॉलरलाइज़ेशन पर खुलकर चर्चा न हो, लेकिन सम्मेलन के दौरान देशों के बीच होने वाली बातचीत में करेंसी स्वैप (मुद्रा की अदला-बदली) और व्यापार ढांचे पर चर्चा होने की पूरी संभावना है। मूल सदस्य देशों—भारत, रूस, चीन, ब्राज़ील और दक्षिण अफ्रीका—के नेताओं के बीच और हाल ही में ब्रिक्स में शामिल हुए कई अन्य देशों, जैसे ईरान, सऊदी अरब, मिस्र, इंडोनेशिया, यूएई और इथियोपिया, के नेताओं के साथ कई महत्वपूर्ण द्विपक्षीय बातचीत होने की उम्मीद है।

वर्ष 2024 में ब्रिक्स देशों के बीच आपसी व्यापार का मूल्य 1.17 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर आंका गया था। माना जाता है कि यह सालाना औसतन 13 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है। दुनिया के कुल निर्यात में ब्रिक्स की हिस्सेदारी 24 प्रतिशत है। मगर, राष्ट्रीय मुद्राओं में भुगतान निपटाने की दिशा में ब्रिक्स देशों के विभिन्न कदम, जैसे भारत और रूस के बीच रुपया-रूबल समझौता या डॉलर के बजाय युआन में व्यापार करने की चीन की कोशिशें, जितनी कारगर होनी चाहिए थीं, हुई नहीं। साल 2000 में, सभी देशों के कुल विदेशी मुद्रा भंडार का लगभग 71 प्रतिशत हिस्सा डॉलर के रूप में रखा जाता था। 2026 तक यह घटकर लगभग 57 फीसदी रह गया है। अर्थात, 'टाइगर अभी जिंदा है' की तर्ज पर डॉलर अभी जिंदा है। भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति बनाने वाली टीम के एक सदस्य ने नाम न बताने की शर्त पर कहा, 'यह साफ तौर पर दिखाता है कि कई देशों के केंद्रीय बैंकर डॉलर का भारी भंडार रखने से जुड़े भू-राजनीतिक जोखिमों को बांटने के लिए या तो दूसरी मुद्राएं या फिर सबसे सुरक्षित निवेश, यानी बुलियन (सोना), खरीद रहे हैं। डॉलर पर भरोसे की कमी का यह असर अब खुद अमेरिका के केंद्रीय बैंक द्वारा सोना रखने के मामले में भी दिखने लगा है। सोना महंगा होने की मूल वजह अब सरकारें बन चुकी हैं। डच केंद्रीय बैंक ने इस साल मार्च और अगस्त के बीच उत्तरी अमेरिका से लंदन में लगभग 86 टन सोना ट्रांसफर किया, जिसकी कीमत 10 अरब अमेरिकी डॉलर से ज़्यादा थी। इससे पहले, जनवरी 2026 में फ्रांस ने अमेरिका में रखा अपना 129 टन सोना बेच दिया था, जो उसके कुल भंडार का लगभग 5 प्रतिशत था। बिक्री से मिले पैसे से फ्रांस ने यूरोप में सोना खरीदा और उसे अपने केंद्रीय बैंक के वॉल्ट में जमा कर दिया। यह कदम लगभग 9 साल पहले राष्ट्रपति ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान जर्मनी के बुंडेसबैंक द्वारा उठाए गए उपाय जैसा ही है, जब उसने फ्रैंकफर्ट में अपने वॉल्ट में 300 टन सोना ट्रांसफर किया था। मंगलवार को क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने कहा, 'हालांकि ब्रिक्स किसी भी 'डी-डॉलरलाइज़ेशन नीति' के पक्ष में नहीं है, लेकिन सदस्य देश, जिनमें से कई प्रतिबंधों के कारण डॉलर में लेन-देन नहीं कर सकते, हम बस वही कर रहे हैं, जो हमारे राष्ट्रीय हितों के लिए बेहतर है। अमेरिकी कदमों ने ही डॉलर पर भरोसे को कम किया है। भारत के नजरिए से यह समस्या काफी पेचीदा है, क्योंकि नई दिल्ली एक तरफ तो रूस से कच्चा तेल खरीदने वाले दुनिया के सबसे बड़े देशों में से एक बन गई है और दूसरी तरफ पश्चिमी बाजारों, टेक्नोलॉजी और पूंजी तक अपनी पहुंच भी बनाए रखना चाहती है। यहीं पर ब्रिक्स और भी अहम हो जाता है। अध्यक्ष देश की हैसियत से भारत किस करवट बैठता है, इस पर राष्ट्रपति ट्रंप नजरें गड़ाए बैठे हैं।

हाल ही में फ्रांस की राजधानी पेरिस में बीएसपीएस के एक मंदिर का उद्घाटन हुआ। जिस पर खुद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हार्दिक खुशी जाहिर की थी। इस संस्था के कहां कितने मंदिर बनते हैं यह अलग मुद्दा है। लेकिन ध्यान देने वाली बात ये है कि इस संप्रदाय में महिला से दूरी बनाए रखने, महिला के साथ अकेले में बात न करने आदि के नियम बनाए गए हैं, जिसका पालन इससे जुड़े लोग करते हैं। यह भी उनका निजी मामला है कि वे महिला से बात करें न करें। लेकिन पेरिस में मंदिर उद्घाटन के लिए संस्था का जो प्रतिनिधि मंडल पेरिस गया था, उसमें करीब 100 लोग एफिल टावर देखने पहुंचे तो उनके कहने पर वहां पहले बाकायदा महिला कर्मचारियों को हटाया गया। एफिल टावर की कर्मचारी यूनियन की प्रतिनिधि डायने डावोइन के अनुसार, जब प्रतिनिधि मंडल टावर के अंदर से गुजर रहा था, तब महिला कर्मचारियों को उनके कार्यस्थलों से हटने के लिए कहा गया ताकि उनकी जगह पुरुष कर्मचारी खड़े हो सकें। कर्मचारियों का आरोप है कि कुछ महिलाओं को अपनी पोस्ट छोड़कर दूसरे हिस्सों में जाने के लिए कहा गया, जबकि कुछ स्थानों पर उनकी जगह पुरुष कर्मचारियों को तैनात किया गया। महिला कर्मचारियों को प्रतिनिधि मंडल की मौजूदगी के दौरान कुछ खास इलाकों में जाने या उन्हें पार करने से भी रोका गया।

सिमोन द बुवा के देश में नारी उत्पीड़न

सर्वमित्रा सुरजन

जिस फ्रांस में सिमोन द बुवा ने पुरुष और स्त्री समानता की मशाल बुलंद की, धार्मिक व्यवस्थाओं के खिलाफ आवाज उठाई, उसी फ्रांस में सौ साल बाद लैंगिक भेदभाव की ऐसी घटना घटेगी, यह किसी ने नहीं सोचा होगा। इस घटना से आहत एफिल टावर के कर्मचारियों ने सोमवार को प्रदर्शन किया, जिसके चलते टावर को आगंतुकों के लिए बंद रखना पड़ा। 20वीं सदी के फ्रांस में वैश्विक नारीवाद की अहम किरदार थीं- सिमोन द बुवा। नारी सशक्तीकरण पर उनके मौलिक और क्रांतिकारी विचारों पर दुनिया में आज भी मंथन होता है। सिमोन द बुवा की सुप्रसिद्ध किताब है 'द सेकंड सेक्स'। इस किताब में सिमोन कहती हैं कि औरत पैदा नहीं होती है, बल्कि समाज औरत को गढ़ता है। वह बार-बार इस पर ज़ोर देती हैं कि हमारा धर्म, हमारी संस्कृति, हमारा समाज, लड़कियों को मजबूर करता है 'स्त्री' बनने के लिए। सिमोन का कहना है कि इससे कोई फ़र्क़ नहीं पड़ता कि हमारे धर्म में औरतों की भी पूजा होती है। धर्म तो वास्तव में आदमियों के द्वारा बनाया हुआ एक तरीका है औरतों पर शासन करने का। फ्रांस ने दुनिया को केवल सिमोन द बुवा जैसी अद्भुत नारीवादी और सामाजिक कार्यकर्ता ही नहीं दी, बल्कि उनसे पहले फ्रांसीसी क्रांति ने स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व का अद्भुत विचार दुनिया को दिया। यही लोकतंत्र की नींव बना और भारत के संविधान की बुनियाद भी इसी पर टिकी है। अब इसी फ्रांस में मानवता के लिए जरूरी इन मूल्यों पर कुठाराघात करने का काम किया है बोचासनवासी अक्षर पुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था यानी बीएपीएस ने। पाठकों को बता दूं कि गुजरात के बोचासन से इस संस्था का संबंध है। अक्षरधाम मंदिर इसी संस्था का है। हाल ही में फ्रांस की राजधानी पेरिस में बीएसपीएस के एक मंदिर का उद्घाटन हुआ। जिस पर खुद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हार्दिक खुशी जाहिर की थी। इस संस्था के कहां कितने मंदिर बनते हैं यह अलग मुद्दा है। लेकिन ध्यान देने वाली बात ये है कि इस संप्रदाय में महिला से दूरी बनाए रखने, महिला के साथ अकेले में बात न करने आदि के नियम बनाए गए हैं, जिसका पालन इससे जुड़े लोग करते हैं। यह भी उनका निजी मामला है कि वे महिला से बात करें न करें। लेकिन पेरिस में मंदिर उद्घाटन के लिए संस्था का जो प्रतिनिधि मंडल पेरिस गया था, उसमें करीब 100 लोग एफिल टावर देखने पहुंचे तो उनके कहने पर वहां पहले बाकायदा महिला कर्मचारियों को हटाया गया।

एफिल टावर की कर्मचारी यूनियन की प्रतिनिधि डायने डावोइन के अनुसार, जब प्रतिनिधि मंडल टावर के अंदर से गुजर रहा था, तब महिला कर्मचारियों को उनके कार्यस्थलों से हटने के लिए कहा गया ताकि उनकी जगह पुरुष कर्मचारी खड़े हो सकें। कर्मचारियों का आरोप है कि कुछ महिलाओं को अपनी पोस्ट छोड़कर दूसरे हिस्सों में जाने के लिए कहा गया, जबकि कुछ स्थानों पर उनकी जगह पुरुष कर्मचारियों को तैनात किया गया। महिला कर्मचारियों को प्रतिनिधि मंडल की मौजूदगी के दौरान कुछ खास इलाकों में जाने या उन्हें पार करने से भी रोका गया। जिस फ्रांस में सिमोन द बुवा ने पुरुष और स्त्री समानता की मशाल बुलंद की, धार्मिक व्यवस्थाओं के खिलाफ आवाज उठाई, उसी फ्रांस में सौ साल बाद लैंगिक भेदभाव की ऐसी घटना घटेगी, यह किसी ने नहीं सोचा होगा। इस घटना से आहत एफिल टावर के कर्मचारियों ने सोमवार को प्रदर्शन किया, जिसके चलते टावर को आगंतुकों के लिए बंद रखना पड़ा। गौरतलब है कि

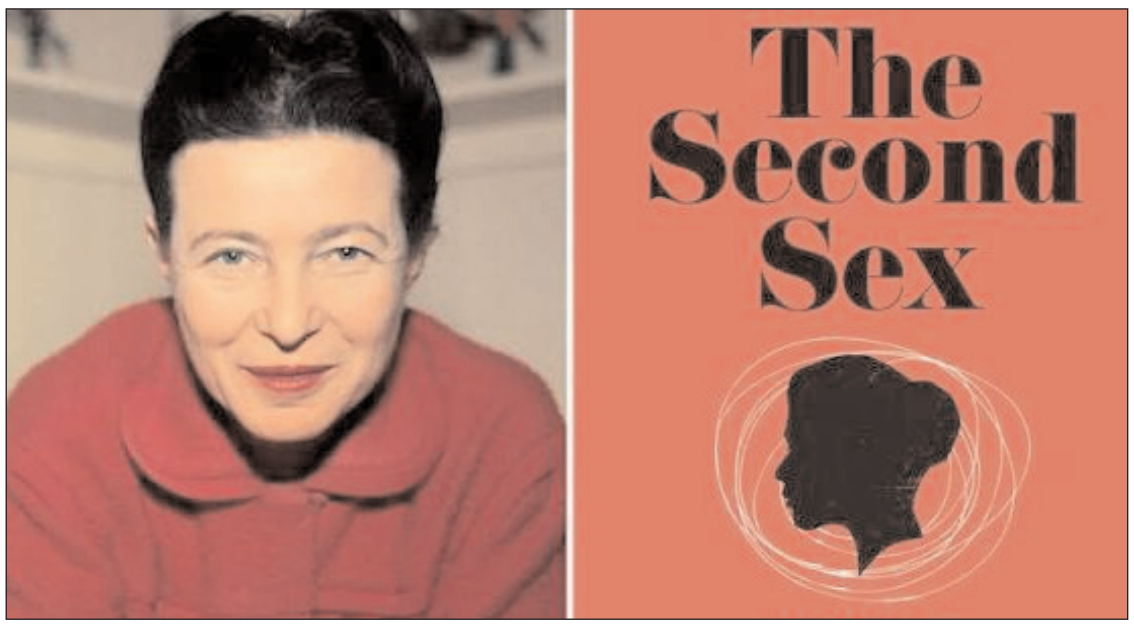

एफिल टावर दुनिया के प्रमुख पर्यटन स्थलों में शामिल है और इसकी वेबसाइट के अनुसार यहां हर साल करीब 70 लाख लोग आते हैं। फिलहाल पेरिस के मेयर इमैनुएल ग्रेगोआर ने मामले की जांच कराने की घोषणा की है। जबकि एफिल टावर का संचालन करने वाली कंपनी एसईटीई ने माना कि हिंदू प्रतिनिधि मंडल की ओर से महिलाओं के साथ बातचीत या संपर्क को सीमित रखने की मांग की गई थी। कंपनी ने कहा कि ऐसी शर्तों को स्वीकार नहीं किया जाना चाहिए था। एसईटीई के अध्यक्ष एरियल वेल ने इसे अस्वीकार्य बताया और कहा कि एफिल टावर फ्रांस के गणतांत्रिक मूल्यों तथा महिला और पुरुषों की समानता के सिद्धांत के प्रति प्रतिबद्ध है। कंपनी ने कहा कि इस तरह की व्यवस्था उसके मूल्यों और लैंगिक समानता के सिद्धांतों के अनुरूप नहीं थी तथा मामले में जांच की जाएगी। वहीं फ्रांस की नेशनल असेंबली की अध्यक्ष याएल ब्राउन-पिवे ने भी घटना की आलोचना की। उन्होंने कहा कि विदेशी मेहमानों की मांग पूरी करने के लिए महिलाओं को पीछे हटने या सार्वजनिक जीवन से 'अदृश्य' होने के लिए नहीं कहा जा सकता। उनका कहना था कि दूसरे लोगों का स्वागत करने का अर्थ यह नहीं है कि फ्रांस अपने मूल्यों से समझौता करे।

फ्रांस की समानता मंत्री ऑरोर बर्जे ने भी कहा कि फ्रांस में महिलाओं से खुद को 'मिटा देने' या पीछे हटने के लिए नहीं कहा जाता और कोई भी धार्मिक विचार गणराज्य के कानूनों से ऊपर नहीं हो सकता। फ्रांसीसी सरकार को यह देखने की भी जरूरत है कि उनके भीतर ऐसे कौन लोग बैठे हैं जिन्होंने महिला से दूर रहने जैसे संकीर्णतावादी विचार को बढ़ावा देने में मदद की। बीएपीएस का तो कहना है कि उसका प्रतिनिधि मंडल बड़ा था, इसलिए उसने एफिल टावर में व्यवस्था को बदलने कहा, लेकिन उसमें लैंगिक भेदभाव की बात नहीं थी। लेकिन जब टावर संचालन करने वाली कंपनी ही मान रही है कि बीएसपीएस की शर्तों को नहीं मानना चाहिए था, तो जरूर कहीं न कहीं लैंगिक भेदभाव हुआ ही होगा। बहरहाल फ्रांस तो इस मामले की जांच अपनी तरह से कर ही लेगा और जिस देश की बुनियाद उदार मानवतावादी मूल्यों पर पड़ी हो, वह खुद को दुरुस्त कर भी लेगा। लेकिन भारत इस वैश्विक शर्मिंदगी से कब और कैसे उबरेगा, यह एक बड़ा सवाल है। बीएसपीएस का मंदिर पेरिस में बना तो नरेन्द्र मोदी ने इसे ग्रेट जॉय बताया था, तो क्या इस घटना के बाद उन्हें ग्रेट शेम महसूस नहीं हुई। क्योंकि बीएपीएस से उनकी नजदीकी बरसों पुरानी है। मोदी का वैवाहिक जीवन कैसा रहा और शादीशुदा होने के बावजूद वे अकेले क्यों रहते हैं, यह उनका निजी मामला है। लेकिन वैश्विक स्तर पर जब एक भारतीय धार्मिक संस्था पर महिलाविरोधी होने के आरोप लगते हैं, तो बतौर प्रधानमंत्री क्या उन्हें बीएपीएस से अपने संबंधों को स्पष्ट नहीं करना चाहिए। वैसे बीएपीएस को भी इस बात पर विचार करना चाहिए कि अगर उन्हें महिलाओं से तकलीफ है, उन्हें देखना भी उनके नियमों में गवारा नहीं है, तो फिर दुनिया भर में मंदिर बनवाने निकले ही क्यों हैं। दुनिया से महिलाओं को तो गायब नहीं किया जा सकता। हो सकता है ये पूरा प्रतिनिधि मंडल चार्टर्ड फ्लाइट से पेरिस गया हो, जिसमें परिचारक ही रहे हों, परिचारिकाएं नहीं। लेकिन फिर वे पेरिस में मंदिर बनवा कर उसी फ्लाइट से भारत वापस आ जाते, उन्हें एफिल टावर या किसी भी विश्वप्रसिद्ध स्थल को देखने की जरूरत ही क्या है। हमेशा की तरह इस बार भी इस मामले में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का कोई बयान या प्रतिक्रिया नहीं आया है। उन्होंने राष्ट्रपति पद को सही अर्थों में रबर स्टैम्प ही बना दिया है, जो केवल मोदी सरकार के हर फैसले, हर बात पर मुहर लगाती है। याद कीजिए कि जब उन्हें राष्ट्रपति बनाया गया था तो भाजपा ने इस बात का बड़ा श्रेय लिया था उसके शासन में देश को पहली आदिवासी महिला राष्ट्रपति मिली है। लेकिन उनकी आदिवासी या महिला पहचान से देश में इन वर्गों की वस्तुस्थिति पर कोई फर्क नहीं पड़ रहा है। मोदी सरकार में दलित, आदिवासी, मुसलमान, और महिला उत्पीड़न के मामले बढ़ते जा रहे हैं। लेकिन राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कभी ऐसी घटनाओं पर सार्थक हस्तक्षेप किया हो, याद नहीं पड़ता।

विचार

नस्लीय नफरत का शिकार समाज

सचिन कुमार गौतम

भारत जैसे लोकतांत्रिक और उदार माने जाने वाले देश में नफरत की राजनीति और सामाजिक विषाक्तता इतनी बढ़ चुकी है कि आम जनता के बीच से ही कुछ लोग हत्या जैसे जघन्य अपराध करने में नहीं झिझक रहे। राजधानी दिल्ली में बीते दिनों मणिपुर के चर्चित गिटारिस्ट और संगीत शिक्षक चोंगथाम विक्रम सिंह की पीट-पीटकर की गई हत्या इसका ताजा और चौंकाने वाला उदाहरण है। विक्रम सिंह का एकमात्र 'कसूर' इतना था कि उन्होंने अपने घर के पास शोर मचा रहे कुछ लोगों को टोका। हो सकता है टोकने का यह मामला हत्या तक न पहुंचता, लेकिन चोंगथाम विक्रम सिंह का पूर्वोत्तर से होना क्या इस हत्या का एक अहम कारक बना, इस सवाल पर गंभीरता से सोचना होगा। गौरतलब है कि 54-55 वर्षीय चोंगथाम विक्रम सिंह पिछले 17-20 वर्षों से दिल्ली में संगीत सिखाने का काम कर रहे थे। उन्हें मणिपुर के संगीत जगत में एक चर्चित गिटारिस्ट और पश्चिमी संगीत के प्रमुख कलाकारों में गिना जाता था। रविवार रात करीब 11:30 बजे उनके घर के पास कुछ लोग शोर-शराबा कर रहे थे, जिनमें आसपास के ढाबों में काम करने वाले डिलीवरी और पैकेजिंग कर्मचारी भी शामिल थे। चोंगथाम विक्रम सिंह ने उन लोगों से शोर मचाने से मना किया, जिसके बाद विवाद बढ़ गया। आरोप है कि सिंह अपने घर की ओर भागे, लेकिन हमलावरों ने उनका पीछा किया और इमारत की तीसरी मंजिल तक पहुंचकर उनके साथ बेरहमी से मारपीट की। उनकी पत्नी जोश्ना और बेटे ने उन्हें इलाज के लिए होली फैमिली अस्पताल, ओखला पहुंचाया, लेकिन सोमवार सुबह उनकी मौत हो गई। अस्पताल रिपोर्ट के अनुसार उनकी मौत ब्लंट फोर्स ट्रॉमा से हुए हेमरेजिक शॉक के कारण हुई।

परिवार की शिकायत पर दिल्ली पुलिस ने सात लोगों को हिरासत में लिया है और एक नाबालिग को पकड़ा है। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 103(2) के तहत मामला दर्ज किया है, जो पांच या अधिक लोगों द्वारा समूह में की गई हत्या से संबंधित है। गिरफ्तार आरोपियों में भरत कुमार, प्रमोद, रमजान खान, दीपांशु, मोहन विश्वकर्मा, विजय और मन्नू शामिल हैं। राज्य और केंद्र की सत्ता पर बैठी भाजपा सरकार ने इस मामले में नस्लीय नफरत के तत्वों को फौरन खारिज कर दिया है। संसदीय कार्यमंत्री किरण रिजिजू, जो खुद पूर्वोत्तर से आते हैं, का कहना है कि इस मामले में राजनीति नहीं करनी चाहिए। उनका तर्क है कि चोंगथाम विक्रम सिंह पूर्वोत्तर से हैं, ऐसा न देखकर यह देखना चाहिए कि वे भारतीय थे। ऐसी बात सुनने में तो बहुत आदर्शवादी लगती है और कायदे से होना भी यही चाहिए, लेकिन किरण रिजिजू को ईमानदारी से बताना चाहिए कि क्या मोदी सरकार में ऐसा ही होता है। क्योंकि दिल्ली समेत देश के कई राज्यों में पूर्वोत्तर के लोगों को लगातार नस्लीय हिंसा या उत्पीड़न का शिकार होना पड़ता है। उत्तराखंड में ही पिछले साल 9 दिसंबर को त्रिपुरा के छात्र एंजेल चकमा को 'चाइनीज़' और 'मोमो' जैसे अपमानजनक शब्द कहते हुए पीट-पीट कर मार दिया गया था। इसलिए विक्रम सिंह मामले में यह पड़ताल भी करनी ही चाहिए कि इसके पीछे नस्लीय हिंसा थी या नहीं। मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड संगमा ने कहा कि दिल्ली में मणिपुर के संगीतकार चोंगथम विक्रम सिंह की दुखद मौत के लिए जिम्मेदार हमले की घटना से हम लोग बहुत परेशान हैं। इस घटना ने राजधानी में उत्तर-पूर्वी लोगों द्वारा झेली गई क्रूरता के दर्दनाक घावों को एक बार फिर से हरा कर दिया है। इसी तरह मणिपुर के पूर्व मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह और वर्तमान मुख्यमंत्री वाई खेमचंद सिंह ने इस मामले में दिल्ली पुलिस से गहन जांच की मांग की है। उन्होंने कहा कि सीसीटीवी समेत सामने आ रहे सबूतों के आधार पर आरोपियों के खिलाफ तेजी से उचित कार्रवाई होनी चाहिए और पीड़ित को जल्द न्याय मिलना चाहिए। वैसे ऐसी हरेक घटना पर राहुल गांधी की बात ही याद आती है कि नफरत का केरोसिन छिड़का जा चुका है और चिंगारी लगाने की देर है। कुछ वक्त पहले तक शायद इस चिंगारी को सुलगाने वाले लोगों को कानून का कुछ डर तो रहता ही होगा, लेकिन अब ये बेखौफ आग लगा रहे हैं, क्योंकि ऐसे आपराधिक तत्व कहीं न कहीं आश्वस्त हैं कि सत्ता में बैठे लोग उन्हें बचा ही लेंगे। दिल्ली में एक दलित को पीटने वाले स्वतंत्र भारद्वाज ने यही कहा था कि उसे पुलिस नहीं पकड़ेगी, क्योंकि 'मोदीजी उसके बड़े भाई हैं'। देश में अब हर गली-कूचे में स्वतंत्र भारद्वाज जैसे लोगों का बढ़ जाना समाज के लिए काफी चिंताजनक है। क्योंकि अब बात केवल हिंदू-मुसलमान, दलित-स्वर्ण तक सीमित नहीं रही, समूचे समाज को यह नफरत लील रही है। विक्रम सिंह के परिवार और पूर्वोत्तर समुदाय के लोगों को नाइंसाफी की आशंका है। यही सवाल उठ रहे हैं कि क्या गिरफ्तारी के साथ-साथ पूर्वोत्तर के नागरिकों की सुरक्षा और नस्ली भेदभाव से जुड़ी व्यापक समस्या पर भी सरकार ठोस कार्रवाई करेगी? क्योंकि अब तक ऐसी कोई मिसाल मोदी सरकार ने नहीं दी है।

एक नजर

पारिवारिक जमीन विवाद में चचेरे भाई की हत्या,बीच बचाव करने के क्रम में तीन जखमी

सहरसा,एजेंसी। जिले के नवहट्टा नगर पंचायत के बालू टोला में पैतृक जमीन के पुराने विवाद में गुरुवार की रात चचेरे भाई ने दो दंपतियों पर चाकू से हमला कर जख्मी कर दिया। वारदात में 26 वर्षीय नीतीश महतो की मौत हो गई। जबकि उनकी पत्नी समेत तीन लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए। जख्मी का इलाज सदर अस्पताल में चल रहा है। मृतक के बड़े भाई शंकर महतो के अनुसार गुरुवार की रात घर के बाहर नाले का गंदा पानी फेंकने को लेकर उसकी मां और छोटे भाई नीतीश के बीच विवाद हो गया। शंकर ने मां को समझाकर वहां से हटा दिया। इसी दौरान उनका चचेरा भाई मिथुन हाथ में चाकू लेकर वहां पहुंच गया और नीतीश को जान से मारने की धमकी देने लगा। इसके बाद दोनों के बीच धक्का-मुक्की और हाथापाई शुरू हो गई। आरोप है कि इसी दौरान मिथुन ने नीतीश के दाहिने कंधे पर चाकू से वार कर दिया। नीतीश की पत्नी नीलम, बड़े भाई शंकर और भाभी चंपा बीच-बचाव करने पहुंचे तो आरोपी ने उन पर भी हमला कर दिया। इसी क्रम में तीन लोग जख्मी हो गए।चाकू के हमले में शंकर महतो के बाएं कंधे, चंपा देवी की पीठ और नीलम देवी के कंधे पर चोट लगी। परिजन सभी घायलों को आनन-फानन में सहरसा सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया।इलाज के दौरान देर रात में नीतीश महतो की मौत हो गई। अन्य तीन घायलों का अस्पताल में इलाज जारी है। मृतक के पिता राजेंद्र महतो ने बताया कि उनके भाई नुनूलाल महतो के साथ पैतृक जमीन को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। इसी विवाद के चलते वह कई साल पहले परिवार के साथ मधेपुरा जिले के खड़ा बुधमा स्थित ससुराल चले गए थे और वहां मजदूरी करने लगे थे।

आधी रात फिर टूटा ब्रह्मोत्तर तटबंध, रिहायशी इलाकों की तरफ बढ़ा पानी

भागलपुर,एजेंसी। जिले के गोपालपुर प्रखंड अंतर्गत सैदपुर में स्थित ब्रह्मोत्तर तटबंध गुरुवार की देर रात अचानक एक बार फिर ध्वस्त हो गया। इसके चलते पूरे गोपालपुर प्रखंड में भीषण बाढ़ आने की गंभीर आशंका पैदा हो गई है और ग्रामीणों के बीच अफरा-तफरी का माहौल है। बताया जा रहा है कि गुरुवार को दिन में यह तटबंध कई स्थानों पर क्षतिग्रस्त हो गया था, जिसके बाद ग्रामीणों और जल संसाधन विभाग की टीम ने मुस्तैदी दिखाते हुए मिलकर इसे अस्थायी रूप से दुरुस्त कर लिया था। लेकिन यह राहत ज्यादा देर नहीं टिक सकी। देर रात करीब 1:00 बजे पानी के अत्यधिक दबाव, तेज हवा और अचानक हुई बारिश के कारण मरम्मत किया गया बांध एक बार फिर जवाब दे गया। पानी के प्रचंड दबाव के कारण तटबंध अचानक 15 से 20 फीट तक दोबारा कट गया है। बांध टूटने के बाद बाढ़ के पानी का तेज बहाव अब सीधे सैदपुर दुर्गास्थान के समीप बने रिहायशी इलाकों की ओर रुख करने लगा है, जिससे निचले इलाकों में तेजी से पानी फैल रहा है। प्रशासन और जल संसाधन विभाग की टीम रात से ही स्थानीय ग्रामीणों के सहयोग से दोबारा कटाव रोकने और पानी के बहाव को नियंत्रित करने के प्रयास में जुटी हुई है। यदि समय रहते बहाव को नहीं रोका गया, तो प्रखंड मुख्यालय समेत एक बड़ी आबादी जलमग्न हो सकती है।

एसएसबी बनी सड़क दुर्घटना में आठ घायल नागरिकों के लिए देवदूत

पश्चिम चम्पारण (बगहा)। एसएसबी 21वीं वाहिनी के मुख्यालय गेट नंबर-1 के सामने शुक्रवार को दो ऑटो और एक मोटरसाइकिल की जोरदार भिड़ंत में एक महिला समेत कुल आठ लोग घायल हो गए। दुर्घटना के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई। दुर्घटना की सूचना मिलते ही एसएसबी 21वीं वाहिनी ने मानवीय संवेदनशीलता का परिचय देते हुए तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। कमांडेंट तपेश्वर संबित राउत के निर्देश पर एसएसबी के जवान बिना समय गंवाए घटनास्थल पर पहुंचे और दुर्घटना में घायल सभी लोगों को मौके पर ही प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराया। घायलों की गंभीर स्थिति को देखते हुए एसएसबी ने उन्हें अस्पताल पहुंचाने में भी तत्काल पहल की। वाहिनी के चिकित्सा अधिकारी सह उप कमांडेंट डॉ. यादवेंद्र यादव की निगरानी में सभी घायलों को वाहिनी की एंबुलेंस से अनुमंडलीय अस्पताल, बगहा (SDH) भेजा गया, जहां उनका उपचार शुरू कराया गया। दुर्घटना के बाद एसएसबी जवानों की तत्परता से घायलों को समय पर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध हो सकी। स्थानीय लोगों ने एसएसबी के इस मानवीय कार्य की सराहना करते हुए कहा कि सीमा सुरक्षा के साथ-साथ संकट की घड़ी में नागरिकों की सहायता के लिए जवानों का आगे आना समाज के प्रति उनकी जिम्मेदारी और संवेदनशीलता को दर्शाता है। एसएसबी 21वीं वाहिनी की इस त्वरित कार्रवाई ने एक बार फिर साबित किया कि वर्दी केवल सुरक्षा का प्रतीक नहीं, बल्कि जरूरत के समय मानवता के साथ खड़े होने का भी संकल्प है।

पांच दिवसीय कार्य सप्ताह की मांग को लेकर बैंक कर्मियों ने किया हड़ताल

सारण। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस के आह्वान पर आज सारण जिले में बैंकिंग सेवाएं लगभग पूरी तरह ठप रहीं। अपनी प्रमुख मांग 5-दिवसीय बैंकिंग को लागू करने के संकल्प के साथ में बैंक कर्मियों ने विरोध प्रदर्शन किया। मेन ब्रांच सहित जिले के लगभग सभी बैंकों के मुख्य दरवाजे पर सुबह से ही बैंक कर्मियों का हुजूम उमड़ पड़ा। हाथों में तख्तियां और बैनर लिए कर्मियों ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों का स्पष्ट संदेश था हमने सौगंध खाई है छीन के लाएंगे अपना हक। बैंक ऑफ़ इंडिया इंप्लाइज यूनियन के कुमार आशीष ने संबोधित करते हुए इसे एक क्रांतिकारी आह्वान करार दिया। उन्होंने कहा आज की यह हड़ताल केवल एक विरोध नहीं, बल्कि हमारे अस्तित्व और बैंकिंग क्षेत्र के भविष्य को बचाने की हुंकार है। जब बात हमारे अधिकारों और सम्मान की आती है, तो बिहार के बैंक कर्मी एक अभेद्य दीवार बनकर खड़े होते हैं। यूनियन के नेता जयशंकर प्रसाद ने स्पष्ट किया कि 5-दिवसीय कार्य सप्ताह की मांग लंबे समय से लंबित है और अब बैंक कर्मी किसी भी समझौते के मूड में नहीं हैं। हड़ताल के कारण चेक क्लीयरेंस, कैश डिपॉजिट और अन्य बैंकिंग सेवाएं बाधित रहीं। हालांकि, यूनियन ने इसे बैंक कर्मियों के मानसिक स्वास्थ्य और कार्य कुशलता के लिए अनिवार्य कदम बताया है।

ब्रिक्स सम्मेलन में छाएगा 'ब्रांड बिहार', सत्तू-मखाना से दुनिया चखेगी बिहार का देसी स्वाद

अंतरराष्ट्रीय मेहमानों के सामने सजेगा बिहार का पारंपरिक स्वाद, स्थानीय उत्पादों को मिलेगा ग्लोबल मंच

एम.जबिउल्लाह, सद्भावना टुडे

पटना। बिहार के पारंपरिक और स्थानीय उत्पाद अब अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी पहचान मजबूत करने को तैयार हैं। ब्रिक्स सम्मेलन में देश-विदेश से पहुंचने वाले प्रतिनिधियों और विदेशी मेहमानों को बिहार के देसी स्वाद से रूबरू कराने की तैयारी है। सम्मेलन के दौरान सत्तू और मखाना जैसे बिहार के प्रमुख स्थानीय उत्पादों की खास मौजूदगी रहेगी। इनके जरिए न केवल बिहार की पारंपरिक खाद्य संस्कृति की झलक मिलेगी, बल्कि 'ब्रांड बिहार' को वैश्विक पहचान दिलाने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण पहल होगी। बिहार के खान-पान में सत्तू की अपनी विशिष्ट पहचान है। लिट्टी-चोखा हो, सत्तू पराठा या फिर गर्मी में ठंडे पेय के रूप में घुला हुआ सत्तू—यह सदियों से बिहार के आम जनजीवन और खान-पान का अभिन्न हिस्सा रहा है। वहीं, मखाना बिहार के प्रमुख कृषि उत्पादों में शामिल है, जिसकी मांग देश के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी लगातार बढ़ रही है।

मखाना उत्पादन में बिहार की बड़ी हिस्सेदारी

मखाना उत्पादन में बिहार देश का अग्रणी राज्य है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2025-26 में देश का मखाना उत्पादन 80,590 मीट्रिक टन तक पहुंच गया, जबकि औसत उत्पादकता 2.34 मीट्रिक टन प्रति हेक्टेयर रही। वर्ष 2024-25 में देशभर में मखाना उत्पादन 63,910 मीट्रिक टन आंका गया था और औसत उत्पादकता 2.03 मीट्रिक टन प्रति हेक्टेयर रही थी। देश के कुल मखाना उत्पादन में बिहार की हिस्सेदारी करीब 90 फीसदी बताई जाती है। मिथिला और उत्तर बिहार के कई जिलों में मखाने की खेती, उत्पादन और प्रसंस्करण बड़े पैमाने पर होता है। ऐसे में ब्रिक्स सम्मेलन जैसे अंतरराष्ट्रीय मंच पर मखाने की प्रस्तुति बिहार के किसानों और स्थानीय उद्यमियों के लिए नए बाजारों के दरवाजे खोल सकती है।

दस साल में बढ़ा चना उत्पादन

सत्तू की बढ़ती पहचान के पीछे चना उत्पादन की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। राज्य में पिछले दस वर्षों के दौरान चना उत्पादन में छह हजार मीट्रिक टन से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई है। वर्ष 2024-25 में बिहार में चना उत्पादन 63,569 मीट्रिक टन रहा, जबकि वर्ष 2014-15 में यह 57,490 मीट्रिक टन था। चना से तैयार सत्तू को आधुनिक पैकेजिंग और प्रसंस्करण के जरिए बड़े बाजार तक पहुंचाने की संभावनाएं भी लगातार बढ़ रही हैं। ऐसे में ब्रिक्स सम्मेलन बिहार के इस पारंपरिक खाद्य उत्पाद को नई पहचान देने का माध्यम बन सकता है।

स्वाद के साथ दिखेगी बिहार की पहचान

विदेशी मेहमान जब बिहार के सत्तू और मखाना का स्वाद चखेंगे, तो उन्हें राज्य की समृद्ध पारंपरिक खाद्य संस्कृति को करीब से जानने का अवसर मिलेगा। सत्तू जहां बिहार के आम जनजीवन, परंपरा और पौष्टिक खान-पान से जुड़ा है, वहीं मखाना राज्य के जलक्षेत्रों, किसानों की मेहनत और कृषि अर्थव्यवस्था की पहचान बन चुका है। इन दोनों उत्पादों की अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुति के जरिए बिहार की परंपरा, कृषि, स्थानीय उद्यमिता और खाद्य संस्कृति को एक साथ सामने लाने का प्रयास होगा।

हेल्दी स्नैक के रूप में बढ़ी मखाने की मांग

मखाना अब केवल पारंपरिक खाद्य पदार्थ तक सीमित नहीं रह गया है। देश और विदेश में इसे तेजी से हेल्दी स्नैक और सुपरफूड के रूप में पहचान मिल रही है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में बढ़ती मांग बिहार के किसानों, उत्पादकों और खाद्य प्रसंस्करण से जुड़े उद्यमियों के लिए नए अवसर पैदा कर सकती है। वहीं, सत्तू को भी आधुनिक पैकेजिंग, ब्रांडिंग और प्रसंस्करण के जरिए देश-विदेश के बाजारों तक पहुंचाने की व्यापक संभावनाएं हैं।

स्थानीय उत्पादों से ग्लोबल कनेक्ट

ब्रिक्स सम्मेलन में बिहार के पारंपरिक उत्पादों की मौजूदगी केवल खान-पान का विषय नहीं है। यह स्थानीय उत्पादों को वैश्विक बाजार से जोड़ने की संभावनाओं का भी संकेत है। अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों के बीच सत्तू और मखाना की पहचान बनने से भविष्य में इनके निर्यात, ब्रांडिंग, निवेश और खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में नई संभावनाएं पैदा हो सकती हैं।

'ब्रांड बिहार' को मिलेगा नया आयाम

बिहार की पहचान अब केवल उसकी ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत तक सीमित नहीं रह गई है। राज्य के स्थानीय कृषि और खाद्य उत्पाद भी 'ब्रांड बिहार' की नई पहचान गढ़ रहे हैं। सत्तू बिहार की मिट्टी और जनजीवन से जुड़ा स्वाद है, तो मखाना यहां की कृषि और किसानों की मेहनत की पहचान। ब्रिक्स जैसे वैश्विक मंच पर इन उत्पादों की प्रस्तुति से बिहार के पारंपरिक स्वाद को अंतरराष्ट्रीय पहचान मिलने के साथ-साथ स्थानीय उत्पादों के लिए वैश्विक बाजार की संभावनाएं भी मजबूत हो सकती हैं। यही पहल आने वाले समय में 'ब्रांड बिहार' को स्वाद से बाजार और स्थानीय उत्पादों से ग्लोबल कनेक्ट तक ले जाने का आधार बन सकती है।

एसपी ने तीन एसएचओ को किया लाइन हाजिर, दस पुलिस पदाधिकारी पुरस्कृत,कईयों से स्पष्टीकरण

अररिया। अररिया एसपी जितेन्द्र कुमार ने जिले के तीन थानाध्यक्षों को लाइन हाजिर कर दिया।वहीं दस पुलिस अधिकारियों को बेहतरीन कार्य के लिए पुरस्कृत किया,जबकि एक दर्जन से अधिक थानाध्यक्षों से अलग अलग मामलों में कार्यों में शिथिलता बरतने के मामले को लेकर स्पष्टीकरण पूछा गया है। यह जानकारी एसपी जितेन्द्र कुमार ने दी। एसपी ने सिकटी थानाध्यक्ष रौशन कुमार, सोनामनी गोदाम थानाध्यक्ष चंदन कुमार और बथनाहा थानाध्यक्ष राजवीर साहू को कार्य में लापरवाही और अनुशासनहीनता के आरोप में लाइन हाजिर कर दिया। तीनों थानाध्यक्ष के खिलाफ कार्य में लापरवाही और अनुशासनहीनता के आरोप में विभागीय कार्यवाही भी शुरू की गई है। वहीं जिले के दस पुलिसकर्मियों को पुरस्कृत भी किया गया है। पुरस्कृत किए गए पुलिस पदाधिकारियों में फारबिसगंज थाना के पर्यवेक्षी पदाधिकारी मुकेश कुमार,जोकीहाट एसएचओ राजीव कुमार झा,फारबिसगंज अंचल के इंस्पेक्टर घन प्रसाद, बैरगाछी के एसएचओ नवदीप गुप्ता, आरएस एसएचओ अंकुर कुमार,कुर्साकांटा एसएचओ

रोहित कुमार, बैरगाछी अपर एसएचओ ज्वाला प्रसाद, बसमतिया एसएचओ सुनील कुमार, फुलकाहा एसएचओ विकाश कुमार मौर्य और डीआईयू प्रभारी शामिल हैं। प्रतिवेदित मामलों की तुलना में अपेक्षा से कम निष्पादित करने एवं प्रतिवेदित कांडों की तुलना में तीन गुणा से अधिक कांडों के लंबित रहने के मामले में फारबिसगंज, अररिया, सिकटी, महिला, रानीगंज, कुआड़ी, फुलकाहा, जोगबनी, नरपतगंज, भरगामा एवं घूरना थानाध्यक्ष से स्पष्टीकरण की मांग की गई है। मादक पदार्थों की बरामदगी संतोषजनक प्राप्त नहीं करने के मामले में भी एसपी ने अररिया, रानीगंज, बौसी,महलगांव, ताराबाड़ी, भरगामा, नरपतगंज, फारबिसगंज एवं सिमराहा थानाध्यक्ष से स्पष्टीकरण की मांग की गई है।

भागलपुर में बैंककर्मियों की एकदिवसीय हड़ताल, पांच दिवसीय बैंकिंग सप्ताह और पीएलआई के मुद्दे पर ठप रहा कामकाज

भागलपुर,एजेंसी। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस के आह्वान पर शुक्रवार को भागलपुर जिले के सभी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में कामकाज पूरी तरह ठप रहा। पांच दिवसीय बैंकिंग सप्ताह, भेदभावपूर्ण परफॉर्मेंस लिंक्ड इंसेंटिव नीति के विरोध और अन्य लंबित मांगों को लेकर बैंककर्मियों ने एकदिवसीय हड़ताल में बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस हड़ताल के कारण जिले भर में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का नियमित बैंकिंग कार्य व्यापक रूप से प्रभावित हुआ, जिससे करोड़ों रुपये का लेनदेन प्रभावित होने का अनुमान है।

हड़ताल के दौरान बैंककर्मियों ने अपनी मांगों के समर्थन में विभिन्न बैंक शाखाओं के सामने शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने सरकार और प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए पांच दिवसीय बैंकिंग सप्ताह को अविलंब लागू करने की मांग की। यूनियन नेताओं ने प्रदर्शन को संबोधित करते हुए कहा कि पांच दिवसीय बैंकिंग सप्ताह के संबंध में वेतन समझौते के दौरान पहले ही सहमति बन चुकी है। इसके बावजूद सरकार और प्रबंधन द्वारा इस पर अंतिम निर्णय लेने में अनावश्यक विलंब किया जा रहा है। नेताओं ने तर्क दिया कि बैंकों में लगातार बढ़ते कार्यभार, कर्मचारियों की भारी कमी और मानसिक दबाव को देखते हुए पांच दिवसीय बैंकिंग व्यवस्था अब समय की आवश्यकता बन चुकी है। यूएफबीयू के नेताओं ने साफ चेतावनी दी है कि बैंककर्मी लंबे समय से अपनी जायज मांगों को लेकर लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलनरत हैं। यदि सरकार ने शीघ्र ही

इस पर कोई सकारात्मक निर्णय नहीं लिया, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

यूनियन ने रणनीति साझा करते हुए बताया कि मांगें पूरी नहीं होने पर सितंबर माह में तीन दिवसीय हड़ताल और अक्टूबर माह में अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने का निर्णय लिया जा चुका है। बैंक यूनियन नेताओं ने आम जनता और ग्राहकों की चिंताओं को दूर करते हुए स्पष्ट किया कि पांच दिवसीय बैंकिंग सप्ताह लागू होने से ग्राहकों को किसी भी तरह की परेशानी नहीं होगी। आज के दौर में इंटरनेट बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग, एटीएम, यूपीआई और अन्य डिजिटल माध्यमों के जरिए 24 घंटे और सातों दिन बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध हैं। इसलिए, बैंक शाखाओं के कार्यदिवसों में कमी आने का मतलब बैंकिंग सेवाओं में कमी होना बिल्कुल नहीं है। यूनियन ने सरकार से एक बार फिर आग्रह किया है कि वह बैंककर्मियों के हितों और उनकी जायज मांगों को संवेदनशीलता से देखे। भेदभावपूर्ण पीएलआई सहित सभी लंबित मुद्दों का समाधान कर जल्द से जल्द पांच दिवसीय बैंकिंग सप्ताह की अधिसूचना जारी की जाए। आज की हड़ताल पूरी तरह अनुशासित और शांतिपूर्ण रही।

संवेदनशीलता की मिसाल, जब सरकारी गाड़ी छोड़ नंगे पांव ही ग्राउंड जीरो पर उतरीं डीएम अलंकृता पांडे

भागलपुर,एजेंसी। गंगा के बढ़ते जलस्तर ने भागलपुर जिले में बाढ़ की भीषण त्रासदी ला खड़ी की है। संकट के इस दौर में जहां आम जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो चुका है, वहीं प्रशासनिक संवेदनशीलता की एक बेहद सकारात्मक तस्वीर भी सामने आई है। जिले की जिलाधिकारी अलंकृता पांडे ने दफ्तर के बंद कमरों और आरामदायक कुर्सियों को छोड़कर सीधे बाढ़ की विभीषिका झेल रहे लोगों के बीच पहुंचने का फैसला किया है। उनके इस मानवीय और जुझारू रुख की पूरे जिले में खूब सराहना हो रही है।

उल्लेखनीय है कि बाढ़ के कारण जिले की 86 से अधिक पंचायतों में हाहाकार मचा हुआ है। नवगछिया, शाहकुंड और भागलपुर के शहरी इलाकों सहित कई गांवों का संपर्क मुख्य मार्गों से पूरी तरह कट चुका है। सामान्य वाहनों का इन इलाकों में जाना नामुमकिन हो गया है। लेकिन इन बाधाओं को दरकिनार करते हुए डीएम अलंकृता पांडे खुद ग्राउंड जीरो पर उतरीं। जहां सड़कें पानी में डूब चुकी थीं, वहां उन्होंने ट्रैक्टर को अपनी सरकारी गाड़ी बनाया और जहां पानी और गहरा था, वहां वह नंगे पांव कमर तक पानी में घुसकर पीड़ितों तक सहायता पहुंचाने निकल पड़ीं। उनके साथ शाहकुंड की अंचलाधिकारी (सीओ) हर्षा कोमल भी इस मुहिम में कंधे से कंधा मिलाकर डटी रहीं। डीएम अलंकृता पांडे ने सिर्फ प्रभावित इलाकों का ऊपरी मुआयना नहीं किया, बल्कि पानी के बीच फंसे परिवारों

के पास जाकर खुद उनकी समस्याएं सुनीं। प्रशासनिक टीम के साथ लगातार निगरानी करते हुए उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि राहत सामग्री और बुनियादी जरूरतें हर प्रभावित व्यक्ति तक बिना किसी देरी के पहुंचें। वहीं शाहकुंड की अंचलाधिकारी हर्षा कोमल शाहकुंड प्रखंड के खुलनी, पैरडो मोमिन्या माल, बेलथू, खैरा, मकंदपुर और दरियापुर जैसी अत्यधिक प्रभावित पंचायतों में प्रशासनिक टीम ने खुद पहुंचकर लोगों का ढांढस बंधाया। निरीक्षण के दौरान डीएम ने मौके पर ही अधीनस्थ अधिकारियों और कर्मचारियों को कड़े और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि आपदा की इस घड़ी में कागजी खानापूर्ति के बजाय राहत कार्य धरातल पर दिखने चाहिए। अधिकारी का इस तरह मुश्किल रास्तों को पार कर अपने बीच पहुंचना ग्रामीणों के लिए महज एक प्रशासनिक दौरा नहीं, बल्कि इस संकट काल में जीने का एक बड़ा हौसला बन गया है। प्रशासनिक गलियारों में इस बात की चर्चा आम है कि पद चाहे कितना भी बड़ा हो, लेकिन लोगों के दिलों में जगह संवेदनशीलता से ही बनती है। जब सरकारी जिम्मेदारी में इंसानियत की गर्माहट शामिल हो जाती है, तो प्रशासन महज एक व्यवस्था न रहकर जनता का अटूट भरोसा बन जाता है।

एचआईवी से डरें नहीं, सही जानकारी रखें और भेदभाव से बचें

सीवान,एजेंसी। शहर स्थित जवाहर नवोदय विद्यालय में छात्रों को एचआईवी, एड्स के संक्रमण, बचाव और इससे जुड़े सामाजिक भेदभाव के प्रति जागरूक करने के लिए कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला एड्स नियंत्रण पदाधिकारी सह संचारी रोग पदाधिकारी डॉ. अशोक कुमार एवं आईसीटीसी प्रवेक्षक विभूति शरण ने छात्र-छात्राओं को एचआईवी/एड्स के बारे में सरल भाषा में जानकारी दी।

डॉ. अशोक कुमार ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि एचआईवी एक वायरस है, जो शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता को कमजोर करता है। एचआईवी पॉजिटिव होना जीवन का अंत नहीं है। समय पर जांच, चिकित्सकीय सलाह और नियमित उपचार से एचआईवी से संक्रमित व्यक्ति सामान्य जीवन जी सकता है। उन्होंने कहा कि एचआईवी को लेकर समाज में कई तरह की गलत धारणाएं हैं, जिन्हें सही जानकारी के माध्यम से दूर करने की जरूरत है। उन्होंने बताया कि एचआईवी मुख्य रूप से असुरक्षित यौन संपर्क, संक्रमित सुई या सिरिंज के दोबारा इस्तेमाल, संक्रमित रक्त चढ़ाने तथा संक्रमित मां से बच्चे में संक्रमण के माध्यम से फैल सकता है। उन्होंने छात्रों को विशेष रूप से समझाया कि हाथ मिलाने, गले मिलने, साथ बैठने, साथ पढ़ने, साथ खाना खाने, एक ही बर्तन इस्तेमाल करने, खांसने-छींकने अथवा मच्छर के काटने से एचआईवी नहीं फैलता है। विभूति शरण ने कहा कि एचआईवी से बचाव के लिए जागरूकता सबसे महत्वपूर्ण है। किसी

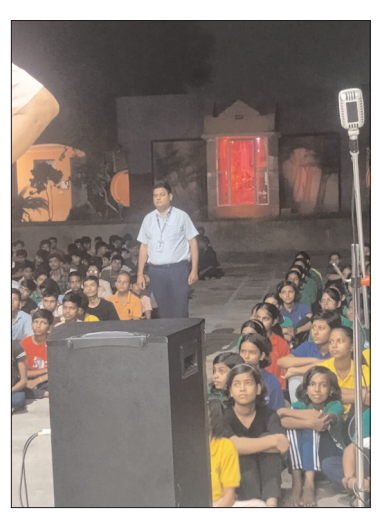

व्यक्ति में संक्रमण की आशंका होने पर अफवाह या अनुमान के आधार पर निष्कर्ष निकालने के बजाय स्वास्थ्य केंद्र पर जांच और चिकित्सकीय परामर्श लेना चाहिए। उन्होंने छात्रों से कहा कि वे स्वयं जागरूक बनें और अपने परिवार तथा समाज में भी एचआईवी के संबंध में सही जानकारी पहुंचाएं। उन्होंने कहा कि एचआईवी से संक्रमित व्यक्ति के साथ भेदभाव करना गलत है। हमें बीमारी से लड़ना है, व्यक्ति से नहीं। एचआईवी से जी रहे लोगों के साथ सम्मान, संवेदना और सामान्य व्यवहार करना सभी की जिम्मेदारी है। कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य डीएन तिवारी, एआरटी के काउंसलर विकास श्रीवास्तव, सहयोगी संस्था के अश्विनी कुमार एवं नारायणी सेवा संस्थान के सुनील कुमार उपस्थित थे।

एक नजर

एवीसी वॉलीबॉल चैंपियनशिप : भारत क्वार्टर फाइनल में जापान से सीधे सेटों में हारा

फुकुओका,एजेंसी। भारत को एवीसी पुरुष वॉलीबॉल महाद्वीपीय चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में मेजबान जापान के खिलाफ सीधे सेटों में हार का सामना करना पड़ा। मौजूदा चैंपियन जापान ने शुक्रवार को भारत को 3-0 से हराकर लगातार सातवीं बार प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में जगह बनाई। जापान ने भारत को 25-17, 25-15, 25-19 से शिकस्त दी। दस बार की चैंपियन जापानी टीम के लिए रैन ताकाहाशी ने 14 अंक, यूजी निशिदा ने 12 अंक, कप्तान युकी इशिकावा ने 12 अंक और लैरी एवबाडे-डैन ने नौ अंक जुटाए। भारत की ओर से कप्तान और विपक्षी स्पाइकर सी. जेरोम विनीत ने सर्वाधिक 11 अंक बनाए, जबकि आउटसाइड हिटर चिराग यादव ने छह अंक का योगदान दिया। ड्रैगन मिहाइलोविच के मार्गदर्शन में खेल रही भारतीय टीम ने 2019 के बाद पहली बार प्रतियोगिता के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई थी। भारत ने पूल-बी के अपने अंतिम मुकाबले में न्यूजीलैंड को हराया था। ओमान को अपने अंतिम ग्रुप मैच में बहरीन से हार मिली, जिसके बाद भारत ने अंतिम-8 में स्थान पक्का किया। भारत को पूल चरण के शुरुआती दोनों मुकाबलों में ईरान और चीन के खिलाफ हार मिली थी। हालांकि न्यूजीलैंड के खिलाफ जीत के बाद भारतीय टीम प्रारंभिक चरण की संयुक्त रैंकिंग में आठवें स्थान पर रही और क्वार्टर फाइनल में पहुंची। भारत का अगला मुकाबला आइची-नागोया एशियाई खेलों में होगा, जिसका आयोजन जापान में किया जाएगा।

डब्ल्यूएसपीएस विश्व चैंपियनशिप : सृष्टि अरोड़ा और मनीष नरवाल ने 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम में जीता कांस्य

चांगवोन। भारतीय जोड़ी सृष्टि अरोड़ा और पेरिस पैरालंपिक के पदक विजेता मनीष नरवाल ने शुक्रवार को चांगवोन में चल रही डब्ल्यूएसपीएस विश्व चैंपियनशिप में 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा का कांस्य पदक जीत लिया। फाइनल में सृष्टि ने 195.3 अंक का स्कोर किया, जबकि मनीष ने 208.7 अंक हासिल किए। भारतीय जोड़ी का कुल स्कोर 404.0 रहा और उसने तीसरा स्थान हासिल किया। चीन की डांग युहोंग और हुआंग शिंग की जोड़ी ने 472.1 अंक के संयुक्त विश्व रिकॉर्ड स्कोर के साथ स्वर्ण पदक जीता। दक्षिण कोरिया की मून एइक्युंग और जो जियोंगदू ने 466.0 अंक के साथ रजत पदक अपने नाम किया। इससे पहले सृष्टि और मनीष ने क्वालीफिकेशन में कुल 565 अंक हासिल कर फाइनल में जगह बनाई थी। सृष्टि ने 279 अंक, जबकि मनीष ने 286 अंक का योगदान दिया। एक अन्य भारतीय जोड़ी भक्ति शर्मा और रुद्रांश खंडेलवाल क्वालीफिकेशन में 557 अंक के साथ 10वें स्थान पर रही और फाइनल के लिए क्वालीफाई नहीं कर सकी।

वियतनाम ओपन में तन्वी शर्मा ने मालविका बंसोड़ को हराया, सेमीफाइनल में पहुंचीं

हो ची मिन्ह सिटी। शीर्ष वरीय तन्वी शर्मा ने शुक्रवार को हमवतन सातवीं वरीय मालविका बंसोड़ को कड़े मुकाबले में हराकर वियतनाम ओपन सुपर 100 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। विश्व की 27वें नंबर की तन्वी ने मालविका को 21-18, 15-21, 21-14 से शिकस्त दी। तीसरी वरीय ईशारानी बरुआ ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए क्वार्टर फाइनल में चीनी ताइपे की हुआंग चिंग पिंग को 21-15, 21-18 से हराकर अंतिम चार में जगह बनाई। मालविका ने पहले गेम में तेज शुरुआत की और तन्वी के खिलाफ 13-6 की आरामदायक बढ़त बना ली। इसके बाद तन्वी ने शानदार वापसी करते हुए अगले 13 में से 10 अंक हासिल किए और स्कोर 16-16 से बराबर कर दिया। दबाव के बीच संयम बनाए रखते हुए तन्वी ने पहला गेम 21-18 से अपने नाम किया। दूसरे गेम में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली और बढ़त लगातार बदलती रही। हालांकि, इस बार मालविका ने अंतिम चरण में बेहतर खेल दिखाया और 21-15 से गेम जीतकर मुकाबले को निर्णायक गेम में पहुंचा दिया। तीसरे गेम में भी शुरुआत में मुकाबला बराबरी का रहा, लेकिन मध्यांतर के बाद तन्वी ने अपनी गति बढ़ाई और बढ़त बना ली। इसके बाद उन्होंने मालविका को वापसी का कोई मौका नहीं दिया और 21-14 से गेम जीतकर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया।

बीसीसीआई ने सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में हेड-स्पोर्ट्स साइंस एंड मेडिसिन पद के लिए मांगे आवेदन

नई दिल्ली,एजेंसी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने शुक्रवार को बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में हेड-स्पोर्ट्स साइंस एंड मेडिसिन पद के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। इस पद पर चयनित उम्मीदवार बीसीसीआई की एलीट क्रिकेट और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस से जुड़ी खेल विज्ञान एवं चिकित्सा सेवाओं को रणनीतिक और परिचालन नेतृत्व प्रदान करेगा।

इस पद की जिम्मेदारी में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के हेड ऑफ फिजियोथेरेपी, भारतीय टीम के हेड ऑफ फिजियोथेरेपी, हेड स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग तथा भारतीय टीम की स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग टीम का नेतृत्व करना भी शामिल होगा। चयनित उम्मीदवार राष्ट्रीय और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के प्रशिक्षकों, क्रिकेट शिक्षा विभाग तथा अन्य प्रदर्शन विशेषज्ञों के साथ मिलकर भारतीय खिलाड़ियों के लिए एकीकृत सहायता कार्यक्रम तैयार करेगा। बीसीसीआई के अनुसार, इस पद पर खिलाड़ी कल्याण, चोट की रोकथाम और पुनर्वास, शारीरिक विकास, शोध, नवाचार तथा प्रासंगिक तकनीक और सेवाओं को अपनाने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। हेड-स्पोर्ट्स साइंस एंड मेडिसिन की प्रमुख जिम्मेदारियों में खेल विज्ञान एवं चिकित्सा विभाग के लिए रणनीतिक दृष्टिकोण और ढांचा तैयार करना, चिकित्सा एवं क्लिनिकल व्यवस्था की निगरानी, सेवा वितरण, जोखिम प्रबंधन और खिलाड़ी कल्याण सुनिश्चित करना शामिल है। इसके अलावा चोट की रोकथाम, खिलाड़ियों की रिकवरी और पुनर्वास, बीमारी एवं स्वास्थ्य प्रबंधन तथा दीर्घकालिक शारीरिक विकास से जुड़े कार्यक्रमों की निगरानी करनी होगी। उम्मीदवार को प्रदर्शन के मानकों, गुणवत्ता प्रबंधन, शोध और नवाचार को बढ़ावा देना होगा। इसमें विभाग की शोध इकाई विकसित करना और प्रमुख खेल एवं चिकित्सा संस्थानों के साथ साझेदारी करना भी शामिल है। विभाग की योजना, बजट, प्रदर्शन प्रबंधन और पेशेवर विकास की जिम्मेदारी भी चयनित उम्मीदवार की होगी।

योग्यता और अनुभव

आवेदक के पास स्पोर्ट्स साइंस या इससे संबंधित विषय में मास्टर डिग्री होनी चाहिए, जबकि डॉक्टरेट की डिग्री को प्राथमिकता दी जाएगी। उम्मीदवार के पास बहु-विषयक प्रदर्शन टीमों के प्रबंधन और रणनीतिक नेतृत्व की भूमिका में कम से कम पांच वर्ष का अनुभव होना चाहिए। उम्मीदवार को पेशेवर या ओलंपिक खेलों में उच्च प्रदर्शन वाली टीमों के लिए स्पोर्ट्स साइंस या मेडिसिन से संबंधित रणनीतिक योजनाएं तैयार करने और उन्हें लागू करने का व्यापक अनुभव होना चाहिए। संबंधित खेल विज्ञान या चिकित्सा क्षेत्र में वर्तमान पेशेवर मान्यता या लाइसेंस भी आवश्यक है। प्रदर्शन आधारित शोध, खिलाड़ियों के दीर्घकालिक शारीरिक विकास तथा क्षेत्रीय प्रदर्शन और खेल संस्थानों के साथ काम करने का अनुभव वांछनीय माना गया है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी या मेडिकल निदेशक के रूप में पूर्व अनुभव, स्पोर्ट्स एंड एक्सरसाइज मेडिसिन में विशेषज्ञ मान्यता तथा मेडिकल और क्लिनिकल गवर्नेंस का अनुभव अतिरिक्त योग्यता के रूप में माना जाएगा। इस पद के लिए एक रिक्ति है और आयु सीमा 60 वर्ष से कम रखी गई है। चयनित उम्मीदवार को बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में कार्य करना होगा और वह हेड ऑफ क्रिकेट-सेंटर ऑफ एक्सीलेंस को रिपोर्ट करेगा।

जूनियर पुरुष एशिया कप : मलेशिया को 3-1 से हराकर लगातार चौथी बार फाइनल में पहुंचा भारत

मोक्वी, चीन,एजेंसी। गत चैंपियन भारत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मलेशिया को 3-1 से हराकर एएचएफ जूनियर पुरुष एशिया कप 2026 के फाइनल में प्रवेश कर लिया। भारत अब लगातार चौथी बार खिताब जीतने से सिर्फ एक जीत दूर है। भारत की जीत में कप्तान और ड्रैग फ्लिकर अनमोल एक्का ने अहम भूमिका निभाई। उन्होंने पेनल्टी कॉर्नर पर दो गोल किए और टूर्नामेंट में अपने गोलों की संख्या 16 तक पहुंचा दी। अनमोल फिलहाल टूर्नामेंट के शीर्ष स्कोरर हैं। गोलकीपर विवेक लाकड़ा भी भारत की जीत के नायक रहे। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। उन्होंने कई शानदार बचाव किए और 53वें मिनट में मलेशिया को मिले पेनल्टी स्ट्रोक को भी बेहतरीन अंदाज में रोककर भारत की बढ़त कायम रखी।

भारत ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया। अजीत यादव ने शुरुआती दो मिनट में दो बार गोल करने के मौके बनाए। भारत को पहले क्वार्टर में तीन पेनल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन मलेशियाई गोलकीपर अम्स्यार मोहामद आदिब ने शानदार बचाव करते हुए टीम को संकट से बाहर रखा। पहला क्वार्टर गोलरहित रहा। भारत ने 16वें मिनट में मिले चौथे पेनल्टी कॉर्नर पर खाता खोला। कप्तान अनमोल एक्का ने जोरदार और नीची ड्रैग फ्लिक लगाकर गेंद को गोल में पहुंचाया और भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई। मलेशिया ने बराबरी की कोशिश की, लेकिन विवेक लाकड़ा और भारतीय रक्षापंक्ति ने लगातार उसके हमलों को नाकाम किया। तीसरे क्वार्टर में लाकड़ा ने शानदार डबल सेव किया। इस दौरान भारत को दो बार 10 खिलाड़ियों के साथ भी खेलना पड़ा, लेकिन मलेशिया इसका फायदा नहीं उठा सका। चौथे क्वार्टर में भारत ने अपनी बढ़त मजबूत की। 51वें मिनट में सुखविंदर ने शानदार मूव को गोल में बदलकर स्कोर 2-0 कर दिया। इसके दो मिनट बाद लाकड़ा ने पेनल्टी स्ट्रोक रोककर मलेशिया को वापसी का मौका नहीं दिया। 54वें मिनट में भारत को पेनल्टी कॉर्नर मिला। मलेशिया ने वीडियो रेफरल लिया, लेकिन रेफरल गंवा दिया और पेनल्टी कॉर्नर बरकरार रहा। अनमोल ने एक बार फिर शानदार ड्रैग फ्लिक लगाकर भारत की बढ़त 3-0 कर दी। अंतिम मिनटों में मलेशिया ने लगातार पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए, लेकिन लाकड़ा और भारतीय डिफेंस ने मजबूती से मुकाबला किया। 58वें मिनट में लाकड़ा ने एक और शानदार डाइव लगाकर गोल बचाया। हालांकि, मैच खत्म होने से 24 सेकंड पहले मलेशिया को आठवां पेनल्टी कॉर्नर मिला और एम राहुल ने गोल कर स्कोर 1-3 कर दिया।

यूएस ओपन : राइबाकिना ने गॉफ को हराया, सबालेंका से होगा खिताबी मुकाबला

न्यूयॉर्क,एजेंसी। कजाखस्तान की स्टार टेनिस खिलाड़ी एलेना राइबाकिना ने शुक्रवार को कड़े मुकाबले में घरेलू पसंदीदा कोको गॉफ को 3-6, 6-4, 6-4 से हराकर यूएस ओपन 2026 महिला एकल के फाइनल में प्रवेश कर लिया। अब खिताबी मुकाबले में उनका सामना गत चैंपियन आर्यना सबालेंका से होगा। दूसरी वरीय राइबाकिना इस जीत के साथ यूएस ओपन के बाद दुनिया की नई नंबर एक खिलाड़ी बनना सुनिश्चित कर चुकी हैं। उन्होंने सबालेंका को पीछे छोड़ते हुए शीर्ष रैंकिंग हासिल की है। हालांकि, अपना तीसरा ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने के लिए उन्हें फाइनल में सबालेंका की चुनौती से पार पाना होगा। राइबाकिना ने मैच के बाद कहा, 'मुझे पहले सेट में लगा कि यह बहुत अच्छी शुरुआत थी और सिर्फ एक ब्रेक का अंतर था, लेकिन निश्चित रूप से दबाव था। कोको शानदार खिलाड़ी हैं और उनके खिलाफ खेलना हमेशा मुश्किल होता है। रैलियों को नियंत्रित करना बहुत कठिन होता है। मैंने बस गहरी सांस ली और खुद से सकारात्मक बातें कीं, ताकि अच्छा टेनिस खेलने की कोशिश कर सकूं।

गॉफ ने मुकाबले की शुरुआत आक्रामक अंदाज में की और कजाख खिलाड़ी पर दबाव बनाए रखा। छठे

गेम में उन्होंने राइबाकिना की सर्विस तोड़कर बढ़त हासिल कर ली और पहला सेट 6-3 से अपने नाम किया। दूसरे सेट में गॉफ का स्तर थोड़ा गिरा और उनकी कुछ गलतियों का राइबाकिना ने फायदा उठाया। राइबाकिना ने लगातार दबाव बनाते हुए सेट 6-4 से जीत लिया और मुकाबले को निर्णायक सेट में पहुंचा दिया। निर्णायक सेट में राइबाकिना ने एक अतिरिक्त गियर हासिल किया और सर्विस ब्रेक करके 5-3 की बढ़त बना ली। गॉफ ने तुरंत वापसी करते हुए उनकी सर्विस तोड़ी, लेकिन राइबाकिना ने अगले गेम में फिर ब्रेक हासिल किया और अपनी सर्विस बरकरार रखते हुए मैच अपने नाम कर लिया। गॉफ की हार के साथ इस साल किसी भी अमेरिकी महिला या पुरुष खिलाड़ी के ग्रैंड स्लैम फाइनल में पहुंचने का सिलसिला भी समाप्त हो गया। यह 2006 के बाद पहली बार है, जब किसी अमेरिकी खिलाड़ी ने साल के किसी भी ग्रैंड स्लैम के फाइनल में जगह नहीं बनाई है।

डीडीसीए ने क्लबों और खिलाड़ियों को बांटी 1.43 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि, महिला क्रिकेट को भी मिला बढ़ावा

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) ने अरुण जेटली स्टेडियम में 2025-26 सत्र के लिए वार्षिक पुरस्कार वितरित किये। समारोह में पूरे सत्र के दौरान डीडीसीए की विभिन्न प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन करने वाले क्लबों और खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। समारोह में डीडीसीए अध्यक्ष रोहन जेटली, सचिव अशोक शर्मा, उपाध्यक्ष शिखा कुमार, कोषाध्यक्ष हरीश सिंगला और संयुक्त सचिव अमित ग्रोवर समेत अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

डीडीसीए ने 2025-26 सत्र के लिए सभी श्रेणियों में पुरस्कार राशि में 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी की। इसके तहत कुल 1 करोड़ 43 लाख 20 हजार 500 रुपये की पुरस्कार राशि वितरित की गई। महिला क्रिकेट को बढ़ावा देने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए डीडीसीए ने महिला टी-20 लीग में हिस्सा लेने वाले सभी क्लबों के लिए पुरस्कार राशि शुरू की। महिला टी-20 लीग के प्रत्येक 10 समूह में विजेता टीम को 2 लाख रुपये और उपविजेता टीम को 1.75 लाख रुपये की पुरस्कार राशि दी गई। डीडीसीए ने इसे महिला क्रिकेट में अधिक भागीदारी और प्रतिस्पर्धा को प्रोत्साहित करने की दिशा में अहम पहल बताया। डीडीसीए अध्यक्ष रोहन जेटली ने कहा, 'डीडीसीए जमीनी स्तर से लेकर उच्चतम स्तर की प्रतियोगिताओं तक दिल्ली क्रिकेट को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। खिलाड़ियों और टीमों के प्रदर्शन को पहचानना और उन्हें पुरस्कृत करना इस प्रतिबद्धता का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इससे खिलाड़ियों और टीमों को बेहतर प्रदर्शन करने तथा नई ऊंचाइयों को हासिल करने के लिए प्रोत्साहन

मिलता है। साथ ही, हम महिला क्रिकेट के लिए मजबूत अवसर और रास्ते तैयार करने पर भी ध्यान दे रहे हैं, ताकि सभी वर्गों के खिलाड़ियों को आगे बढ़ने के लिए आवश्यक समर्थन और अवसर मिल सकें। सचिव अशोक शर्मा ने कहा, 'दिल्ली क्रिकेट की नींव जमीनी स्तर पर तैयार होती है और हमारी जिम्मेदारी है कि युवा क्रिकेटरों को शुरुआत से ही सही प्रोत्साहन मिले। ये पुरस्कार और सम्मान केवल खिलाड़ियों की उपलब्धियों की पहचान नहीं हैं, बल्कि उन्हें आगे भी कड़ी मेहनत करने और उच्च स्तर तक पहुंचने के लिए प्रेरित करते हैं। विभिन्न श्रेणियों में प्रतियोगिताओं को मजबूत करने और प्रदर्शन को सम्मान देने से हम दिल्ली के क्रिकेटरों की अगली पीढ़ी को तैयार करने में मदद कर रहे हैं। डीडीसीए की उपाध्यक्ष शिखा कुमार ने महिला टी-20 लीग में सभी क्लबों के लिए पुरस्कार राशि शुरू किए जाने को महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने कहा, 'महिला क्रिकेट को वह पहचान और प्रोत्साहन देना जरूरी है जिसकी वह हकदार है। हम चाहते हैं कि अधिक से अधिक महिला क्रिकेटरों को अपने लिए एक स्पष्ट रास्ता दिखाई दे और उन्हें महसूस हो कि उनके प्रदर्शन और योगदान को महत्व दिया जाता है। सभी 10 समूहों के लिए वित्तीय सहयोग बढ़ाने से भागीदारी और प्रतिस्पर्धा को प्रोत्साहन मिलेगा तथा दिल्ली में महिला क्रिकेट के निरंतर विकास के लिए मजबूत आधार तैयार होगा।'

एशियाई खेलों की तैयारी, गुवाहाटी में लगा नेपाल के मुक्केबाजों का प्रशिक्षण शिविर

गुवाहाटी,एजेंसी। भारत-नेपाल खेल संबंधों को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल के तहत भारतीय खेल प्राधिकरण के गुवाहाटी स्थित राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र में नेपाल की मुक्केबाजी टीम का उच्च प्रदर्शन प्रशिक्षण शिविर लगाया गया है। यह शिविर जापान में होने वाले आइची-नागोया एशियाई खेलों से पहले नेपाल के खिलाड़ियों को भारत की उच्चस्तरीय खेल सुविधाओं और प्रशिक्षण व्यवस्था का लाभ उपलब्ध करा रहा है। नेपाल के सात मुक्केबाज और दो प्रशिक्षक 10 अगस्त से भारतीय खेल प्राधिकरण के गुवाहाटी केंद्र में प्रशिक्षण ले रहे हैं और 15 सितंबर तक यहां रहेंगे। इसके बाद टीम एशियाई खेलों के लिए जापान रवाना होगी।

एशियाई खेलों का आयोजन 19 सितंबर से होगा। नेपाल मुक्केबाजी महासंघ ने संयुक्त प्रशिक्षण और मैत्रीपूर्ण मुकाबलों के लिए भारतीय खेल प्राधिकरण के गुवाहाटी केंद्र में प्रशिक्षण का औपचारिक अनुरोध किया था। शुक्रवार को भारतीय खेल प्राधिकरण गुवाहाटी में आयोजित प्रेस वार्ता में राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र के प्रशिक्षक नरेंद्र राणा, भारतीय मुक्केबाज अंकुशिता बोरो, नेपाल मुक्केबाजी टीम के मुख्य प्रशिक्षक राज श्रेष्ठ, 51 किलोग्राम वर्ग की नेपाली मुक्केबाज रमिशा श्रेष्ठ और भारतीय खेल प्राधिकरण गुवाहाटी के कार्यकारी निदेशक डीके मित्तल मौजूद रहे। डीके मित्तल ने कहा, 'नेपाल मुक्केबाजी टीम गुवाहाटी के राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र में

व्यवस्थित प्रशिक्षण और कोचिंग ले रही है। इस तरह के खेल आदान-प्रदान भारत और नेपाल के बीच संबंधों को मजबूत करने तथा मित्रता, सहयोग और आपसी समझ को बढ़ावा देने में मदद करते हैं। खेल भारत और नेपाल के लोगों को जोड़ने वाला एक शक्तिशाली माध्यम है। नेपाल के खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय खेल दिवस समारोह में भी हिस्सा लिया और भारतीय खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों तथा कर्मचारियों के साथ मिलकर कार्यक्रम में भाग लिया। इसके अलावा उन्होंने केंद्र में आयोजित शिक्षक दिवस समारोह में भी हिस्सा लिया। इन गतिविधियों के माध्यम से नेपाली खिलाड़ियों को प्रशिक्षण से इतर भारतीय खेल समुदाय के साथ जुड़ने और एकजुटता की भावना का अनुभव करने का अवसर मिला। नेपाल की टीम में रमिशा श्रेष्ठ (51 किग्रा), अस्मिता दुवाल (54 किग्रा), कुसुम तामांग (65 किग्रा), चंद्र बहादुर थापा (55 किग्रा), खगेन्द्र रोका मगर (60 किग्रा), दान बहादुर दर्लामी (70 किग्रा) और रबिन नेपाल (90 किग्रा) शामिल हैं। टीम के साथ प्रशिक्षक राज श्रेष्ठ और दीपक महार्जन भी हैं। नेपाली मुक्केबाजों को भारतीय खेल प्राधिकरण के मुक्केबाजी प्रशिक्षकों नरेंद्र राणा, त्रिदीप बोरा और प्रणामिका बोरा के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। शिविर में तकनीकी विकास, शारीरिक क्षमता, रणनीतिक तैयारी और प्रतियोगिता के लिए मानसिक एवं खेल तैयारी पर ध्यान दिया जा रहा है। खिलाड़ियों को केंद्र में प्रशिक्षण, कोचिंग, आवास और भोजन की सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

आईएसएसओ शतरंज खेलों का अहमदाबाद में आगाज, प्रज्ञानानंद और हर्ष सांघवी ने युवा खिलाड़ियों का बढ़ाया उत्साह

अहमदाबाद,एजेंसी। अदाणी इंटरनेशनल स्कूल, अहमदाबाद में आईएसएसओ शतरंज खेलों का शुक्रवार को आगाज हुआ। दो दिवसीय प्रतियोगिता में देशभर के 102 इंटरनेशनल स्कूलों के 427 युवा खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। प्रतियोगिता 11 और 12 सितंबर को आयोजित की जा रही है।

प्रतियोगिता में अंडर-11, अंडर-14, अंडर-17 और अंडर-19 आयु वर्ग में लड़कों और लड़कियों के अलग-अलग मुकाबले हो रहे हैं। इन खेलों के जरिए विद्यार्थियों को देशभर के अपने हमउम्र खिलाड़ियों के साथ प्रतिस्पर्धा करने और राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिल रहा है। उद्घाटन के मौके पर भारतीय ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंद भी मौजूद रहे। उन्होंने युवा खिलाड़ियों से मुलाकात की और उन्हें आत्मविश्वास तथा उत्साह के साथ प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए प्रोत्साहित किया। प्रज्ञानानंद के साथ गुजरात के उपमुख्यमंत्री हर्ष सांघवी ने भी प्रतियोगिता में पहुंचकर खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया और युवा प्रतिभाओं को प्रतिस्पर्धी खेलों के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के महत्व पर जोर दिया। हर्ष सांघवी ने कहा, 'प्रतिभाओं की शुरुआती पहचान करना और स्कूल स्तर पर उन्हें निखारने तथा विकसित करने के लिए सही मंच उपलब्ध कराना भारत के खेल भविष्य के निर्माण के लिए महत्वपूर्ण है। आईएसएसओ शतरंज खेल जैसी प्रतियोगिताएं युवा खिलाड़ियों को प्रतिस्पर्धा करने, अनुभव हासिल करने और अपने खेल सफर में अगले कदम की ओर बढ़ने का अवसर देती हैं। ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंद ने कहा, 'यह देखकर बहुत अच्छा लग रहा है कि देशभर के स्कूलों से इतने युवा खिलाड़ी एक साथ आए हैं और उन्हें इस स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने का अवसर मिल रहा है। इस तरह की प्रतियोगिताएं युवा खिलाड़ियों को दबाव में अपना खेल विकसित करने और प्रतिस्पर्धी माहौल में खुद को ढालने में मदद करती हैं। मैं उम्मीद करता हूं कि सभी खिलाड़ी इस अनुभव का आनंद लेंगे, हर मुकाबले से सीखेंगे और कड़ी मेहनत करते हुए शतरंज के प्रति अपने जुनून को आगे बढ़ाएंगे। मैं यहां उनका उत्साह बढ़ाने के लिए आकर खुश हूं और सभी को शुभकामनाएं देता हूं। दो दिवसीय प्रतियोगिता में चार आयु वर्गों में लड़कों और लड़कियों के अलग-अलग मुकाबले आयोजित किए जा रहे हैं। प्रतियोगिता का उद्देश्य युवा खिलाड़ियों में रणनीतिक सोच, एकाग्रता, निर्णय लेने की क्षमता और चुनौतियों से जूझने की क्षमता विकसित करने के साथ-साथ उन्हें उच्च स्तर की अंतर-स्कूल प्रतियोगिता का अनुभव देना है। आईएसएसओ की संस्थापक आकांक्षा थपक ने कहा, '102 स्कूलों के 427 खिलाड़ियों की भागीदारी स्कूल स्तर पर प्रतिस्पर्धी शतरंज में बढ़ती रुचि को दर्शाती है। ग्रैंडमास्टर प्रज्ञानानंद का खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाने के लिए हमारे बीच मौजूद रहना इस आयोजन के उद्घाटन को और खास बनाता है। हम आईएसएसओ और युवा छात्रों के लिए सार्थक खेल अवसर उपलब्ध कराने के प्रयासों में लगातार सहयोग के लिए अदाणी समूह के आभारी हैं।'

नेपाल में बाढ़ के बाद पुनर्निर्माण के लिए 7.23 लाख करोड़ रुपये की जरूरत का अनुमान

काठमांडू,एजेंसी। पिछले माह 26 अगस्त को तिब्बत से भोटेकोशी नदी में आई विनाशकारी बाढ़ से हुए नुकसान के बाद पुनर्निर्माण और पुनर्स्थापना के लिए 7.23 लाख करोड़ नेपाली रुपये की जरूरत होने का अनुमान लगाया गया है। सरकार की रैपिड डैमेज एंड नीड्स असेसमेंट (आडीएनए) रिपोर्ट के अनुसार, भोटेकोशी बाढ़ से क्षतिग्रस्त भौतिक बुनियादी ढांचे के पुनर्निर्माण के लिए 7 खरब 23 अरब 31 करोड़ 52 लाख रुपये की आवश्यकता होगी। अब तक 1,377 लोगों की जान ले चुकी इस विनाशकारी बाढ़ ने रसुवा, नुवाकोट और धादिंग समेत कई क्षेत्रों में भारी तबाही मचाई है। बाढ़ में लोगों के घर, खेत, कारोबार, सड़कें, पुल, ड्राई पोर्ट, मालवाहक कंटेनर और सीमा नाके पर पहुंचे वाहन तक बह गए। राष्ट्रीय योजना आयोग और राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण तथा प्रबंधन प्राधिकरण समेत विभिन्न निकायों की संयुक्त तकनीकी टीम ने यह प्रारंभिक आकलन तैयार किया है। रिपोर्ट के मुताबिक, आपदा से सबसे ज्यादा प्रभावित बुनियादी ढांचा क्षेत्र के पुनरुद्धार के लिए 4 खरब 3 अरब 57 करोड़ 19 लाख रुपये की जरूरत होगी, जो कुल पुनरुद्धार आवश्यकता का करीब 75 प्रतिशत है।

ऊर्जा क्षेत्र को सबसे ज्यादा नुकसान: बाढ़ से ऊर्जा और सड़क बुनियादी ढांचे को व्यापक नुकसान पहुंचा है। 759 मेगावाट

क्षमता वाली 13 जलविद्युत परियोजनाएं और 24 मेगावाट क्षमता के 5 सौर संयंत्र प्रभावित हुए हैं। ऊर्जा और ग्रिड प्रणाली के पुनरुद्धार के लिए अकेले 3 खरब 90 अरब 62 करोड़ 30 लाख 40 हजार रुपये की आवश्यकता होने का अनुमान है। इसी तरह 69 किलोमीटर सड़कें क्षतिग्रस्त हुई हैं। 33 मोटरेबल पुल बह गए, जबकि चार पुलों को आंशिक नुकसान पहुंचा है। बाढ़ प्रभावित क्षेत्र के 64 झूला पुलों में से 53 क्षतिग्रस्त हुए हैं। पूरे परिवहन बुनियादी ढांचे के पुनरुद्धार के लिए 73 अरब 34 करोड़ 29 लाख 60 हजार रुपये की जरूरत होगी। 7,570 निजी घर क्षतिग्रस्त: बाढ़ ने सामाजिक और उत्पादन क्षेत्रों को भी भारी नुकसान पहुंचाया है।

रसुवा, नुवाकोट, धादिंग, गोरखा और चितवन में 7,570 निजी घर क्षतिग्रस्त हुए हैं। इसके अलावा 48 सरकारी भवन, 18 स्कूल, 7 स्वास्थ्य संस्थान और 30 सांस्कृतिक विरासत स्थल प्रभावित हुए हैं। इन क्षेत्रों के पुनर्निर्माण और पुनर्स्थापना के लिए 1 खरब 3 अरब 54 करोड़ 99 लाख रुपये की जरूरत होगी। व्यापार, व्यवसाय, बैंकिंग और कृषि समेत उत्पादक क्षेत्र के पुनरुद्धार के लिए 50 अरब 77 करोड़ 49 लाख रुपये की आवश्यकता होने का अनुमान है। इस क्षेत्र में 1,806 हेक्टेयर कृषि फसल, 17 बैंक शाखाएं और 4,800 व्यावसायिक प्रतिष्ठान प्रभावित हुए हैं। पांच जिलों के 15 प्रभावित स्थानीय निकायों में से केवल नुवाकोट के विदुर नगरपालिका क्षेत्र में 3,026 घर क्षतिग्रस्त हुए हैं। रिपोर्ट में आपदा जोखिम न्यूनीकरण और नदी प्रबंधन के लिए 94 अरब 75 करोड़ 31 लाख रुपये, जबकि कीचड़ और मलबा प्रबंधन के लिए 51 करोड़ 54 लाख रुपये की जरूरत बताई गई है। दो चरण में होगा पुनर्निर्माण: रिपोर्ट के अनुसार पुनर्निर्माण को दो चरणों में बांटा गया है। अगले छह महीनों में तत्काल राहत और अल्पकालीन पुनर्निर्माण के लिए 8 अरब 73 करोड़ 50 लाख रुपये खर्च होने का अनुमान है। वहीं दीर्घकालीन पुनर्निर्माण के लिए 7 खरब 14 अरब 58 करोड़ 2 लाख रुपये की आवश्यकता होगी। राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण तथा प्रबंधन प्राधिकरण के वरिष्ठ डिविजनल इंजीनियर और समिति के सदस्य सुशील कुमार श्रेष्ठ ने बताया कि संबंधित मंत्रालयों, विभागों और निकायों से आंकड़े और विवरण जुटाकर उनका विश्लेषण किया गया है। इसके आधार पर नुकसान और पुनर्निर्माण के लिए आवश्यक संसाधनों की प्रारंभिक रिपोर्ट तैयार की गई है।

पीडीएनए प्रक्रिया शुरू, तीन महीने में रिपोर्ट आने की उम्मीद: सरकार ने आपदा के बाद पुनर्निर्माण और पुनर्स्थापना के लिए पोस्ट-डिजास्टर नीड्स असेसमेंट (पीडीएनए) प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। राष्ट्रीय योजना आयोग ने इसकी प्रक्रिया आगे बढ़ा दी है। आयोग के प्रवक्ता हरिशरण पुडासैनी के अनुसार, करीब तीन महीने में पीडीएनए रिपोर्ट तैयार हो सकती है। फिलहाल आयोग प्रश्नावली तैयार करने और फील्ड में जाकर विस्तृत अध्ययन करने की तैयारी कर रहा है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय आपदा प्राधिकरण की ओर से प्रारंभिक चरण का रैपिड डैमेज एंड लॉस असेसमेंट पूरा कर रिपोर्ट तैयार की जा चुकी है। अब उसी के आधार पर विस्तृत रिपोर्ट तैयार की जाएगी।

किस क्षेत्र के लिए कितनी राशि चाहिए?

-ऊर्जा और ग्रिड प्रणाली: 3 खरब 90 अरब 62 करोड़ 30 लाख 40 हजार रुपये।

-परिवहन बुनियादी ढांचा: 73 अरब 34 करोड़ 29 लाख 60 हजार रुपये।

-निजी घर, सार्वजनिक भवन, स्कूल, स्वास्थ्य संस्थान और सांस्कृतिक विरासत: 1 खरब 3 अरब 54 करोड़ 99 लाख रुपये।

-व्यापार, व्यवसाय, बैंक और कृषि सहित उत्पादक क्षेत्र: 50 अरब 77 करोड़ 49 लाख रुपये।

-आपदा जोखिम न्यूनीकरण और नदी प्रबंधन: 94 अरब 75 करोड़ 31 लाख रुपये।

-कीचड़ और मलबा प्रबंधन: 51 करोड़ 54 लाख रुपये।

एक नजर

नेपाल में विनाशकारी बाढ़ से करीब डेढ़ लाख नागरिकों के प्रभावित होने का अनुमान

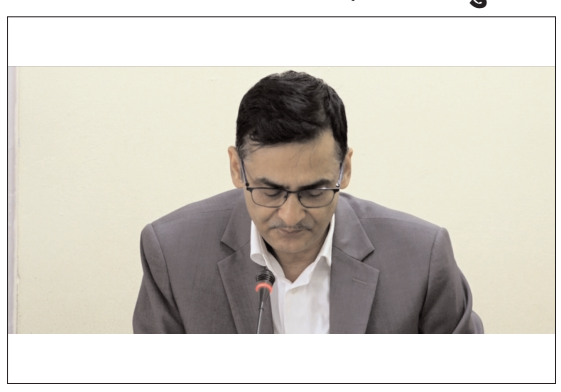

काठमांडू,एजेंसी। नेपाल में आई विनाशकारी बाढ़ से रसुवा, नुवाकोट और धादिंग समेत विभिन्न जिलों में करीब डेढ़ लाख नागरिकों के सीधे तौर पर प्रभावित होने का प्रारंभिक अनुमान लगाया गया है। संसद की शिक्षा, स्वास्थ्य तथा सूचना प्रौद्योगिकी संसदीय समिति की बैठक में शुक्रवार को स्वास्थ्य सचिव डॉ. विकास देवकोटा ने यह आंकड़ा प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि बागमती प्रदेश सरकार और मंत्रालय के विभिन्न तंत्रों के माध्यम से जुटाई गई जानकारी के आधार पर प्रभावित आबादी का अनुमान लगाया गया है। सचिव देवकोटा ने समिति को जानकारी दी कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों से बचाकर होल्डिंग सेंटरों में रखे गए लोगों में से 25 लोगों को दस्त की शिकायत हुई है। हालांकि, सांसदों के सवालों का जवाब देते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि दस्त के अलावा अब तक किसी गंभीर महामारी या अन्य गंभीर बीमारी के संक्रमण की सूचना नहीं मिली है।

अपर त्रिशूली हाइड्रोपावर परियोजना में 545 लोग अब भी लापता, सुरंग और हेडबॉक्स में तलाश जारी

काठमांडू,एजेंसी। बाढ़ से क्षतिग्रस्त अपर त्रिशूली जलविद्युत परियोजना में लापता लोगों की तलाश आज भी जारी है। परियोजना प्रबंधन के अनुसार, सुरंग और हेडबॉक्स में लापता लोगों की खोज की जा रही है। खोज अभियान में नेपाली सेना, नेपाल ड्रोन एसोसिएशन, कोरियाई टीम और शेरपाओं सहित विभिन्न टीमें शामिल हैं। इसके अलावा प्रशिक्षित सर्च डॉग को भी अभियान में लगाया गया है। परियोजना के अनुसार, बाढ़ आने से पहले आयोजनास्थल पर कुल 1,433 कर्मचारी कार्यरत थे, जिनमें से अब तक 878 लोगों को बचाया जा चुका है। फिलहाल परियोजना में 545 लोग लापता हैं। इनमें 9 दक्षिण कोरियाई, 34 चीनी और 50 भारतीय नागरिक शामिल हैं। बाकी लापता लोग नेपाली नागरिक हैं।

श्रीलंका में ग्रेनेड हमले में दो बच्चों की मौत

कोलंबो। श्रीलंका के पश्चिमी प्रांत के कोलंबो जिले के देहिवला माउंट लाविनिया के कावडान में आज सुबह सिरिसंगाबो रोड पर स्थित एक घर पर हुए हैंड ग्रेनेड हमले में दो बच्चों की मौत हो गई। पुलिस ने एक बच्चे की आयु 10 वर्ष और दूसरे की 14 वर्ष बताई है। द मिरर अखबार के अनुसार, पुलिस ने बताया कि 10 साल के बच्चे की मौत कलुबोविला टीचिंग हॉस्पिटल में भर्ती होने के कुछ ही देर बाद हो गई, जबकि उसके 14 साल के भाई की मौत इलाज के दौरान हुई। इस धमाके में उनके 52 साल के पिता और दो अन्य बच्चे भी गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें भी अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने बताया कि पिता का इलाज चल रहा है। ग्रेनेड हमले के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है।

कांगो में लगी आग में 27 बच्चों की मौत, दो स्कूल, 300 घर राख

किंशासा (कांगो)। अफ्रीकी देश कांगो के पूर्वी हिस्से में स्थित बुकावु शहर में लगी आग में कम से कम 27 बच्चों (19 लड़कियां और 8 लड़के) की मौत हो गई । आग में 300 घर और दो स्कूल राख हो गए। सुद-किवु प्रांत की राजधानी बुकावु पर रवांडा की सेना और उसके एम23 मिलिशिया का कब्जा है। कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य की आधिकारिक सरकारी समाचार एजेंसी 'एजेंस कांगोलीज डी प्रेसे (एसीपी)' की 10 सितंबर को प्रसारित रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। एसीपी ने कहा कि अस्पताल और स्कूल के सूत्रों से मिली शुरुआती जानकारी के अनुसार, 29 लोग घायल भी हुए हैं। इनमें से 17 का इलाज कदुतु जनरल हॉस्पिटल में और 12 का कदुतु प्रोविंशियल जनरल रेफरल हॉस्पिटल में चल रहा है। स्कूल के सूत्रों के अनुसार, 300 से ज्यादा घरों में आग लगा दी गई। दो स्कूल - बागीरा कम्यून में ईपी मोसाला और कदुतु कम्यून में ईपी नोंगों भी प्रभावित हुए हैं। आग कैसे लगी, इसके सही कारणों का तुरंत पता नहीं चल सका। सूत्रों ने बताया कि आग तीन सड़कों - काशेके, लुगुलु और एलिला तक फैल गई है। मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है। एक स्थानीय निवासी ने कहा, 'हमें नहीं पता कि बुकावु में क्या हो रहा है। एक महीने के अंदर आग लगने की 18 घटनाओं में 50 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। हमें सरकार की मदद की जरूरत है।

बलोच लिबरेशन आर्मी ने जियारत क्रॉस हमले का वीडियो जारी किया

क्वेटा,एजेंसी। पाकिस्तान के बलोचिस्तान में स्वतंत्रता समर्थक सशस्त्र संगठन बलोच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने तीन सितंबर को पशिन के जियारत क्रॉस में पाकिस्तान की सेना और एक निर्माण कंपनी पर किए गए हमलों का वीडियो अपने ऑफिशियल चैनल हुकल पर जारी किया है। वीडियो के शुरुआती दृश्य में बीएलए की महत्वपूर्ण शाखा 'फतह स्क्वायड' के कमांडरों को सैन्य अनुसासन के साथ दिखाया गया है। सभी कमांडरों को अत्याधुनिक हथियारों और खास यूनिफॉर्म में दिखाया गया है।

द बलोचिस्तान पोस्ट की 10 सितंबर को प्रसारित रिपोर्ट के अनुसार, सात मिनट के इस वीडियो में, इन कमांडरों को भारी हथियारों और रॉकेट से पाकिस्तान की सेना के काफिले को निशाना बनाते देखा जा सकता है। वीडियो में सेनाके जवानों के शव भी दिखाए गए हैं। बीएलए के अनुसार,तीन सितंबर को फतेह स्क्वायड ने जियारत क्रॉस पशिन में पाकिस्तान की सेना के काफिले को निशाना बनाया। इस दौरान किला सैफुल्लाह स्काउट्स और एफसी 134 विंग की चार गाड़ियों पर हमला किया गया। हमले में आर्मी के एक ट्रक समेत दो गाड़ियां तबाह हो गईं। बीएलए के मुताबिक, हमले में 18 पाकिस्तानी आर्मी के जवान मारे गए और उनके सारे हथियार जब्त कर लिए गए। बीएलए के अनुसार, इसके बाद जियारत क्रॉस के पास खानीबाबा में एक निर्माण कंपनी की साइट पर कब्जा कर गाड़ियों समेत 14 भारी मशीनरी को नष्ट कर दिया। दोनों घटनाओं की पाकिस्तान की सेना पुष्टि कर चुकी है।

नेपाल में भोटेकोशी बाढ़ की तबाही का दर्द, 16 दिन से लापता इंजीनियर के परिवार का कुश के शव बनाकर किया अंतिम संस्कार

काठमांडू,एजेंसी। नेपाल में भोटेकोशी बाढ़ की तबाही ने एक परिवार को ऐसा गहरा जख्म दिया है, जिसे शब्दों में बयां करना मुश्किल है। 16 दिनों तक तलाश के बाद भी जब इंजीनियर दंपति और उनके चार साल के जुड़वां बच्चों का कोई पता नहीं चला, तो परिवार ने चारों को मृत मानकर हिंदू परंपरा के अनुसार कुश के शव बनाकर अंतिम संस्कार कर दिया।

त्रिशूली-3 'बी' जलविद्युत परियोजना में इंजीनियर के रूप में कार्यरत बागलुंग नगरपालिका निवासी 33 वर्षीय राजेश शर्मा पौडेल और उनकी 31 वर्षीय पत्नी प्रमिला पाठक बाढ़ के बाद से लापता थे। उनके साथ उनके चार वर्षीय जुड़वां बच्चे बेटा आदित्य और बेटी अदिति भी लापता हैं। परिवार ने गुरुवार यानी को चारों के कुश के शव बनाकर अंतिम संस्कार किया। राजेश अपने माता-पिता के इकलौते बेटे थे। 16 दिनों तक अपने बेटे, बहू और दोनों पोते-पोती के लौटने की उम्मीद लगाए बैठे परिवार को आखिरकार भारी मन से यह कदम उठाना पड़ा। राजेश और प्रमिला दोनों सिविल इंजीनियर थे और त्रिशूली-3 'बी' हाइड्रोपावर परियोजना में काम कर रहे थे। दोनों ने काठमांडू इंजीनियरिंग कॉलेज से पढ़ाई पूरी की थी और वर्ष 2020 में शादी की थी। शादी के करीब दो साल बाद अक्टूबर 2022 में उनके घर जुड़वां बच्चों आदित्य और अदिति का जन्म हुआ था। बाढ़ के बाद पूरा परिवार लापता हो गया, लेकिन 16 दिन की लगातार तलाश के बावजूद चारों का कोई सुराग नहीं मिला। आखिरकार परिवार ने उम्मीदों के टूटने के बाद हिंदू रीति-रिवाज के अनुसार

उनका अंतिम संस्कार कर दिया।

बागलुङके 16 लोग अब भी लापता

जिला पुलिस कार्यालय के अनुसार बागलुङ जिले से अभी भी 16 लोग लापता हैं। इनमें तमानखोला गाउँपालिका के 9, ढोरपाटन नगरपालिका के 2, गलकोट नगरपालिका का 1 और त्रिशूली-3 'बी' परियोजना में कार्यरत बागलुङ नगरपालिका के 4 लोग शामिल हैं।

कराची विश्वविद्यालय के प्रोफेसर साकी पर हमले का मुख्य संदिग्ध गिरफ्तार

कराची,एजेंसी। कराची विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉ. मोहम्मद आरिफ खान साकी और उनके भतीजे पर कथित हमले और उन्हें बंधक बनाने के मामले में पुलिस ने मुख्य संदिग्ध को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने गिरफ्तार संदिग्ध की पहचान सैयद मोहम्मद कोनैन शाह के तौर पर की है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि शाह को जमानत मिलने के बावजूद गिरफ्तार किया गया। अंदेशा था कि वह शहर से भाग सकता है।

द न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, सैयद मोहम्मद कोनैन शाह की गिरफ्तारी तब हुई जब सीनेट की आंतरिक मामलों की स्थायी समिति के अध्यक्ष ने उसे पकड़ने में विफलता पर नारागगी जताई थी। शाह ने गुरुवार को मालिर की एक अतिरिक्त जिला और सत्र अदालत से अंतरिम जमानत हासिल की थी। अदालत ने उन्हें जांच में शामिल होने का निर्देश दिया था। यह मामला सफूराचौरंगी के पास हुई एक घटना से जुड़ा है। इस घटना में डॉ. साकी पर कथित तौर पर हमला किया गया था। यह हमला एक डबल कैबिन गाड़ी और उस ऑनलाइन टैक्सी की टक्कर के बाद हुआ। घटना के दौरान प्रोफेसर और उनके भतीजे को कथित तौर पर बंधक भी बनाया गया था। अब उम्मीद है कि पुलिस जांच के हिस्से के तौर पर शाह से पूछताछ करेगी और घटना में उनकी कथित भूमिका का पता लगाएगी। पुलिस ने पता लगाया कि

डॉ. साकी जिस गाड़ी में थे, उसे उनके भतीजे वहीदुर रहमान चला रहे थे। डॉ. साकी के अनुसार, डबल कैबिन गाड़ी पार्किंग क्षेत्र से बाहर आ रही थी, तभी उसके गार्ड ने टैक्सी को रुकने का इशारा किया। इसके बाद गाड़ी पीछे की ओर आई और टैक्सी से टकरा गई। प्रोफेसर ने कहा कि उन्होंने डबल-कैबिन गाड़ी में सवार लोगों से टक्कर से हुए नुकसान के लिए टैक्सी ड्राइवर को मुआवजा देने के लिए कहा। डॉ. साकी ने बताया कि इसके बाद होटल के मालिक का बेटा गाड़ी से बाहर निकला, दो गोलियां चलाईं और हवा में गोली चलाने से पहले पिस्तौल की बट से उन पर वार किया। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें और उनके भतीजे को होटल ले जाया गया, जहां उन्हें कथित तौर पर प्रताड़ित किया गया। पुलिस ने डॉ. साकी की शिकायत पर कोनैन और अन्य लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया। पुलिस ने इस घटना के सिलसिले में एक स्थानीय होटल के तीन कर्मचारियों को भी हिरासत में लिया और हमले में शामिल अन्य लोगों को गिरफ्तार करने की कोशिश शुरू कर दी। घटना के बाद सिंध प्रांत के गृहमंत्री जिया-उल-हसन लंजार ने प्रोफेसर के साथ कथित दुर्व्यवहार और उन्हें अवैध रूप से बंधक बनाए जाने के मामले में एसएसपी (ईस्ट) से विस्तृत रिपोर्ट मांगी। लंजार ने कहा कि हर हाल में शिक्षकों की गरिमा, सम्मान और सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने घटना में शामिल लोगों के खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई करने का वादा किया।

ईरान का होर्मुज में अमेरिकी 'सेलड्रोन' जहाज पर हमला, हूती के मोचा पर कब्जे से संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद चिंतित

तेहरान/वाशिंगटन। ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) का कहना है कि उसकी नौसेना ने होर्मुज जलडमरूमध्य में अमेरिका के 'सेलड्रोन टाइप' के बिना चालक वाले जहाज पर हमला उसके इरादों को विफल कर दिया। इस बीच ईरान के प्रबल समर्थक यमन के हूती विद्रोहियों ने लाल सागर के अहम शहर मोचा पर कब्जा कर लिया है। हूती के इस कदम से चिंतित संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने यमन में एक बैठक की है।

अल जजीरा और सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस सेंटर का कहना है कि उसे ओमान के तट के पास दो जहाजों पर प्रोजेक्टाइल (मिसाइल या रॉकेट जैसे हथियार) लगने की सूचना मिली है। उधर, यमन के हूती विद्रोहियों ने लाल सागर के अहम शहर मोचा पर कब्जा कर लिया है। इसके साथ ही हूती ने दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण व्यापारिक मार्गों में से एक रणनीतिक रूप से अहम बाब अल-मंदेब जलडमरूमध्य पर अपना नियंत्रण बढ़ा लिया है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने इस कब्जे के आलोक में यमन में एक बैठक की है। संयुक्त राष्ट्र में यमन सरकार के प्रतिनिधि ने कहा कि क्षेत्र में पड़ोसी देशों और नागरिकों के खिलाफ 'हूती आतंकवादी' समूह की आक्रामकता बढ़ गई है। सऊदी अरब के संयुक्त राष्ट्र प्रतिनिधि, अब्दुल अजीज अल-वासिल ने कहा कि उनका देश हूती के हमलों को रोकने के लिए सभी आवश्यक उपाय कर अपनी सुरक्षा की रक्षा करेगा। पाकिस्तान के संयुक्त राष्ट्र प्रतिनिधि ने कहा कि यमन में बढ़ते संघर्ष के व्यापक क्षेत्र के लिए संभावित रूप से दूरगामी परिणाम होंगे। उन्होंने त्वरित राजनयिक समाधान का आग्रह किया।

इसके बाद ईरान के विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी किया। उसने कहा कि यमन को 'दबाव, डराने-धमकाने और बेरहम घेराबंदी से मुक्त होकर सम्मानजनक जीवन जीने का अधिकार है। दुनिया को उसकी राष्ट्रीय संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का पूरा सम्मान करना चाहिए। ईरान की अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी तस्नीम में प्रसारित मंत्रालय के बयान में कहा गया कि लगातार घेराबंदी और सैन्य मदद से यमन से जुड़े मुद्दों का समाधान नहीं होगा। मंत्रालय ने यह भी कहा कि ईरान, यमन के हालात के संबंध में कूटनीतिक प्रयास करने के लिए तैयार है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को कहा कि ईरान मध्यावधि चुनाव को प्रभावित करने के लिए बेताब है। उन्होंने उम्मीद जताई कि मध्यावधि चुनाव के बाद तुरंत बाद संघर्ष खत्म हो जाएगा। उन्होंने पत्रकारों से कहा, 'मुझे लगता है कि चुनाव के तुरंत बाद युद्ध खत्म हो जाएगा, क्योंकि वे अब और ज्यादा समय तक टिक नहीं सकते।

एक नजर

केदारनाथ-बदरीनाथ धाम मार्ग को जोड़ने वाला पुल तैयार, लोड टेस्टिंग सफल

रुद्रप्रयाग,एजेंसी। जनपद रुद्रप्रयाग में केदारनाथ और बदरीनाथ धाम मार्ग को जोड़ने वाले निर्माणाधीन पुल का काम लगभग पूरा हो गया है। पुल की लोड टेस्टिंग भी सफलतापूर्वक पूरी कर ली गई है। बारिश के कारण कुछ अंतिम कार्य शेष हैं, जिन्हें मौसम अनुकूल होते ही पूरा किया जाएगा। पुल के निर्माण से दोनों प्रमुख धामों को जोड़ने वाली कनेक्टिविटी को और बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। निर्माण कार्य पूरा होने के बाद क्षेत्र में आवागमन सुगम होने के साथ तीर्थयात्रियों और स्थानीय लोगों को भी सुविधा मिलने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जारी एक पोस्ट में लिखा है कि,'उत्तराखंड में सड़क और पुलों के माध्यम से कनेक्टिविटी को लगातार मजबूत किया जा रहा है। इससे चारधाम यात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों के आवागमन को सुविधा मिलने के साथ स्थानीय स्तर पर रोजगार और आर्थिक गतिविधियों के अवसर भी बढ़ रहे हैं।' उन्होंने कहा कि बेहतर सड़क और पुल संपर्क से पर्वतीय क्षेत्रों में आवागमन सुगम होने के साथ पर्यटन और तीर्थाटन को भी बढ़ावा मिलेगा।

सुरक्षित डिजिटल भारत हमारी आवश्यकता : राज्यपाल

देहरादून,एजेंसी। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह ने शुक्रवार को यूपीईएस विश्वविद्यालय में आयोजित इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन एडवांसमेंट इन साइबर सिक्योरिटी एंड डिजिटल फॉरेंसिक्स-2026 में प्रतिभाग किया। यूपीईएस के स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस की ओर से आयोजित इस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में देश-विदेश के शोधकर्ता, साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ, उद्योग जगत के विशेषज्ञ और विद्यार्थी शामिल हुए। सम्मेलन में साइबर अपराध, बढ़ते साइबर खतरों और डिजिटल सुरक्षा से जुड़े विषयों पर चर्चा की गई। इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि आज डिजिटल तकनीक हमारे जीवन के लगभग हर क्षेत्र से जुड़ चुकी है। बैंकिंग, शिक्षा, स्वास्थ्य, संचार और शासन से लेकर उद्योग, ऊर्जा, परिवहन और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे तक डिजिटल प्रणालियों पर हमारी निर्भरता लगातार बढ़ रही है। ऐसे में डिजिटल भारत हमारी शक्ति है, लेकिन सुरक्षित डिजिटल भारत हमारी आवश्यकता है। राज्यपाल ने सम्मेलन के आयोजन के लिए यूपीईएस और सभी आयोजकों को बधाई देते हुए कहा कि साइबर सुरक्षा का सीधा संबंध देश की तकनीकी प्रगति, आर्थिक सुरक्षा, नागरिकों के विश्वास और राष्ट्रीय सुरक्षा से है। तकनीक की गति के साथ साइबर सुरक्षा की क्षमता भी बढ़नी चाहिए। उन्होंने कहा कि डिजिटल व्यवस्था में लोगों का विश्वास तभी कायम रहेगा, जब उन्हें अपने डेटा, पहचान, मेहनत की कमाई और देश की महत्वपूर्ण प्रणालियों की सुरक्षा का भरोसा होगा। डिजिटल फॉरेंसिक्स को साइबर सुरक्षा का महत्वपूर्ण स्तंभ बताते हुए राज्यपाल ने कहा कि अपराध का स्वरूप बदलने के साथ अपराध की जांच की पद्धति में भी बदलाव जरूरी है।

शंकराचार्य स्वामी निरंजनदेव तीर्थ महाराज ने सदैव देश और समाज को दिखाई एक नई दिशा : मुख्यमंत्री पेमा खांडू

मथुरा,एजेंसी। गोवर्धन मठ पुरी के ब्रह्मलीन शंकराचार्य स्वामी निरंजनदेव तीर्थ महाराज की 30वीं पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में दो दिवसीय महोत्सव का वैदिक मंत्रोच्चार के साथ शुक्रवार भव्य शुभारंभ हुआ। इस पावन अवसर पर अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने विशेष रूप से कार्यक्रम में शिरकत की और ब्रह्मलीन शंकराचार्य जी के चित्र पर माल्यार्पण कर विधि-विधान से पूजन व आरती की।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने गोवर्धन मठ पुरी के वर्तमान 145वें पीठाधीश्वर शंकराचार्य स्वामी अधोक्षजानंद देवतीर्थ महाराज के दर्शन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने उन्हें बौद्ध धर्म का पवित्र अंगवस्त्र खादा, मां तारा का छायाचित्र, विशेष हस्तशिल्प हाथी, राज्य सरकार के 10 वर्षों की उपलब्धियों पर आधारित पुस्तक तथा अरुणाचल प्रदेश सरकार का राजकीय स्मृति चिह्न भेंट किया। मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने कहा कि ब्रह्मलीन शंकराचार्य स्वामी निरंजनदेव तीर्थ महाराज ने सदैव देश और समाज को एक नई और सही दिशा दिखाने का महान कार्य किया है। आज वर्तमान शंकराचार्य स्वामी अधोक्षजानंद देवतीर्थजी महाराज भी उसी गौरवशाली परंपरा और सेवा भाव को पूरी निष्ठा के साथ आगे बढ़ा रहे हैं।

शनिवार होगी विशाल श्रद्धांजलि सभा

दो दिवसीय इस आयोजन के तहत शनिवार दोपहर 12 बजे एक विशाल श्रद्धांजलि सभा का

आयोजन किया जाएगा। इस सभा में सम्मिलित होकर पूज्य महाराज जी को नमन करने के लिए देश के कोने-कोने से श्रद्धालुओं के मथुरा पहुंचने का क्रम लगातार जारी है।

नेपाल की बाढ़ के बाद फंसे सिक्किम के सभी आठ नागरिक सकुशल घर लौटे

गंगटोक,एजेंसी। नेपाल की भोटेकोशी नदी में बीते 26 अगस्त को आई अचानक बाढ़ के बाद कुछ समय के लिए फंसे सिक्किम के सभी आठ नागरिक सकुशल सिक्किम स्थित अपने घर पहुंच गए हैं। नेपाल फ्लैश फ्लड टास्क फोर्स, सिक्किम सरकार ने शुक्रवार को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में यह जानकारी दी।

प्रभावित आठ सिक्किमवासियों में सुरेश कुमार अग्रवाल, आशा देवी अग्रवाल, सुरेंद्र कुमार अग्रवाल, चित्रा देवी अग्रवाल, भावरलाल अग्रवाल, पुष्पा देवी अग्रवाल, धनमाया छेत्री और सावित्री छेत्री शामिल हैं। गंगटोक और गेजिंग जिलों से कैलाश मानसरोवर यात्रा पर गया तीर्थयात्रियों का यह समूह चीन के तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र के अंतर्गत सागा काउंटी में फंस गया था। इसकी जानकारी मिलने के बाद सिक्किम सरकार ने समूह की स्थिति पर निगरानी रखने तथा उन्हें सुरक्षित वापस लाने के लिए संबंधित केंद्रीय एजेंसियों के साथ समन्वय करने हेतु तत्काल नेपाल फ्लैश फ्लड टास्क फोर्स का गठन किया था। सिक्किम के मुख्यमंत्री ने शुरुआत से ही इस मामले में व्यक्तिगत रूप से हस्तक्षेप किया। आपदा की जानकारी मिलने के एक दिन के भीतर 27 अगस्त, 2026 को उन्होंने फंसे हुए समूह से सीधे फोन पर संपर्क कर उनकी सुरक्षा और स्थिति की जानकारी ली। विज्ञप्ति में बताया गया है कि इस मामले को भारत सरकार के विदेश मंत्रालय के समक्ष भी समानांतर रूप से उठाया गया था। मुख्यमंत्री के जनसंपर्क अधिकारी समूह की कैलाश मानसरोवर यात्रा का संचालन करने वाले यात्रा संचालक के साथ सीधे और लगातार संपर्क में रहे।

इसके माध्यम से समूह के स्थान और आवागमन की विश्वसनीय एवं प्रत्यक्ष जानकारी हर चरण में राज्य सरकार को उपलब्ध कराई गई। राज्य सरकार ने संबंधित यात्रा संचालक और अन्य हितधारकों द्वारा दिए गए समन्वित सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया है। सिक्किम सरकार द्वारा गठित नेपाल फ्लैश फ्लड टास्क फोर्स के हेल्पलाइन नंबर चौबीसों घंटे चालू हैं। नेपाल में जिन सिक्किमवासियों के परिवार के सदस्य लापता, फंसे हुए या किसी अन्य रूप से प्रभावित हैं, उनसे तत्काल सहायता के लिए टास्क फोर्स से संपर्क करने का आग्रह किया गया है। नेपाल फ्लैश फ्लड टास्क फोर्स हेल्पलाइन:एसएसडीएमए नियंत्रण कक्ष/आपातकालीन संचालन केंद्र: 03592-201145, 202461, 205256

जूनपुट में डीआरडीओ का बड़ा रक्षा शोध प्रोजेक्ट, बंगाल में सरकारी निवेश को मिलेगा बढ़ावा : शुभेंदु अधिकारी

कोलकाता,एजेंसी। पश्चिम बंगाल में रक्षा अनुसंधान के क्षेत्र में बड़े सरकारी निवेश की तैयारी है। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि पूर्व मेदिनीपुर जिले के कांथी के पास जूनपुट में रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के लिए जमीन उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने कहा कि जूनपुट में डीआरडीओ की ओर से एक बड़ी परियोजना स्थापित की जाएगी। परियोजना से जुड़ी विस्तृत जानकारी बाद में साझा की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व मेदिनीपुर के तटीय क्षेत्र जूनपुट में डीआरडीओ की ओर से बड़ा प्रोजेक्ट किया जा रहा है। उन्होंने संकेत दिया कि यह परियोजना राज्य में रक्षा अनुसंधान और संबंधित गतिविधियों को नई दिशा दे सकती है। जूनपुट में डीआरडीओ की प्रस्तावित परियोजना को लेकर पहले भी विवाद सामने आ चुका है। वर्ष 2024 में यहां प्रस्तावित मिसाइल प्रक्षेपण केंद्र के लिए 'फ्लाइट ट्रायल' से जुड़े बुनियादी ढांचे के निर्माण का स्थानीय स्तर पर विरोध हुआ था। तृणमूल कांग्रेस के श्रमिक संगठन और स्थानीय मछुआरों के विरोध के बाद निर्माण कार्य प्रभावित हुआ था। अब जूनपुट में डीआरडीओ की बड़ी परियोजना स्थापित किए जाने की घोषणा की गई है। इससे क्षेत्र में रक्षा अनुसंधान से जुड़ी गतिविधियों और सरकारी निवेश के बढ़ने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री ने राज्य में निवेश और रोजगार को लेकर भी कई घोषणाएं कीं। साल्टलेक सिटी सेंटर में एक प्रमुख कपड़ा बिक्री समूह के कार्यक्रम में उन्होंने बताया कि कंपनी के फिलहाल पश्चिम बंगाल में 110 आउटलेट हैं। अगले 18 महीनों में कंपनी 140 नए आउटलेट खोलने की योजना बना रही है। इस विस्तार पर करीब 1,900 करोड़ के निवेश का अनुमान है। नए आउटलेट खुलने के बाद राज्य में कंपनी की कुल दुकानों की संख्या 250 हो जाएगी। मुख्यमंत्री के मुताबिक, इससे करीब 7,000 लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिलने की संभावना है। इसके साथ ही एमएसएमई क्षेत्र में भी कारोबार और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।

शुभेंदु अधिकारी ने बताया कि उद्योगपति गौतम अडानी आगामी 24 सितंबर को पश्चिम बंगाल का दौरा करेंगे। उन्होंने कहा कि दुर्गापूजा से पहले 33 कंपनियों को जमीन उपलब्ध कराई जाएगी। सरकार को उम्मीद है कि इससे राज्य में औद्योगिक गतिविधियों और निवेश को गति मिलेगी। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि संबंधित कपड़ा बिक्री समूह पुरुलिया में करीब 1,000 एकड़ जमीन पर सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करना चाहता है। कंपनी अब तक 100 एकड़ जमीन सीधे खरीद चुकी है। प्रस्तावित परियोजना से पश्चिम बंगाल के ऊर्जा क्षेत्र में निवेश बढ़ने की संभावना है।

नागपुर में मारबत-बड़गे महोत्सव का भव्य नजारा, काली-पीली मारबत के मिलन का साक्षी बना जनसैलाब

नागपुर,एजेंसी। ढोल-नगाडो की गूंज... 'ले जा रे गे मारबत' के गगनभेदी जयघोष... गुलाल की बौछार और सड़कों पर उमड़ा जनसैलाब... ऐसे उत्साहपूर्ण माहौल में नागपुर की करीब 150 वर्षों पुरानी ऐतिहासिक परंपरा मारबत और बड़गे महोत्सव इस वर्ष अभूतपूर्व अंतरराष्ट्रीय रंग में नजर आया। नागपुर के इतवारी इलाके में स्थित नेहरू पुतला चौक पर काली मारबत और पीली मारबत का पारंपरिक मिलन हुआ। इस ऐतिहासिक क्षण का साक्षी बनने के लिए लाखों नागपुरवासी उमड़ पड़े और पूरा क्षेत्र जनसैलाब में तब्दील हो गया। नेहरू चौक के आसपास की इमारतों की छतों, गैलरियों और बालकनियों में बड़ी संख्या में नागरिक खड़े होकर मारबत के ऐतिहासिक मिलन का नजारा देखते रहे। ढोल-ताशों की गूंज और जोरदार जयघोष से पूरा परिसर गूंज उठा। नागपुर की इस अनूठी लोक-सांस्कृतिक परंपरा का रोमांच देखते हुए लोगों का उत्साह चरम पर पहुंच गया।

इस ऐतिहासिक आयोजन का विशेष आकर्षण विदेशी मेहमान रहे। फ्रांस, इटली, फिनलैंड और नॉर्वे के वाणिज्य दूतों ने नेहरू चौक स्थित एक इमारत से मारबत शोभायात्रा का रोमांच देखा। उन्होंने नागपुर की सौ वर्ष से भी अधिक पुरानी इस लोकपरंपरा की जमकर सराहना की। इस अवसर पर प्रसिद्ध फिल्म निर्देशक सुभाष घई, जय मेहता, अभिनेता जैकी श्रॉफ और अंकुश चौधरी तथा क्रिकेटर उमेश यादव की मौजूदगी भी आकर्षण का केंद्र रही। नागपुरवासियों के जबरदस्त उत्साह को देखकर ये दिग्गज भी अभिभूत नजर आए। मारबत शोभायात्रा में शामिल बड़गे इस बार भी सामाजिक, राजनीतिक और प्रशासनिक मुद्दों पर किए गए व्यंग्यात्मक कटाक्ष के कारण चर्चा में रहे। महंगाई, सामाजिक कुरीतियों, प्रशासनिक व्यवस्था और

विभिन्न राजनीतिक घटनाक्रमों पर टिप्पणी करते बड़गों ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया। इस वर्ष 'मोबाइलवाले बाबा' विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। इसके अलावा 'कॉकरोच जनता पार्टी', 'रहमान डकैत', पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर पर कटाक्ष करने वाला बड़गा और युवाओं में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति पर संदेश देने वाले बड़गे भी चर्चा में रहे। जैसे-जैसे ये बड़गे सड़कों से आगे बढ़ते गए, ढोल-ताशों की थाप पर नागपुरवासियों का उत्साह और बढ़ता गया।

आयोजन की भव्यता और उमड़ी भारी भीड़ को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए थे। पुलिस आयुक्त विश्वास नांगरे पाटील अधिकारियों के साथ सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेने के लिए सड़कों पर मौजूद रहे। उनके मार्गदर्शन में करीब चार हजार पुलिसकर्मियों, एसआरपीएफ की टुकड़ियों तथा नागपुर महानगरपालिका के नियोजन के चलते शोभायात्रा शांतिपूर्ण और सुरक्षित तरीके से संपन्न हुई। नागपुर की सड़कों पर उमड़ा यह उत्साह केवल एक दिन तक सीमित नहीं रहा। करीब 150 वर्षों की परंपरा, लोकभावना और सांस्कृतिक अस्मिता से जुड़ा यह ऐतिहासिक अनुभव हर नागपुरवासी के मन में लंबे समय तक यादगार बना रहेगा। देश-विदेश में लाखों दर्शकों ने देखा आयोजनस्थानिय चैनल के लाइव प्रसारण के माध्यम से नागपुर के इस ऐतिहासिक आयोजन का आनंद देश-विदेश में बैठे लाखों दर्शकों ने भी लिया। सड़कों पर उमड़ा जनसैलाब, ढोल-ताशों की गूंज, गुलाल की बौछार, बड़गों के जरिए किया गया व्यंग्यात्मक सामाजिक-राजनीतिक भाष्य और काली-पिली मारबत का पारंपरिक मिलन—इन सभी ने इस वर्ष के आयोजन को यादगार बना दिया।

कच्चे तेल की धुन पर नाचा शेयर बाजार, निचले स्तर से शानदार रिकवरी के बावजूद लाल निशान में बंद हुए सेंसेक्स-निफ्टी

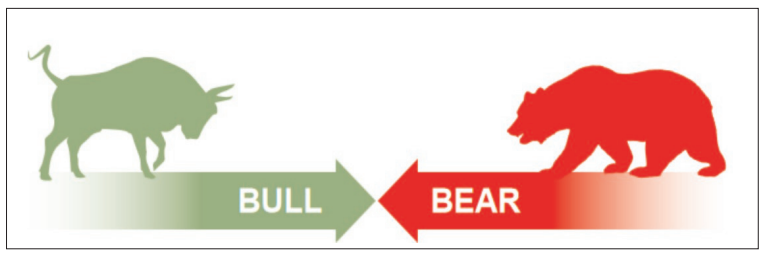

नई दिल्ली,एजेंसी। घरेलू शेयर बाजार आज पूरे दिन अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की चाल के आधार पर कारोबार करता रहा। कच्चे तेल की कीमत में आए उछाल की वजह से आज के कारोबार की शुरुआत भी कमजोरी के साथ हुई थी। कच्चे तेल की कीमत जैसे जैसे बढ़ती गई, वैसे-वैसे शेयर बाजार की कमजोरी भी बढ़ती चली गई। हालांकि, भारतीय समय के मुताबिक सुबह 10 बजे के करीब 108.77 डॉलर प्रति बैरल के स्तर तक पहुंचने के बाद कच्चे तेल की कीमत में गिरावट आ गई, जिससे शेयर बाजार की चाल में भी सुधार होने लगा।

इंट्रा-डे में सेंसेक्स 756.99 अंक की रिकवरी करने में सफल रहा। इसी तरह निफ्टी भी दिन के निचले स्तर से 216.70 अंक तक उछल गया। शाम तीन बजे के करीब कच्चे तेल की कीमत में आई हल्की तेजी की वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल एक बार फिर कमजोर पड़ गई। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.16 प्रतिशत और निफ्टी 0.34 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 593.43 अंक यानी 0.79 प्रतिशत की गिरावट के साथ 74,309.16 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण यह सूचकांक 742.43 अंक यानी 0.99 प्रतिशत फिसल कर 74,160.16 अंक के स्तर तक चला गया। इस गिरावट के बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिसकी वजह से सेंसेक्स की चाल में सुधार होने लगा। बाजार में शेयरों की लगातार हो रही खरीदारी के कारण आज का कारोबार खत्म होने के कुछ देर पहले यह सूचकांक दिन के निचले स्तर से 756.99 अंक की रिकवरी कर 14.56 अंक यानी 0.02 प्रतिशत की मामूली तेजी के साथ हरे निशान में 74,917.15 अंक के स्तर तक पहुंच गया। हालांकि, आखिरी 10 मिनट के कारोबार में एक बार फिर बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से सेंसेक्स दिन के ऊपरी स्तर से 135.39 अंक लुढ़क कर 120.83 अंक यानी 0.16 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 74,781.76 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 207.50 अंक यानी 0.88 प्रतिशत टूट कर 23,270.30 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही बिकवाली का दबाव बन जाने की वजह से यह सूचकांक 246.40 अंक यानी 1.05 प्रतिशत फिसल कर 23,231.40 अंक के स्तर तक आ गया। इसके बाद अंतरराष्ट्रीय बाजार से कच्चे तेल की कीमत में रिकवरी होने की खबर आते ही निफ्टी की चाल में भी सुधार होने लगा। कच्चे तेल की कीमत में रिकवरी की खबर से उत्साहित निवेशकों ने बाजार में चौतरफा खरीदारी शुरू कर दी, जिससे इस सूचकांक की चाल में तेजी का रुख बन गया। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से आज का कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले यह सूचकांक दिन के निचले स्तर से 216.70 अंक सुधर कर 23,448.10 अंक के स्तर तक पहुंच गया। इस स्तर पर एक बार फिर बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से निफ्टी करीब 50 अंक फिसल कर 79.70 अंक यानी 0.34 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,398.10 अंक के स्तर पर बंद हुआ। आज दिन भर के कारोबार के दौरान मेटल और रियल्टी सेक्टर के शेयरों की लगातार बिकवाली होती रही। बिकवाली के दबाव की वजह से बीएसई का मेटल इंडेक्स 2.40 प्रतिशत टूट गया। इसी तरह रियल्टी इंडेक्स ने भी दो प्रतिशत से अधिक का गोता लगाया। इसके अलावा ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्युरेबल्स, एफएमसीजी, हेल्थकेयर, ऑयल एंड गैस और पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज इंडेक्स भी गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुए। दूसरी ओर, बैंकिंग और आईटी सेक्टर के शेयरों में खरीदारी के सपोर्ट से आज लगातार तेजी का रुख बना रहा। चौतरफा बिकवाली का माहौल होने के बावजूद निफ्टी का बैंकिंग इंडेक्स 0.24 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह निफ्टी के आईटी इंडेक्स ने 0.11 प्रतिशत की तेजी के साथ आज के कारोबार का अंत किया। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार बिकवाली होती रही, जिसके कारण निफ्टी का मिडकैप इंडेक्स 0.26 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.58 प्रतिशत की गिरावट के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज ब्रॉडर मार्केट में बने बिकवाली के दबाव की वजह से स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में साढ़े तीन लाख करोड़ रुपये से भी अधिक की कमी आ गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 481.56 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। पिछले कारोबारी दिन यानी गुरुवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 485.07 लाख करोड़ रुपये था।

तमिलनाडु : मदुरांतकम के उपचुनाव में डीएमके-एआईएडीएमके और टीवीके के बीच त्रिकोणीय मुकाबला

चेंगलपट्टु,एजेंसी। तमिलनाडु की राजनीति में मदुरांतकम आरक्षित विधानसभा क्षेत्र इस बार खास चर्चा में है। वर्ष 1951 में विधानसभा क्षेत्र के रूप में अस्तित्व में आए मदुरांतकम के लंबे राजनीतिक इतिहास में पहली बार उपचुनाव होने जा रहा है। द्रविड़ दलों के प्रभाव वाले इस क्षेत्र में सत्तारूढ़ तमिलगा वेत्रि कझगम (टीवीके), द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके), अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (एआईएडीएमके) के बीच मुकाबला त्रिकोणीय रूप ले चुका है।

मदुरांतकम विधानसभा क्षेत्र में 1952 के पहले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने जीत दर्ज की थी। इसके बाद 1957 और 1962 में भी कांग्रेस ने अपना दबदबा कायम रखा। वर्ष 1967 में डीएमके ने यहां पहली बार जीत हासिल की और 1971 तथा 1977 में लगातार जीत दर्ज कर क्षेत्र को अपने मजबूत गढ़ में बदल दिया।

इसके बाद 1980 में एआईएडीएमके ने पहली बार मदुरांतकम में जीत दर्ज की। वहीं 1984 में डीएमके, जबकि 1989 और 1991 में एआईएडीएमके ने जीत हासिल की। 1996 में डीएमके और 2001 में एआईएडीएमके विजयी रही। 2006 में कांग्रेस ने लंबे अंतराल के बाद वापसी की, लेकिन 2011 में एआईएडीएमके और 2016 में डीएमके ने फिर जीत दर्ज की। मदुरांतकम के चुनावी इतिहास में कांग्रेस ने चार और डीएमके ने छह बार जीत दर्ज की है। वहीं, 2021 और 2026 के लगातार दो विधानसभा चुनाव जीतकर एआईएडीएमके ने यहां अपनी सातवीं जीत दर्ज की। वहीं, 2021 के चुनाव में एआईएडीएमके की मरगतम कुमारवेल ने 86,646 वोट हासिल कर जीत दर्ज की थी। 2026 में भी उन्होंने 69,284 वोट हासिल कर अपनी सीट बरकरार रखी। हालांकि, इसके बाद राजनीतिक समीकरण में बड़ा बदलाव आया और मरगतम कुमारवेल एआईएडीएमके छोड़कर टीवीके में शामिल हो गईं। इस साल हुए विधानसभा चुनाव में टीवीके की उम्मीदवार एझिल कैथरीन एझिलमलाई को 62,904 वोट मिले और वह दूसरे स्थान पर रहीं, जबकि 59,838 वोट हासिल करने वाली डीएमके तीसरे स्थान पर रही। कुल 93.22 प्रतिशत मतदान वाले इस चुनाव में एआईएडीएमके को 32.58 प्रतिशत, टीवीके को 29.20 प्रतिशत और डीएमके को 28.14 प्रतिशत वोट मिले। तीनों प्रमुख दलों के बीच बेहद कम अंतर ने क्षेत्र में मौजूद कड़ी राजनीतिक प्रतिस्पर्धा को उजागर किया। अब होने वाला उपचुनाव इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि पिछले दो चुनावों में एआईएडीएमके के टिकट पर जीतने वाली मरगतम कुमारवेल इस बार टीवीके के उम्मीदवार के रूप में मैदान में हैं। उनका मुकाबला डीएमके के परंदामन और एआईएडीएमके की कनिथा संपत से है। कनिथा संपत 2011 में इसी विधानसभा क्षेत्र से एआईएडीएमके के टिकट पर जीत हासिल कर चुकी हैं। ऐसे में एआईएडीएमके ने अपने पुराने चुनावी प्रभाव और संगठनात्मक ताकत के भरोसे मैदान संभाला है, जबकि टीवीके मरगतम कुमारवेल के व्यक्तिगत प्रभाव और नए राजनीतिक विकल्प के रूप में अपनी जगह बनाने की कोशिश कर रही है। डीएमके भी अपने परंपरागत समर्थन आधार को मजबूत करने में जुटी है। मदुरांतकम आरक्षित विधानसभा क्षेत्र में आदिद्रविड़ समुदाय की बड़ी आबादी है। इसके साथ ही वन्नियार और मुदलियार समुदाय के मतदाता भी चुनावी नतीजों को प्रभावित करने वाली महत्वपूर्ण ताकत माने जाते हैं।

मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी, सैफुल्लाह सिद्दिकी द्वारा आरडी प्रिंटिंग एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-08, नोएडा (यूपी), से छपवा कर एन-81, बटला हाउस, जामिया नगर पुलिस स्टेशन, जामिया नगर, नई दिल्ली-110025 से प्रकाशित किया। सर्वाधिकार सुरक्षित, किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र दिल्ली होगा। (संपादक- सैफुल्लाह सिद्दिकी)